Page 11 खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09 देश

शुक्ल पक्ष, विशाखा, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • शुक्रवार • 26 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 204 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

आज होगा वैभव का डेब्यू! अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर...

हिमाचल सरकार तैयार कर रही युवाओं की टास्क फोर्स, मॉनसून से पहले दी जाएगी जरूरी ट्रेनिंग

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,28,450	₹ 2,45,000

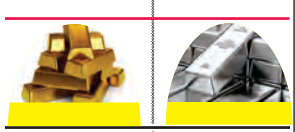

आज का इतिहास

1740 : 300 नियमित सैनिकों, फ्री ब्लैक मिलिशिया और भारतीय सहायक सेनाओं के जेनकींस के ईयर-ए-स्पैनिश कॉलम का युद्ध स्पेनिश फ्लोरिडा में फोर्ट मोसे की ब्रिटेन की महत्वपूर्ण स्थिति पर पहुंच गया।

1975 : भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की।

न्यूज बाइट्स

री-नीट-यूजी फर्जीवाड़ा : आठ राज्यों से बिहार बुलाए गए 200 सॉल्वर

पटना (नि.सं.)। री-नीट-यूजी 2026 परीक्षा में कथित फर्जीवाड़े की जांच तेज होने के साथ ही एक बड़े सॉल्वर सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। आर्थिक अपराध इकाई और स्थानीय पुलिस की जांच में सामने आया है कि मेडिकल छात्रों द्वारा संचालित इस गिरोह ने बिहार में करीब 200 फर्जी परीक्षार्थियों को बैठाने की योजना बनाई थी। इस नेटवर्क से जुड़े सॉल्वर आठ राज्यों से बिहार बुलाए गए थे और अभ्यर्थियों से परीक्षा दिलाने के नाम पर लगभग 50 करोड़ रुपये तक की डील की गई थी। प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरोह ने करीब 200 अभ्यर्थियों की जगह फर्जी परीक्षार्थियों को परीक्षा में बैठाने की तैयारी की थी। प्रत्येक अभ्यर्थी से औसतन 40 लाख रुपये वसूले जाने की बात सामने आई है। इस आधार पर पूरे रैकेट का सौदा करीब 50 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस कथित सॉल्वर सिंडिकेट का मास्टरमाइंड मुजफ्फरपुर निवासी अर्पित यादव है। बताया जा रहा है कि उसने राजस्थान के कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के दौरान अपने साथियों के साथ मिलकर इस नेटवर्क की शुरुआत की।

बिहार में बंद चीनी मिलें फिर होंगी शुरू, चीनी के साथ एथेनॉल, सीबीजी और बिजली भी बनेगी

चीनी मिल खोलने वालों को एक रुपये के टोकन पर मिलेगी जमीन

- नई शुगरकेन नीति को मंजूरी, निवेशकों को एक रुपये टोकन पर 30 साल की लीज, 70 करोड़ तक मिलेगी सरकारी सहायता

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने राज्य के चीनी उद्योग को नई दिशा देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने गुरुवार को घोषणा की कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बंद पड़ी चीनी मिलों के पुनरुद्धार और नई शुगरकेन नीति को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत राज्य की चीनी मिलों को 'मॉडल कॉम्प्लेक्स' के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां चीनी उत्पादन के साथ-साथ एथेनॉल, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) और बिजली का भी उत्पादन होगा। मंत्री ने बताया कि बिहार देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां चीनी मिलों को एकीकृत औद्योगिक परिसर के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे कृषि, उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र को एक साथ बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों के साथ-साथ निवेशकों को भी लाभ होगा। गन्ना उद्योग मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्षों से बंद पड़ी चीनी मिलों को दोबारा चालू करने का निर्णय लिया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि इस वर्ष के अंत तक कम-से-कम पांच चीनी मिलों के पुनरुद्धार अथवा नई स्थापना की प्रक्रिया धरातल पर दिखाई देने लगे। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परियोजनाओं की आधारशिला नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों रखे जाने की योजना है।

किसानों को मिलेगा बेहतर दाम

मुख्यमंत्री के 'सात निश्चय-3' योजना के तहत इस नीति को लागू करने से बिहार में बड़े पैमाने पर प्राइवेट इन्वेस्टमेंट आएगा। इससे न केवल बंद पड़ी मिलों की रौनक लौटेगी, बल्कि गांवों और शहरों के युवाओं के लिए रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही गन्ना उगाने वाले किसानों को उनकी फसलों का पहले से कहीं बेहतर और सही मूल्य समय पर मिल सकेगा, जिससे उनकी आमदनी में बड़ा इजाफा होगा।

भूमि निबंधन शुल्क की होगी शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति

नई नीति के तहत नई चीनी मिल की स्थापना अथवा क्षमता विस्तार के लिए खरीदी जाने वाली भूमि पर लगने वाले निबंधन शुल्क (रजिस्ट्रेशन फीस) की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति राज्य सरकार करेगी। इससे निवेशकों पर शुरुआती आर्थिक बोझ कम होगा और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। गन्ना उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार की इस नीति से बिहार में चीनी उद्योग को नई ऊर्जा मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा और राज्य औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाएगा।

निवेशकों को मिलेगा विशेष प्रोत्साहन

नई शुगरकेन नीति के तहत निवेशकों को चीनी मिल स्थापित करने के लिए 30 वर्ष की लीज पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए केवल 1 रुपये टोकन राशि ली जाएगी। सरकार का मानना है कि इस पहल से राज्य में बड़े पैमाने पर निजी निवेश आकर्षित होगा और चीनी उद्योग को नई गति मिलेगी। सरकार ने नई चीनी मिलों की स्थापना के लिए आकर्षक प्रोत्साहन पैकेज भी घोषित किया है। न्यूनतम 3,500 टीसीडी (टन क्रशिंग प्रति दिन) क्षमता वाली नई चीनी मिल स्थापित करने पर सरकार अधिकतम 70 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता पांच किस्तों में उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा 3,500 टीसीडी से अधिक क्षमता विस्तार करने पर प्रत्येक अतिरिक्त 100 टीसीडी पर 2 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।

बिहार शिक्षक स्थानांतरण नियमावली को मंजूरी, अब ऑनलाइन होंगे ट्रांसफर

- महिला शिक्षकों को गृह पंचायत और पुरुष शिक्षकों को गृह प्रखंड के आसपास मिलेगा पदस्थापन, ट्रांसफर के बाद जुलाई में टीआरई-4 प्रक्रिया शुरू होने के संकेत

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने राज्य के लाखों शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 को कैबिनेट से मंजूरी दे दी है। नई नियमावली के तहत अब शिक्षकों, प्रधान शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों का स्थानांतरण पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे स्थानांतरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी, सरल और निष्पक्ष बनेगी। शिक्षा विभाग के अनुसार आवेदन से लेकर पदस्थापन तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होगी। इससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। नई नियमावली में महिला शिक्षकों को विशेष राहत दी गई है। मानवीय आधार पर उन्हें गृह पंचायत के निकट पदस्थापन का लाभ मिलेगा। वहीं पुरुष शिक्षकों को गृह प्रखंड के आसपास पदस्थापित करने का प्रावधान किया गया है। सरकार का कहना है कि इससे शिक्षकों की व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान होगा और वे बेहतर ढंग से शैक्षणिक कार्य कर सकेंगे। साथ ही विद्यालयों में शिक्षकों का संतुलित वितरण सुनिश्चित होगा, जिससे शिक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने गोपालगंज में कहा कि शिक्षकों की लंबे समय से लंबित ऐच्छिक स्थानांतरण की मांग को सरकार ने पूरा किया है। उन्होंने बताया कि नई ट्रांसफर नीति लागू होने के बाद अगले लगभग दस दिनों में अधिकांश शिक्षकों का स्थानांतरण पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद विभाग के पास रिक्त पदों का स्पष्ट आंकड़ा उपलब्ध हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद जुलाई के मध्य तक टीआरई-4 के लिए अधियाचन भेज दिया जाएगा। सरकार अगले पांच वर्षों में एक लाख शिक्षकों की नियुक्ति के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। रिक्तियों के आकलन के बाद नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरकार का मानना है कि नई शिक्षक स्थानांतरण नियमावली से न केवल शिक्षकों को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, संतुलित और प्रभावी बनेगी। वहीं, टीआरई-4 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों की निगाहें अब जुलाई में प्रस्तावित अधिसूचना और भर्ती प्रक्रिया पर टिकी हैं।

सीएम ने संविधान हत्या दिवस पर आपातकाल को बताया लोकतंत्र का काला अध्याय

पटना(नि.सं.)। 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में याद करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांग्रेस और आपातकाल को लेकर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय बताते हुए कहा कि उस दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ा था। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 25 जून भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का ऐसा दिन है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके अनुसार आपातकाल के दौरान सत्ता के अहंकार में लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास किया गया और आम नागरिकों के मौलिक अधिकार प्रभावित हुए। मुख्यमंत्री ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उस कठिन दौर में अनेक लोगों ने विरोध की आवाज बुलंद की और कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए भी लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता नहीं किया।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में न्यायिक जांच शुरू सीएम ने कहा - जो दोषी होगा उस पर होगी कार्रवाई

रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने बिलौटी गांव पहुंचकर परिजनों से की मुलाकात, मां ने दोषियों को फांसी और सीबीआई जांच की मांग दोहराई

निज संवाददाता | आरा/भोजपुर

भोजपुर के बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में न्यायिक जांच की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई। घटना के आठ दिन बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पहली बार इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो सरकार तत्काल गंभीरता से कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने मामले की जांच के लिए सर्वोच्च स्तर का आयोग गठित किया है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इधर, मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद गठित न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा गुरुवार सुबह अपनी टीम के साथ भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचे। उनके साथ शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश, भोजपुर के डीएम तनय सुल्तानिया, एसपी राज सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। जांच दल ने भरत तिवारी के माता-पिता और भाई से मुलाकात कर घटना से संबंधित जानकारी ली। इसके अलावा आयोग ने कथित मुठभेड़ से जुड़े विभिन्न स्थलों का भी निरीक्षण किया और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। जांच आयोग से मुलाकात के बाद भरत तिवारी की मां आशा देवी ने कहा कि उन्होंने जज से दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। उनके अनुसार उन्होंने आयोग के समक्ष कहा कि उनके बेटे की हत्या में शामिल सभी लोगों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

बिहार लोक भवन
पटना–800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

संदेश

मुहर्रम हज़रत इमाम हुसैन की शहादत के लिए जाना जाता है। उन्होंने अन्याय, अत्याचार और असत्य के विरुद्ध संघर्ष करते हुए सत्य, न्याय, मानवता और धर्म के मूल्यों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। इस अवसर पर हम हज़रत इमाम हुसैन तथा उनके साथियों के कर्बला में दिए गए अद्वितीय बलिदान का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं। उनका साहस, त्याग और सत्य के प्रति अटूट समर्पण आज भी समस्त मानवता के लिए एक अनुकरणीय आदर्श है।

मुहर्रम हमें शांति, सद्भाव, करुणा, सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों के महत्व का बोध कराता है। मैं सभी बिहारवासियों से अपील करता हूँ कि वे मुहर्रम को पारंपरिक सद्भाव, शांति और भाईचारे के साथ मनाएँ तथा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और पारस्परिक सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दें।

ले.ज.सय्यद अता हसनैन (से.नि.)

PR No.-005988 (Governor Secretariat)D. 2026-27

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट, कौआकोल में निकाला गया फ्लैग मार्च

कौआकोल। कौआकोल में आगामी मुहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को कौआकोल अंचलाधिकारी मनीष कुमार एवं थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में कौआकोल पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने कौआकोल बाजार सहित बिझो एवं आसपास के विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि मुहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है,ताकि पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

बीपीएससी उत्तीर्ण कर आरडीओ बने राहुल का सरौनी गांव में हुआ भव्य स्वागत

कौआकोल। प्रखण्ड के सरौनी गांव के होनहार युवक राहुल कुमार के बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा उत्तीर्ण कर आरडीओ बनने पर गुरुवार को ग्रामीणों ने उनका भव्य अभिनन्दन किया। इस अवसर पर गांव में खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने राहुल कुमार को फूल-माला पहनाकर सम्मानित किया और उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि राहुल कुमार की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और मेहनत व लगन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस दौरान ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने राहुल कुमार को बधाई देते हुए उनके सफल एवं बेहतर भविष्य की कामना की। गांव में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा।

टेम्पो सीखने के दौरान हुई सड़क दुर्घटना में एक किशोर की मौत,दूसरा गम्भीर रूप से घायल नवादा रेफर,जांच में जुटी पुलिस

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के लोमस ऋषि पहाड़ी के समीप टेम्पो पलटने से सवार रहे दो किशोरों में से एक की मौत गुरुवार की शाम को हो गई। वहीं दूसरा किशोर गम्भीर रूप से घायल हो गया। मृतक किशोर की पहचान डीह रजौली निवासी महेश पासवान के लगभग 16 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल किशोर की पहचान सनोज पासवान के लगभग 15 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। दुर्घटना स्थल घर से दूर और सुनसान इलाके में रहने के कारण परिजनों को सड़क दुर्घटना की सूचना देर से मिली। परिजन दुर्घटना स्थल पर पहुंचे एवं आनन फानन में दोनों घायल किशोरों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल लाये। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. सूरज कुमार ने बताया कि मुकेश कुमार अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था। वहीं दूसरे घायल प्रिंस कुमार का प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर किया गया है। मुकेश की मौत की पुष्टि होते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार दो किशोर घर से टेम्पो चलाने को लेकर निकले थे। इसी बीच टेंपो दुर्घटना का शिकार हो गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पुलिस बल को अस्पताल परिसर भेजा गया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

वेतन नही मिलने से भुखमरी के कगार पर शिक्षक

नवादा (नारदीगंज)। नारदीगंज प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत लगभग 170 नियोजित शिक्षक बीते तीन महीनों से वेतन न मिलने के कारण गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अप्रैल माह से वेतन बंद होने के कारण शिक्षकों के परिवारों के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है। त्योहार फीके बीतने के बाद अब दुकानदारों ने भी राशन उधार देना बंद कर दिया है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और परिवार का भरण-पोषण पूरी तरह ठप है। शिक्षकों का आरोप है कि जिले को राशि उपलब्ध होने के बावजूद विभाग की अनदेखी से भुगतान अटका हुआ है। यही बदतर हाल पूरे जिले के जीओबी, पंचायत और 34,500 श्रेणी के शिक्षकों का भी है। शिक्षकों ने सरकार से तुरंत वेतन जारी करने की गुहार लगाई है। वहीं, मामले पर बीईओ दीपक सक्सेना ने कहा कि अभी तक विभाग से आवंटन प्राप्त नहीं हुआ है। आवंटन आते ही शिक्षकों को जल्द वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा।

रजौली में जमीन सौदे के नाम पर 51 लाख की ठगी का खुलासा

नागपुर से आए लोगों को गन-मैन का धौंस दिखाकर पीटकर कराए थे दस्तखत, साजिशकर्ता सलाखों के पीछे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- **नागपुर में 9 एकड़ जमीन के लिए पांच करोड़ में हो रहा था सौदा**
- **गिरफ्तार पंकज सिंह निकला कुख्यात अपहरणकर्ता**

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के एनएच-20 स्थित होटल रॉयल ऑर्बिट में महाराष्ट्र के नागपुर से जमीन बेचने आए लोगों के साथ मारपीट कर जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने और उल्टा 51 लाख लेकर भागने का झूठा केस दर्ज कराने वाले साजिशकर्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में नागपुर से आए पीड़ितों व बिचौलिए को पुलिस ने उड़ीसा से बरामद किया।

उड़ीसा से पकड़ाए पीड़ित,खुली साजिशः- रजौली पुलिस ने सूझबूझ से कार संख्या एमएच-49बीआर-5495 पर सवार नागपुर निवासी मधुकर काले के पुत्र सुनील काले व तानाजी वनवे के पुत्र विजय वनवे एवं बिचौलिए डीह रजौली निवासी मदन पाण्डेय उर्फ शंभू पाण्डेय के पुत्र संतोष पाण्डेय को उड़ीसा से धर दबोचा। पूछताछ में सुनील काले ने बताया कि वे सिविल इंजीनियर हैं और बेटी को उच्च शिक्षा के लिए जापान भेजने को 90 लाख की जरूरत थी, जिसके लिए पुस्तैनी जमीन बेच रहे थे। ग़ैरिबा निवासी कृष्णदेव सिंह के पुत्र पंकज सिंह ने मई में नागपुर से लौटे संतोष पाण्डेय से नागपुर में जमीन खरीदने की इच्छा जताई थी। संतोष ने नागपुर में सुनील काले से प्रस्ताव रखा। जून के पहले सप्ताह में पंकज नागपुर गया, जहां उसका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। नागपुर में पंकज ने खुद को गोल्ड मेकिंग कारखाने एवं कोयला खदान का मालिक बताया था। नागपुर में जमीन देखकर पंकज ने रजौली में कैश देने का वादा कर सुनील काले व विजय वनवे को जून के तीसरे सप्ताह में रजौली बुलाया।

गन-मैन का धौंस दिखाकर कराई मारपीटः- नागपुर से आए लोगों को होटल रॉयल ऑर्बिट में ठहराया गया। 21 जून को पंकज सिंह ने बिना पैसे दिए गन-मैन का धौंस दिखाकर सुनील, विजय व संतोष के साथ मारपीट की। डर के मारे तीनों ने 51 लाख का चेक काटकर दिया और जमीन के एग्रीमेंट पर साइन कर दिए। सुनील काले ने बताया कि वे मारपीट के बाद बाथरूम में जाकर शरीर के विभिन्न हिस्सों पर अपने परिजनों का मोबाइल नंबर लिख लिए थे,ताकि उन्हें अगर मारकर कहीं फेंक दे,तो महाराष्ट्र में रहे परिजनों तक बात पहुंच सके। वहीं मौका मिलने पर डर के मारे रात में तीनों जान बचाकर होटल से निकले और कार से भाग निकले। 22 जून की सुबह फोन पर कहासुनी के बाद पंकज ने रजौली थाने में नागपुर वालों पर 51 लाख लेकर भागने का झूठा केस दर्ज करा दिया।

सीसीटीवी से खुला राज,साजिशकर्ता फंसाः- पुलिस ने होटल ऑर्बिट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। 51 लाख रुपए या नोट गिनने की मशीन का कोई प्रमाण नहीं मिला। इसके बाद सुनील काले के आवेदन पर पंकज सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि अपर थानाध्यक्ष एसआई अजय कुमार एवं एसआई सचिन कुमार के सहयोग से मामले का उद्भेदन हुआ। साजिशकर्ता पंकज सिंह को गुरुवार को जेल भेज दिया गया है।

थाना परिसर से जेल जाता गिरफ्तार अपराधी

गन-मैन ने परदेशियों को भगाने में मदद :- नागपुर से आए सुनील काले व विजय वनवे के साथ संतोष पाण्डेय की निगरानी में रहे दो गन-मैन रोहतास जिले के मनोज सिंह और भोजपुर के अरुण कुमार ने होटल से निकालने में मदद की। दोनों गन-मैन ने बताया कि पंकज सिंह ने हस्ताक्षर करवाने के लिए पहले खुद के पैर पर गोली मारने और बाद में सुनील और विजय के सिर में गोली मारकर फेंकने की बात भी कही गई थी।

9 एकड़ जमीन के लिए पांच करोड़ में हो रहा था सौदा :- विजय वनवे ने बताया कि सुनील काले का नागपुर में रहे 9 एकड़ जमीन का सौदा पंकज सिंह ने पांच करोड़ रुपए में किया था। पैसों की लेनदेन में एक करोड़ रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर और चार करोड़ रुपए कैश देने की बात कही थी। कैश को एक दर्जन गन-मैन के साथ रजौली से नागपुर देने की बात कही गई थी।

गिरफ्तार पंकज निकला कुख्यात अपहरणकर्ता :- गिरफ्तार साजिशकर्ता पंकज सिंह बीते वर्ष 2014 में नगर थाना नवादा के थाना कांड संख्या 186/14 में जदयू नेत्री रेणु सिन्हा के पुत्र बिपिन का अपहरण कर फिरौती के लिए 50 लाख रुपए की मांग की गई थी और बाद में हत्या कर दिया गया था। दूसरी ओर कोडरमा जिले के तिलैया थाना कांड संख्या 59/14 में वाराणसी के रमेश सिंह के अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। उक्त दोनों मामलों में न्यायालय द्वारा उम्रकैद की सजा भी सुनाई गई थी। इसके अलावे कई लोगों से जमीन के नाम पर 6 से 10 लाख रुपए ऐंठने के आरोप सामने आ रहे हैं।

अस्पताल में हंगामा, दो हिरासत मेंः- बुधवार को मेडिकल जांच के दौरान पंकज के परिजन रजौली अस्पताल पहुंचे और पुलिस गिरफ्त से छुड़ाने के लिए हंगामा करने लगे। अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर स्थिति नियंत्रित की गई। दो युवकों को हिरासत में लेकर एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है। हंगामा करने वालों को नोटिस दिया गया है।

वहीं नागपुर से आए पीड़ितों ने बताया कि वे घटना को बुरा सपना समझकर लौट रहे थे, तभी उड़ीसा पुलिस ने पकड़कर रजौली पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़ितों ने रजौली पुलिस की सराहना की। पुलिस मामले की अग्रतर जांच में जुटी है।

सोखोदेवरा में चल रहे सूर्य नारायण महायज्ञ में श्रीकृष्ण जन्म लीला का भावपूर्ण वर्णन

मांस-मदिरा से दूर रहकर करें गो सेवाः- आचार्य श्याम दास

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव में चल रहे सप्तदिवसीय श्री श्री 108 श्री सूर्य नारायण महायज्ञ के पांचवें दिन धार्मिक आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। यज्ञ स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी,जहां वैदिक मंत्रोच्चार,पूजा-अर्चना और हवन के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप का परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं समाज के कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के दौरान श्रीवृंदावन (चित्रकूट धाम) से पधारे कथावाचक आचार्य श्याम दास जी महाराज ने अपने प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म,संस्कृति और जीवन मूल्यों का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में सात्विकता अपनानी चाहिए और मांस व मदिरा जैसे तामसिक पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए,क्योंकि इससे व्यक्ति का मन और विचार दोनों दूषित होते हैं तथा वह धर्म और आध्यात्मिकता से दूर होता चला जाता है। आचार्य श्याम दास जी महाराज ने प्रवचन के दौरान अपने सम्बोधन में गौ सेवा के महत्व पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि "गो सेवा ही गोपाल सेवा है।" उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में गाय को पूजनीय माना गया है और गौसेवा करना भगवान की सच्ची सेवा के समान है। गौसंरक्षण और गौसेवा से समाज में करुणा, धर्म और सेवा की भावना मजबूत होती है। महायज्ञ परिसर में दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और कथा-प्रवचन का क्रम चलता रहा। आयोजन समिति ने बताया कि आगामी दिनों में भी महायज्ञ के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूरे क्षेत्र में इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। इस अवसर पर वृदांवन से आए रासलीला मण्डली के कलाकारों ने श्रीकृष्ण जन्मलीला का कला प्रस्तुत किया। जिसे देखकर श्रोता भावविभोर हो उठे और पूरा पंडाल जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से गूंज उठा।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिला स्तरीय समिति की समीक्षा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी श्री प्रकाश प्रियरंजन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिनांक 22.06.2026 तक अधिनियम के तहत कुल 57 कांड दर्ज किए गए हैं, जिनमें सभी 57 मामलों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इनमें से 11 मामलों में सहायता राशि का भुगतान किया जा चुका है, जबकि 46 मामले आवंटन के अभाव में लंबित हैं।पेंशन से संबंधित समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले में कुल 52 पेंशनधारी लाभान्वित हो रहे हैं तथा अप्रैल 2026 तक सभी लाभुकों को पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। मई 2026 की पेंशन राशि के भुगतान हेतु विभाग से आवंटन की मांग की गई है।

बैठक में हत्या से संबंधित मामलों में आश्रितों को नियोजन उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि विभागीय संकल्प के अनुरूप अब तक 23 मामलों में प्रथम किस्त का भुगतान किया गया है तथा आरोप गठन की सूचना प्राप्त 15 मामलों की स्थिति की समीक्षा की गई। इनमें से तीन मामलों में आश्रितों को विभिन्न विभागों में नियुक्ति प्रदान की गई है तथा शेष मामलों में आवश्यक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि विभागीय पोर्टल पर दिनांक 22.06.2026 तक कुल 1702 मामलों की प्रविष्टि की गई है, जिनमें से 1691 मामलों को स्वीकृति प्राप्त हुई है। प्रथम किस्त के रूप में 1635 मामलों में भुगतान किया जा चुका है, जबकि 56 मामले आवंटन के अभाव में लंबित हैं। इसी प्रकार आरोप पत्र एवं अंतिम प्रतिवेदन के आधार पर 1323 मामलों की प्रविष्टि की गई है, जिनमें 1157 मामलों को स्वीकृति प्राप्त हुई है तथा 1075 मामलों में मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है। 82 मामले आवंटन के अभाव में लंबित हैं।

पीड़ितों, आश्रितों एवं साक्षियों को सुनवाई एवं अनुश्रवण हेतु यात्रा भत्ता तथा दैनिक भरण-पोषण भत्ता के भुगतान की समीक्षा के दौरान बताया गया कि दिनांक 22.06.2026 तक कुल 78 पीड़ितों को उनके बैंक खातों में राशि का भुगतान किया जा चुका है। बैठक में विशेष लोक अभियोजक के कार्यों की समीक्षा करते हुए बताया गया कि माह मई 2026 का प्रतिवेदन उपलब्ध करा दिया गया है। जिला पदाधिकारी ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, समयबद्ध सहायता भुगतान तथा पीड़ितों को निर्धारित लाभ उपलब्ध कराने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इसके साथ ही मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय निगरानी समिति की भी समीक्षा की गई।

- **लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश**

जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि सीवरेज वर्करों का नियमित चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है तथा संबंधित सभी कार्यपालक पदाधिकारी इस विषय में संवेदनशील हैं। इस पर जिला पदाधिकारी ने नगर परिषद नवादा, वारिसलीगंज, हिसुआ एवं नगर पंचायत रजौली के कार्यपालक पदाधिकारियों को समय-समय पर चिकित्सीय जांच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि नगर परिषद नवादा, वारिसलीगंज, हिसुआ एवं नगर पंचायत रजौली में सीवर टैंक की सफाई हेतु विशेष वाहन उपलब्ध कराया गया है। जिला पदाधिकारी ने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सीवर सफाई कार्यों में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन कराने का निर्देश दिया। बैठक में समिति के अन्य सदस्यों ने अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने तथा पीड़ितों को समय पर न्याय एवं सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), जिला अभियोजन पदाधिकारी, विशेष लोक अभियोजक, व्यवहार न्यायालय, नवादा, थानाध्यक्ष अनुसूचित जाति/जनजाति थाना, ग्रामीण महिला विकास समिति, नवादा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समिति के अन्य सदस्य तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मुहर्रम पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, डीएम-एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च

नवादा। मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था संधारण, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक, अभिनव धीमान के संयुक्त नेतृत्व में समाहरणालय परिसर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च समाहरणालय परिसर से प्रारंभ होकर रजौली बस स्टैंड, अंसार नगर, मस्तानगंज, सद्भावना चौक, भदौनी, बाबा के ढाबा, गढ़पर मोहल्ला एवं संकटमोचन मंदिर सहित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजनों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण स्थापित करना, शांति एवं सौहार्द का संदेश देना तथा असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों को कानून-व्यवस्था के प्रति प्रशासन की तत्परता का स्पष्ट संदेश देना था।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि मुहर्रम पर्व अनुशासन, त्याग एवं सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने जिलेवासियों से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करने की अपील की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिले में सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान अफवाह फैलाने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा विधि-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से भी अपील की गई कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें तथा किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को दें।

फ्लैग मार्च में अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नवादा सदर, डीसीएलआर, नवादा सदर, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, गोपनीय शाखा प्रभारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर जागरूकता उन्मुखीकरण सत्र आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा महिला एवं बाल विकास निगम के अंतर्गत संचालित मिशन शक्ति के तहत जिला हब फॉर एमपावरमेंट ऑफ वीमेन, नवादा के सौजन्य से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन (Menstrual Hygiene Management) के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान एवं अधिकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय, नावाडीह में एक दिवसीय उन्मुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बताया गया कि माहवारी एक प्राकृतिक एवं सामान्य जैविक प्रक्रिया है, जिसके प्रति समाज में फैली भ्रांतियों एवं संकोच को दूर करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवनशैली के लिए माहवारी के दौरान उचित स्वच्छता अपनाने पर विशेष बल दिया।

उन्मुखीकरण सत्र के दौरान विशेषज्ञों द्वारा माहवारी से संबंधित वैज्ञानिक तथ्यों, स्वच्छता के महत्व, सुरक्षित एवं स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों के उपयोग, उनके उचित निस्तारण तथा माहवारी के दौरान पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि माहवारी के विषय में खुलकर संवाद करना, गलत धारणाओं को चुनौती देना तथा किशोरियों को सही एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना समाज के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने माहवारी से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे तथा विशेषज्ञों से अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों ने माहवारी से जुड़े मिथकों को दूर करने तथा स्वच्छता संबंधी व्यवहारों को अपने परिवार एवं समुदाय में बढ़ावा देने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि गरिमा, शिक्षा एवं लैंगिक समानता से भी जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण मुद्दा है। ऐसी जागरूकता गतिविधियाँ महिलाओं एवं किशोरियों में आत्मविश्वास का संचार करने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं। इसके उपरांत "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी दी।बताया गया कि इस अभियान का उद्देश्य बाल लिंगानुपात में सुधार लाना तथा कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना, बालिकाओं के जन्म एवं अस्तित्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना, बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना एवं विद्यालयों में उनका नामांकन बढ़ाना, लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करना, बालिकाओं को सशक्त एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना, बाल विवाह, भेदभाव एवं हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने की दिशा में कार्य करना तथा समाज में बेटियों के सम्मान एवं महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं के बीच महावारी स्वच्छता किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला हब फॉर एमपावरमेंट ऑफ वीमेन के मयंक प्रियदर्शी (लैंगिक विशेषज्ञ), अमन कुमार (वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ), अनुग्रह प्रसाद तिग्गा (जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम) सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाएँ एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

- **विशेषज्ञों द्वारा माहवारी से संबंधित वैज्ञानिक तथ्यों, स्वच्छता के महत्व, सुरक्षित एवं स्वच्छ सैनिटरी उत्पादों के उपयोग, उनके उचित निस्तारण तथा माहवारी के दौरान पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी दी गई**

बहन की शादी का कार्ड बांटने निकला युवक सड़क हादसे का शिकार

घर की खुशियां मातम में बदलीं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नरहट (नवादा)। नरहट थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में उस समय मातम छा गया, जब बहन की शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने निकला एक युवक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में उसकी मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक की पहचान रामपुर निवासी स्वर्गीय रंजीत सिंह के 18 वर्षीय पुत्र *सिद्धार्थ कुमार उर्फ मोनू* के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिद्धार्थ अपनी बहन के विवाह का निमंत्रण देने बाइक से राजगीर थाना क्षेत्र के सिथौरा गांव गया था। बुधवार की दोपहर सिथौरा स्थित करियना मोड़ के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद युवक सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा रहा।

स्थानीय लोगों ने उसके पास मौजूद शादी के कार्ड पर अंकित मोबाइल नंबर के आधार पर परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों की सहायता से उसे तत्काल राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ रेफर कर दिया गया। लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि सिद्धार्थ की बहन का तिलक-फलदान कार्यक्रम 25 जून को निर्धारित था, जबकि

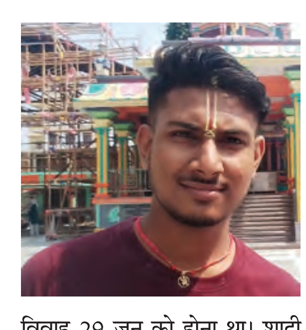

विवाह 29 जून को होना था। शादी की तैयारियों के बीच वह रिश्तेदारों और परिचितों को निमंत्रण देने निकला था। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि खुशियों का संदेश लेकर निकला युवक खुद कभी घर वापस नहीं लौटेगा।

पोस्टमार्टम के बाद बुधवार की रात करीब साढ़े आठ बजे जब सिद्धार्थ का शव गांव पहुंचा तो पूरे माहौल में चीख-पुकार मच गई। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सबसे मार्मिक स्थिति उसकी बहन और मां की है, जिनके घर में कुछ दिनों बाद शहनाई बजने वाली थी। अब वही घर मातम और सन्नाटे में डूब गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि सिद्धार्थ के पिता रंजीत सिंह का निधन एक वर्ष पूर्व ही हो चुका था। परिवार में वह एकमात्र पुत्र था और घर की बड़ी उम्मीद माना जाता था। उसकी असमय मौत ने परिवार को गहरा आघात पहुंचाया है। गांव के लोग भी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स में तैनात जवान की मौत, हार्ट अटैक से गई जान, राजकीय सम्मान के साथ हुई अंतिम विदाई

नालन्दा। नालंदा के नूरसराय प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज परिऔना के कुबड़ा बिगहा निवासी और छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स में तैनात जवान विनोद पासवान की हार्ट अटैक से 23 जून को मौत हो गई। गुरुवार को उनके पैतृक आवास पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई। जवान के पार्थिव शरीर पर बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार और नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन घड़ी में धैर्य रखने की अपील की। मंत्री श्रवण कुमार ने विनोद पासवान की कर्तव्यनिष्ठा को नमन करते हुए कहा कि उनका जाना पूरे जिले और राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि जवान मुस्तैदी से सीमा और समाज की सुरक्षा करते हैं, तभी हम चैन की नींद सो पाते हैं। विनोद पासवान एक अत्यंत मेहनती और कर्तव्यनिष्ठ जवान थे। जो वर्दी पहनकर देश और समाज की रक्षा करता है, उसकी रक्षा करना हम सबका धर्म है। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने शहीद जवान के बलिदान को सलाम करते हुए कहा कि विनोद पासवान ने अपनी सेवा के माध्यम से वर्दी का मान बढ़ाया है। उन्होंने परिजनों को सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। शहीद जवान को जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। प्रशासन की ओर से उन्हें सलामी देकर अंतिम विदाई दी गई। इस अवसर पर क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेता और समाजसेवी उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार, जिला प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, लोजपा (रा) के जिलाध्यक्ष सतेंद्र मुकुट, मुखिया चंद्रमणि पासवान, राकेश कुमार, गुड्डू कुमार, शैलेंद्र चौहान और डॉ. सुनील दत्त सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। पूरे इलाके में वीर जवान के अंतिम संस्कार के समय गमगीन माहौल रहा और हर कोई नम आंखों से उन्हें याद करता नजर आया।

नालंदा में बदमाशों ने अधेड़ को मारी गोली:हाथ में लगी बुलेट, हालत गंभीर, ताड़ी पीने के दौरान हुआ था विवाद

नालंदा। नालंदा में बदमाशों ने एक शख्स को गोली मार दी। बुलेट बाएं हाथ में लगी है। गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पीड़ित की पहचान छतरपुर निवासी जितेंद्र यादव(50) के तौर पर हुई है। घटना बिंद थाना क्षेत्र की है। घायल ने बताया कि गुरुवार सुबह किसी काम से निरपुर गांव गए थे। जहां वे ताड़ी पी रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद अमरजीत ढाडी और उसके एक अन्य साथी (बोलोरो ढाडी) के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली के बारूद और छर्रे लगने से हाथ में गंभीर घाव हो गए। स्थानीय लोगों के सहयोग से परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंद पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, इस संबंध में बिंद थानाध्यक्ष मुरली मनोहर आजाद ने बताया कि घायल का बयान दर्ज किया गया है। पीड़ित ने अमरजीत ढाडी और बोलोरो ढाडी पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। आरोपियों का पूर्व से क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। फिलहाल पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि विवाद का मुख्य कारण क्या था।

सहयोग शिविर, आरटीपीएस एवं संभावित बाढ़-सुखाड़ तैयारी की समीक्षा बैठक

सहरसा। जिलाधिकारी दीपेश कुमार द्वारा गूगल मीट के माध्यम से आयोजित समीक्षात्मक बैठक में सहयोग शिविर हेतु प्राप्त आवेदनों की वर्तमान स्थिति, मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने के लिए अब तक की गई तैयारियों तथा आरटीपीएस अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में शिक्षा, पंचायती राज, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पथ प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, ऊर्जा, ग्रामीण विकास सहित अन्य जिला स्तरीय कार्यालयों एवं प्रखंड/अंचल कार्यालयों को सहयोग शिविर से संबंधित, विशेषकर 30 जून को आयोजित होने वाले शिविर हेतु प्राप्त आवेदनों का अविलंब निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आरटीपीएस अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया गया।जिलांतर्गत बाढ़ से प्रायः प्रभावित अंचलों नवहट्टा, सलखुआ, महिषी एवं सिमरी बख्तियारपुर में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप संभावित आपदाजन्य परिस्थितियों से निपटने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समसमय पूर्ण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता निशांत, सहायक समाहर्ता केतन शुक्ला सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

रोटी बैंक ने तृतीय स्थापना दिवस मनाया

सुपौल। रेडक्रॉस सभागार में कोशी ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा संचालित रोटी बैंक सुपौल ने अपना तृतीय स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में रोटी बैंक संकल्पना उद्देश्य एवं पिछले तीन वर्षों के कार्यों की समीक्षा की गई। सभी अतिथियों एवं सदस्यों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई । अतिथि के रूप में डॉक्टर कन्हैया प्रसाद सिंह, केशव अग्रवाल, अमरेंद्र कुमार अमर, शरद मोहनका, सूरज सिंह एवं रामकुमार चौधरी उपस्थित होकर अपने विचारों को साझा किया। रोटी बैंक निरंतर व्यापक रूप से कार्य करें इस पर कई सुझाव एवं सहयोग सामने आया । रोटी बैंक के कार्यों की विस्तार से चर्चा करते हुए रामकुमार चौधरी ने कहा कि पिछले 3 वर्षों में 20 से 21 हजार पैकेट से अधिक भोजन का वितरण सदर अस्पताल में मरीज के परिजनों को दिया जाता रहा है। साथ ही शहर के विभिन्न चौक चौराहा रेलवे स्टेशन एवं कई सारे बस्तियों में सक्रिय सदस्यों के सहयोग से वितरित किया जाता रहा है, स्थापना काल से ही रोटी बैंक लड़ाई भूख से अवधारणा के साथ संयोजक सह अध्यक्ष रोटी बैंक दीपिका के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। नगर वासियों एवं अन्य के साथ विदेश से भी कई लोग डोनेशन के माध्यम से वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन, छठी हरी, संपीडन एवं पुण्यतिथि जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर भोजन वितरण किया है। दीपिका ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि आप सभी के निरंतर सहयोग से आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर संस्था द्वारा सभी अतिथि का स्वागत एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर रोटी बैंक द्वारा सक्रिय कार्यकर्ता को मोमेंटो एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें विशेष रूप से निरंतर सेवा कार्य हेतु राजेश कुमार मल्लिक, आशुतोष भगत, कन्हैया कुमार शाह, विद्या मोहनका एवं प्रियंका यादव को इनकी सराहनीय भूमिका के लिए, सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में रागिनी सिंह ,सपना जायसवाल, नीता कुमारी, योग माया चौधरी, राजेश मोहनका, जय नारायण चौधरी, उमेश चौधरी, संतन गुप्ता, साकेत शुभम, शिवेंद्र मलिक, निशात अंजुम, अमरनाथ शाह, अनु कुमारी एवं मोहित झा आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला कार्यालय के पास से स्कॉर्पियो गाड़ी की चोरी,पुलिस जांच में जुटी

अररिया । नगर थाना क्षेत्र के आश्रम चौक स्थित भाजपा कार्यालय के पास से गुरुवार को चार पहिया वाहन स्कॉर्पियो की चोरी हो गईवाहन मालिक को जानकारी मिलने के बाद उन्होंने नगर थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित वाहन मालिक सुशील रजक जोकीहाट के बागेश्वरी गांव के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सफेद रंग की स्कॉर्पियो वर्ष 2024 से सहकारिता विभाग में किराए पर लगी हुई थी। इस वाहन का उपयोग विभागीय कार्यों के लिए किया जाता था। वर्तमान में सहकारिता पदाधिकारी के नियमित चालक के बीमार होने के कारण कार्यालय के क्लर्क भजन राम वाहन चला रहे थे। भजन राम ने बुधवार रात वाहन को आश्रम चौक स्थित भाजपा कार्यालय के समीप अपने किराए के मकान के बाहर सड़क किनारे खड़ा किया था। गुरुवार सुबह जब वाहन को देखा गया, तो वह वहां से गायब था। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में चोरी की पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज में दो युवक एक चारपहिया वाहन से मौके पर पहुंचते और कुछ ही देर में खड़ी स्कॉर्पियो को लेकर फरार होते दिख रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज मिलने से पुलिस को जांच में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

मुहर्रम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने अचानक इमामगंज पहुंचे गया एसएसपी

रानीगंज में फ्लैग मार्च कर शांति बनाए रखने की अपील

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

इमामगंज (गया)। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील कुमार ने शनिवार को अचानक इमामगंज थाना क्षेत्र का दौरा किया। एसएसपी के अचानक पहुंचने से पुलिस प्रशासन में सक्रियता बढ़ गई। उन्होंने इमामगंज पुलिस अनुमंडल कार्यालय में पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की तथा पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के उपरांत एसएसपी रानीगंज हाट बाजार पहुंचे, जहां उन्होंने मुहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्ग एवं आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस प्रशासन द्वारा रानीगंज बाजार में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च रानीगंज नीचे बाजार, ऊपर बाजार होते हुए रानीगंज पब्लिक हाई स्कूल तक गया और पुनः उसी मार्ग से होकर रानीगंज बस स्टैंड पहुंचकर संपन्न हुआ।

फ्लैग मार्च के दौरान एसएसपी ने बाजार की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने आमजन को भरोसा दिलाया कि पर्व के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह तैयार है। निरीक्षण के क्रम में एसएसपी ने रानीगंज बस स्टैंड में

प्रशासन द्वारा हटाए गए अतिक्रमण स्थल का भी अवलोकन किया। इस दौरान भूमि मालिक दिनेश कुमार उर्फ दिनु लाल ने अपनी जमीन से संबंधित शिकायत एसएसपी के समक्ष रखी। उन्होंने दावा किया कि उक्त भूमि उनके पूर्वजों की है और न्यायालय के आदेश एवं दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद उनकी दुकानों एवं संरचनाओं को हटाया गया। एसएसपी ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मीडिया से बातचीत में एसएसपी सुशील कुमार ने कहा कि मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय सुरक्षा बलों की भी सहायता ली जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मुहर्रम आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का पर्व है। सभी लोग मिल-जुलकर इसे शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं तथा किसी भी अफवाह या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

एसएसपी ने रानीगंज बाजार में जाम एवं अतिक्रमण की समस्या पर भी चिंता जताते हुए कहा कि मुहर्रम के बाद संबंधित विभागों के साथ बैठक कर स्थायी समाधान की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। वहीं कोयला व्यवसायी संतोष अग्रवाल और मुन्ना कुमार सिंह के बीच चल रहे विवाद के संबंध में उन्होंने बताया कि थाना को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इमामगंज थाना भवन की जर्जर स्थिति पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में एसएसपी ने कहा कि भवन निर्माण विभाग को इस संबंध में जानकारी दी जा चुकी है और जल्द ही नए थाना भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस अवसर पर इमामगंज एसडीपीओ धीरज कुमार, थानाध्यक्ष अमित कुमार, एसआई योगेंद्र पाल, सूर्य नारायण सिंह, मुखिया श्याम सुंदर प्रसाद, भाजपा नेता गजेंद्र दास, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, मो. शारीक, मनोज सोनार सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बारातियों की कार हादसे का शिकार, सात लोग घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गयाजी के इमामगंज-शेरघाटी मुख्य मार्ग पर आज एक सड़क दुर्घटना हुई। इसमें बारातियों से भरी कार के सात यात्री घायल हो गए। यह हादसा लुटुआ थाना क्षेत्र के दीघासीन गांव के पास हुआ, कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तत्काल बांकेबाजार के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। कार में सवार सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। दीघासीन गांव के पास गाड़ी चालक का संतुलन बिगड़ने से कार सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गाड़ी की गति तेज थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों की पहचान चालक अजय दास (निवासी प्राणपुर, थाना रोशनगंज), मनीष शेखर, जिशा कुमारी (14), लालमुनी कुमार (30), रुस्तम कुमार (25), प्रिंस कुमार और आशीष शाह के रूप में हुई है। इनमें से अधिकांश खरदागा और बोधबीघा

क्षेत्र के निवासी हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत और बचाव काम में जुट गई। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। हालांकि, मनीष शेखर की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। अन्य घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है। रोशनगंज थानाध्यक्ष अनु राजा ने बताया कि सभी घायलों का समुचित इलाज कराया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में गाड़ी के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

रानीगंज बस स्टैंड से हटाया गया अतिक्रमण, प्रशासन ने चलाया बुलडोजर, भूमि स्वामित्व को लेकर उठा विवाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डुमरिया। गया जिले के इमामगंज प्रखंड अंतर्गत रानीगंज बस स्टैंड क्षेत्र में गुरुवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापक अभियान चलाया। सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान में सड़क किनारे बनी दुकानों, गुमटियों तथा अन्य अस्थायी निर्माणों को बुलडोजर की सहायता से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में प्रशासनिक सक्रियता देखने को मिली तथा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल एवं महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई थी।

प्रशासन के अनुसार रानीगंज स्थित सरकारी अस्पताल के समीप स्थित भूमि बिहार सरकार की है, जिस पर वर्षों से अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकानें एवं अन्य निर्माण कर लिए गए थे। अंचल प्रशासन द्वारा पूर्व में संबंधित दुकानदारों और कब्जाधारियों को नोटिस जारी कर 23 जून तक स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद गुरुवार को प्रशासन ने जेसीबी मशीन के माध्यम

से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। अभियान के दौरान अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र की निगरानी की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल को सतर्क रखा गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी तथा दोबारा किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण नहीं होने दिया जाएगा।

भूमि स्वामित्व को लेकर उठे सवालः वहीं दूसरी ओर रानीगंज निवासी दिनेश प्रसाद उर्फ दीनू लाल ने प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसका विरोध किया। उनका दावा है कि जिस भूमि पर प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है, वह उनके परिवार की पैतृक जमीन है और वर्ष 1920 से उनका परिवार उस भूमि पर काबिज रहा है। दिनेश प्रसाद ने कहा कि पुराने खतियान एवं राजस्व अभिलेखों में यह भूमि उनके पूर्वजों के नाम दर्ज है। उनका आरोप है कि हालिया सर्वेक्षण के दौरान उक्त जमीन को बिहार सरकार के नाम दर्ज कर दिया गया, जबकि इस मामले को लेकर न्यायालय में वाद लंबित है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास भूमि स्वामित्व से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं तथा न्यायालय से प्राप्त आदेश भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को संबंधित दस्तावेज और न्यायालय के आदेश दिखाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई और बुलडोजर चलाकर दुकानें तथा अन्य संरचनाएं ध्वस्त कर दी गईं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि उनके दस्तावेज वैध पाए जाते हैं तो उन्हें न्याय मिलना चाहिए।

प्रशासन ने कार्रवाई को बताया नियमसम्मतः इस संबंध में अंचलाधिकारी सुकेश कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश के आलोक में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसी उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या नया निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। प्रशासन का उद्देश्य सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सरकारी भूमि को उसके निर्धारित उपयोग के लिए उपलब्ध कराना है। अभियान के दौरान अंचलाधिकारी सुकेश कुमार, इमामगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार, एसआई योगेंद्र पाल सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान मौजूद रहे।

भरत एनकाउंटर के विरोध में आक्रोश मार्च, सवर्ण समाज के लोग मशाल लेकर शहर की सड़कों पर उतरे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। भोजपुर में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर गयाजी में गुरुवार शाम सवर्ण समाज ने आक्रोश मार्च निकाला। मार्च आजाद पार्क से शुरू होकर टावर चौक होते डीएम कार्यालय तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने मशाल लेकर भरत तिवारी के लिए न्याय की मांग की। मार्च में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अन्याय के खिलाफ एकजुट होने और जांच कराने के समर्थन में नारे लगाए। आक्रोश मार्च का नेतृत्व कौशलेंद्र नारायण और गुड्डू बरनवाल ने किया। इन्होंने आरोप लगाया कि देश की व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि सिस्टम के खिलाफ आवाज उठाने वाले भरत तिवारी को 'एनकाउंटर' में मार दिया गया।

भरत कोई अपराधी नहीं थेः नेताओं ने कहा कि भरत तिवारी जनता के काम न होने के खिलाफ खड़े रहते थे। उनके खिलाफ थाने में एक भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं था, क्योंकि वह अपराधी नहीं बल्कि सिस्टम के खिलाफ आवाज उठाते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की सरकार को जगाने के लिए

भरत तिवारी ने फायरिंग की थी और आत्मसमर्पण करने के बाद पुलिस ने उनका 'एनकाउंटर' कर दिया।

निलंबित करने से नहीं होगा, सजा मिलनी चाहिएः प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि घटना में शामिल पुलिसकर्मियों को केवल निलंबित करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। कौशलेंद्र नारायण और गुड्डू बरनवाल ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मांझी सभी धर्मों को निशाना बनाते हैं। वक्ताओं ने कहा कि मामले में कई ऐसे सवार है जिनका जवाब अभी तक स्पष्ट रूप से सामने नहीं है, इसलिए घटनाक्रम की जांच जरूरी है।

दोषियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया की जानी चाहिएः मार्च के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने आत्मसमर्पण किया था तो उसके बाद की परिस्थितियों की भी विस्तार से जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि घटना में यदि किसी की जिम्मेदारी तय होती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जानी चाहिए। कौशलेंद्र नारायण ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों में इस घटना को लेकर नाराजगी और चिंता है। उन्होंने कहा कि लोगों को न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा है और इसी भरोसे के साथ वे सरकार-प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

सरकार को जनता को जवाब देना चाहिएः कहा कि भरत तिवारी के परिजनों को न्याय मिलना चाहिए और पूरे मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए। वहीं, गुड्डू बरनवाल ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराध की घटनाओं को लेकर आम लोगों में चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए और लोगों के मन में उठ रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। उनके अनुसार, आक्रोश मार्च का उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव पैदा करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार और प्रशासन तक पहुंचाना है।

जमीन विवाद में वकील समेत 5 पर मारपीट का आरोप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। बोधगया थाना क्षेत्र के अमर बीघा गांव में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। अमर बीघा निवासी कौलेश्वरी देवी ने गांव के पांच लोगों पर अपनी पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश और मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां भी मिल रही है। कौलेश्वरी देवी ने इस संबंध में बोधगया थाने में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस से आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

बाल पकड़कर जमीन पर पटका, लात-घूंसों से हमला कियाः पीड़िता ने मीडिया को बताया कि मुकेश कुमार राय (पिता कृष्णा राय), खुशी कुमार (पिता सुरेंद्र राय), टेनी कुमार, रोहित राय और सुरेंद्र राय उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। कौलेश्वरी देवी के अनुसार, हाल ही में हुई एक घटना में सुरेंद्र राय और मुकेश कुमार राय ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ने उनके बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया और लात-घूंसों से हमला किया। आसपास के लोगों के पहुंचने पर वह किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकल पाईं। घटना के बाद से उनका पूरा परिवार दहशत के माहौल में जी रहा है।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपित मुकेश कुमार राय खुद को वकील बताते हैं और अपनी वकालत का प्रभाव दिखाकर लोगों पर दबाव बनाते हैं। कौलेश्वरी देवी का कहना है कि आरोपितों द्वारा जमीन से जुड़े जिन दस्तावेजों के आधार पर दावा किया जा रहा है, वे पूरी तरह फर्जी हैं। उन्होंने प्रशासन से इन दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है।

महिला बोली- गांव की 10 कट्ठा जमीन पर आरोपियों की नजरः पीड़ित महिला के अनुसार उनका गांव में लगभग 10 कट्ठा जमीन है, जिस पर आरोपितों की नजर है। उन्होंने कहा कि आरोपित लोग उन्हें खेत जोतने तक नहीं देते हैं और बार-बार धमकी देते हैं कि यदि जमीन पर गए तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार उन्हें गांव छोड़ने की धमकी दी गई और गोली मारने तक की बात कही गई।

कौलेश्वरी देवी ने दावा किया कि मुकेश कुमार राय के खिलाफ बोधगया थाना और मगध विश्वविद्यालय थाना में पहले से कई मामले दर्ज हैं। उनका कहना है कि इसके बावजूद पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे आरोपितों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

पीड़िता ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भूमाफियाओं और दबंग तत्वों पर अंकुश लगाना जरूरी है, ताकि गरीब और कमजोर लोगों की जमीन सुरक्षित रह सके तथा उन्हें न्याय मिल सके।

इस संबंध में लगाए गए आरोपों पर वकील मुकेश कुमार राय का कहना है कि हमारे ऊपर झूठा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह पूरी तरह से गलत है. अगर मैं दोषी रहता तो पुलिस अब तक मुझे गिरफ्तार कर लेती.

नालंदा में लगा जॉब कैंप, 436 अभ्यर्थी हुए शॉर्टलिस्ट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। केंद्र प्रायोजित 'प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना' के तहत आज नालंदा के जिला निबंधन और परामर्श केंद्र परिसर में एक दिवसीय कौशल-रोजगार मेले का आयोजन किया गया। दीपनगर आदर्श थाना के पीछे स्थित DRCC केंद्र में चले इस मेले में युवाओं का उत्साह देखते ही बना। 436 युवा शॉर्टलिस्ट हुए है। मेले का विधिवत उद्घाटन राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य डॉ. संजय कुमार दास, जिला कल्याण पदाधिकारी योगेंद्र कुमार और जिला नियोजन पदाधिकारी मो. आकिफ वक्कास ने दीप प्रज्वलित कर किया।

युवाओं को मिला मार्गदर्शनः इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार दास ने PM-AJAY योजना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। जिला कल्याण पदाधिकारी ने अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ सरकार की ओर से संचालित अलग-अलग योजनाओं की जानकारी दी। जिला नियोजन पदाधिकारी मो. आकिफ वक्कास ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

7 नियोजक कंपनी ने की शिरकतः रोजगार मेले में कुल 7 नियोजक कंपनियों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 900 अभ्यर्थियों ने अपनी किस्मत आजमाई। अलग-अलग नियोजकों की ओर से 500 रिक्तियों के खिलाफ इंटरव्यू लिया गया, जिसमें से 436 अभ्यर्थियों को चयन के अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

सफल आयोजन में इनकी रही भूमिकाः मेले के सफल संचालन में DRCC प्रबंधक कल्पना, जिला कल्याण शाखा, जिला नियोजनालय के कर्मियों और जिला कौशल प्रबंधकों की टीम ने अहम भूमिका निभाई। युवाओं की भारी उपस्थिति से यह मेला रोजगार के नए द्वार खोलने में सफल रहा।

संक्षिप्त समाचार

सिकरिया से बाइक चोरी, पीड़ित ने काराकाट थाने में दिया आवेदन

काराकाट /रोहतास। थाना क्षेत्र के सिकरिया गांव में आयोजित यज्ञ के अंतिम दिन एक बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में वाहन मालिक ने काराकाट थाना में लिखित आवेदन देकर बाइक बरामद करने की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिकरिया गांव निवासी मनीष कुमार अपनी बाइक से अपने मार्केट के सामने गाड़ी खड़ी कर अपने मार्केट के पीछे मवेशी को खिलने लगे। वही एक दो घंटे के बाद आसपास जब वह वाहन लेने पहुंचे तो बाइक वहां नहीं मिली। काफी खोजबीन और आसपास पूछताछ के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित ने काराकाट थाना को दिए आवेदन में बताया है कि चोरी हुई बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 24 एडी 9498 है। उन्होंने आशंका जताई है कि अज्ञात चोरों ने यज्ञ में उमड़ी भीड़ का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित गुरुवार को काराकाट थाना पहुंचे और लिखित आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई तथा बाइक की बरामदगी की मांग की। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने मामले की पुष्टिकरण करते हुए बताया कि आवेदन मिलते ही थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुट गई है। उन्होंने कहा कि मामला हर पहलू से जांचा जा रहा है तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयानों और संदिग्धों की पहचान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बीसीईसीई-2026 में प्रियांशी ने लहराया परचम, प्रदेश में दूसरा स्थान

बिक्रमगंज, रोहतास। बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (बीसीईसीईबी) द्वारा आयोजित बीसीईसीई-2026 का परिणाम घोषित होते ही हसन बाजार के अमई गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। यहां की बेटी प्रियांशी कुमारी ने कृषि विज्ञान संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे बिहार में द्वितीय स्थान हासिल किया है। हसन बाजार, अमई निवासी प्रियांशी डॉ. मुकेश कुमार की नातिन हैं। उन्होंने अपनी इंटरमीडिएट की पढ़ाई अंजाबित सिंह महाविद्यालय से पूरी की। परीक्षा में कृषि विज्ञान विषय चुनकर प्रियांशी ने यह मुकाम हासिल किया। सफलता के बाद बिहार जागरण से बातचीत में प्रियांशी ने कहा, "यह सफलता मेरे नाना-नानी के आशीर्वाद, मामा के सहयोग, गुरुजनों के मार्गदर्शन और मित्रों के उत्साहवर्धन का परिणाम है। परिवार ने हर कदम पर मेरा साथ दिया।" प्रियांशी की इस उपलब्धि पर गांव में मिठाई बांटी गई। परिजनों के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राचार्य व शिक्षकों ने भी प्रियांशी को बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मोहर्रम पर्व को लेकर नोखा पुलिस का फ्लैग मार्च

डीजे और धारदार हथियारों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध, अफवाहों से बचने की अपील

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नोखा। थाना क्षेत्र में बुधवार शाम पुलिस-प्रशासन ने मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार और थानाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने इसका नेतृत्व किया। अधिकारियों ने ताजिया समितियों के खलीफाओं और स्थानीय लोगों से शांति व भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की।

फ्लैग मार्च नोखा थाना परिसर से शुरू होकर मुख्य बाजार, ताज चौक, पश्चिम पट्टी, विभिन्न चौक-चौराहों और बस स्टैंड क्षेत्र से गुजरा। इस दौरान अधिकारियों ने संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया और ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों का जायजा लिया। प्रशासन ने पर्व के दौरान सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजामों का आश्वासन दिया। थानाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने बताया कि नोखा थाना क्षेत्र में कुल 17 स्थानों से ताजिया जुलूस निकाले जाएंगे। सभी लाइसेंसधारी मुहर्रम समितियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। उन्होंने यह भी बताया कि जुलूस मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। कई महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और सभी ताजिया जुलूसों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।फ्लैग मार्च में पुलिस पदाधिकारी विकास कुमार, राहुल कुमार, अभय कुमार सिंह, रामजी दास, अभिषेक कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

शांति व्यवस्था को लेकर बिक्रमगंज में डीएम एवं एसपी ने की समीक्षा बैठक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। बिक्रमगंज अनुमंडल में मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा एवं जिला पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिंधु शहर के साथ विभिन्न थानों एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य मोहर्रम को लेकर खलीफाओं और पर्व समिति के सदस्यों के साथ संवाद स्थापित करना तथा विधि व्यवस्था संधारण की जानकारी साझा करना था। जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने कहा कि सभी जगहों पर पर्व पूरी तरह शांतिपूर्वक मनाया जाए। इसके लिए उन्होंने प्रमुख स्थानों पर पुलिस के साथ पैदल फ्लैग मार्च करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और दंडाधिकारियों के साथ प्रतिनियुक्ति रहेगी। उन्होंने शांति व्यवस्था पर संतोष जताते हुए कहा कि किसी भी स्थान को संवेदनशील या अति संवेदनशील नहीं मानना चाहिए, बल्कि हर जगह त्योहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर जोर देना चाहिए। एसपी ने अफवाहों पर रोक लगाने और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित समिति सदस्यों और खलीफाओं ने भी अपने सुझाव रखे और सभी ने एक स्वर में मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे एवं शांति के साथ मनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और पर्व के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे।

डा. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय भर्रा,बेगुसराय छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया

कटिहार/बेगुसराय। डाक्टर भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय भर्रा,बेगुसराय में राष्ट्रीय स्तर विधालयी क्रासवर्ड प्रतियोगिता 2026 में इस विधालय के चार छात्रों ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विधालय सहित बिहार राज्य का नाम रोशन किया है।डाक्टर भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय भर्रा,बेगुसराय के प्रधानाध्यापक अविनाश पाटिल ने बताया कि वर्ग -दशम के छात्र गोपाल कुमार, वर्ग नवम के विट्टू कुमार, वर्ग अष्टम के साहिल कुमार एवं दिलखुश कुमार ने राष्ट्रीय स्तर विधालयी क्रासवर्ड प्रतियोगिता 2026 में तृतीय स्थान प्राप्त कर विधालय सहित बिहार राज्य का नाम रोशन किया है। सभी छात्रों को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त कर विधालय आये छात्रों का विधालय में समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह में कल्याण विभाग के सभी पदाधिकारियों सहित विधालय परिवार ने सभी विजेता छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया है। इस मौके पर विधालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं ने उत्साह वर्धन किया।

कुरुर में नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल, इटढिया ने करथ को 6 रन से हराया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास। प्रखंड के कुरुर गांव में आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला गुरुवार को बेहद रोमांचक रहा। फाइनल मैच रोहतास जिले की इटढिया टीम और भोजपुर जिले की करथ टीम के बीच खेला गया, जिसमें इटढिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए करथ को 6 रन से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट का उद्घाटन बुधवार को डॉक्टर कामेंद्र सिंह, मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, बीडीसी प्रतिनिधि पिंटू साह, बलवंत सिंह तथा पूर्व मुखिया शारदानंद सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला मुकाबला हरिहरपुर और मोथा टीम के बीच खेला गया, जिसमें मोथा की टीम विजयी रही। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अंतिम ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में इटढिया की टीम ने संयमित खेल दिखाते हुए 6 रन की जीत दर्ज की। आयोजकों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में नीतीश कुमार सिंह, विजय प्रकाश, मंजेश सिंह, आशीष कुमार, मोहित सिंह, अमन सिंह, विकास सिंह, बुटन बाबा सहित अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विजेता एवं उपविजेता टीम को सम्मानित कर खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

अनु० जाति एवं अनु० जनजाति अभ्यर्थियों हेतु चालक प्रशिक्षण का सुनहरा अवसर

बिहार सरकार

पूर्णतः निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण

अनु.जाति एवं अनु. जनजाति कल्याण विभाग, बिहार

बिहार महादलित विकास मिशन

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के युवक/युवतियों हेतु चालक प्रशिक्षण–सह–यातायात शोध संस्थान, औरंगाबाद से चालक कोर्स में प्रशिक्षण के लिए आवेदन का आमंत्रण

क्र०	कोर्स का नाम	उम्र सीमा	योग्यता	अवधि
1	हल्के मोटर वाहन (LMV) चालक कोर्स	18–40 वर्ष	(I) मैट्रिक पास/समकक्ष (II) LMV चलाने का लर्नर लाईसेंस	21 दिन
2	भारी मोटर वाहन (HMV) चालक कोर्स	18–40 वर्ष	(I) मैट्रिक पास/समकक्ष (II) LMV चलाने का परमानेंट लाईसेंस जो एक वर्ष पूर्व निर्गत हो। (III) HMV चलाने का लर्नर लाईसेंस	30 दिन

प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सूचना–

(i) बिहार के सभी जिलों के पात्र अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है।
(ii) प्रशिक्षण, भोजन एवं आवासन पूर्णतः निःशुल्क है।
(iii) प्रशिक्षणार्थियों का चयन निर्धारित योग्यता एवं ''प्रथम आओ प्रथम पाओं'' के आधार पर किया जाएगा।
(iv) उम्र की गणना दिनांक 01-07-2026 के आधार पर की जाएगी।
(v) ऑनलाईन आवेदन मिशन के वेबसाईट www.bmvm.bihar.gov.in पर किया जा सकेगा।
(vi) ऑनलाईन आवेदन करने के पश्चात् आवेदन पत्र को डाउनलोड कर वांछित कागजात (मैट्रिक, इंटरमीडिएट, जाति, आवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, HMV/LMV लाईसेंस की स्व अभिप्रमाणित छाया प्रति) को संलग्न कर रजिस्टर्ड डाक से निम्न पता पर भेजा जाय – ''मिशन निदेशक, बिहार महादलित विकास मिशन, द्वितीय तल, ब्लॉक– 3, सचिवालय विस्तारीकरण भवन, पटना, पिन– 800015''.
(vii) विस्तृत जानकारी के लिए अपने जिला के जिला कल्याण पदाधिकारी अथवा प्रशिक्षण केन्द्र के प्रतिनिधि (मोबाईल नं०. 9264456639) अथवा बिहार महादलित विकास मिशन के 'सहायता' के टॉल फ्री नं०– 18003456345 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

आवेदन करने की अंतिम तिथि– 31-07-2026

आवेदन पत्र

पासपोर्ट आकार का फोटो

1. आवेदित ट्रेड (LMV/HMV) –
''LMV के लिए केवल कॉलम 2, 3 भरे एवं
HMV के लिए केवल 4, 5, 6 कॉलम भरे
2. LMV का लर्नर लाईसेंस है ? (हाँ/नहीं)–
3. LMV का लर्नर लाईसेंस निर्गत होने की तिथि–
4. LMV का परमानेन्ट लाईसेंस है ? (हाँ/नहीं)–
5. LMV का परमानेन्ट लाईसेंस निर्गत होने की तिथि–
6. HMV का लर्नर लाईसेंस है ? (हाँ/नहीं)–
7. आवेदक का नाम–
8. पिता/पति का नाम–
9. लिंग (पुरुष/महिला/थर्डजेंडर)–
10. जन्म तिथि–
11. कोटि (SC/ST)–
12. जाति–
13. आधार संख्या
14. स्थायी पता : (i) जिला–
(ii) प्रखण्ड–
(iii) पंचायत/वार्ड (शहरी क्षेत्र)–
(iv) गाँव/मोहल्ला/टोला–
(v) पिनकोड–
15. पत्राचार का पता–
16. मोबाईल संख्या–
17.

शैक्षणिक योग्यता	पूर्णांक	प्राप्तांक	प्रतिशत
मैट्रिक/समकक्ष			

दिनांक–　　　　आवेदक का हस्ताक्षर

PR No. 6547 (B&C) 2026-27

आशा के सहयोग से 28 से 2 जुलाई तक पोलियो टीकाकरण का चलेगा महा अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

राजपुर। प्रखंड अंतर्गत पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए 28 जून से 2 जुलाई तक आशा के सहयोग से महा अभियान चलाया जायेगा. टीकाकरण कार्यक्रम को अमली जामा पहनाने हेतु गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार में प्रखंड स्वास्थ्य प्रबन्धक ने कार्यक्रम से जुडे कर्मियों एवं आशा के साथ बैठक की.

जानकारी देते हुए प्रबन्धक ने बताया कि राष्ट्रीय प्लस पोलियो टीकाकरण दीवस 28 जून को आयोजित किया जा रहा है.उक्त दिवस को क्षेत्र अंतर्गत पांच साल तक के बच्चे को ढूंढ ढूंढकर टीकाकरण किया जायेगा. यह कार्यक्रम चौक चौराहे, भीडभाड वाले स्थल समेत डोर टू डोर 2 जुलाई तक अनवरत जारी रहेगा.

प्रखंड आशा प्रबन्धक विकास कुमार ने कहा कि अब अधिकांश बच्चों का जन्म किसी ना किसी अस्पताल में हीं होता है.जहां सभी तरह के टीकाकरण के लिए बच्चे को पंजीकृत कर लिया जाता है.लेकिन अभी भी समाज में काफी ऐसे लोग हैं जो अस्पताल नहीं पहुंचते हैं.घर में हीं प्रसव कार्य करा लिये जाते हैं. जो टीकाकरण कार्यक्रम से वंचित रह जाते हैं.समय समय पर ऐसे सभी बच्चों को टीकाकरण करके पोलियो मुक्त भारत के सपने को स्थाई तौर पर बनाये रखना स्वास्थ्य विभाग का संकल्प है. मौके पर एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी, बीसीएम विकास कुमार,कर्मी नवीन गौतम,बडा बाबु मनोज कुमार, सुनिता कुमारी,धीरज कुमार,सुरक्षा कर्मी मुन्ना पाण्डेय, प्रकाश तिवारी,बिनोद यादव,मो बख्तियार समेत अन्य मौजूद रहे.

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग
पशुपालन निदेशालय

पशु-पक्षियों के पीने के पानी की व्यवस्था एक जरूरत

''जल ही जीवन है'' यह लोकोक्ति नहीं बल्कि यथार्थ सत्य है। जल एक जीवित कोशिका के जीवन का भौतिक आधार है, जिसका अधिकांश भाग लगभग (70%) पानी से बना होता है। बेतरतीब बढ़ती जनसंख्या एवं मानव बस्तियों के कारण वन–पर्यावरण असंतुलन तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। परिणामस्वरूप अनावृष्टि, सूखते जलाशय एवं नदियों का गिरता जल स्तर विकट समस्या बनती जा रही है।

इस धरती पर पशु–पक्षियों का उतना ही हक है जितना कि हम मनुष्यों का

गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है। मूक पशु–पक्षियों को, संचित एवं बहते जल स्रोतों की कमी के कारण, प्यास में तड़पना पड़ता है। गर्मी में पशु–पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए लोगों को प्रयास करना चाहिये।

गर्मियों में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। लोगों का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस–पास उड़ने वाले परिंदों की प्यास बुझाकर उसकी जिंदगी बचा सकता है। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर पड़ते हैं। पशु चिकित्सा विज्ञान के अनुसार नमक और ऊर्जा पक्षियों के लिए जरूरी है। इसकी पूर्ति खनिज–लवण युक्त पानी से ही हो सकती है।

क्या करें उपाय:

1. गर्मी में अपने घरों के बाहर, छतों पर, बालकनी में, परकोटों पर पानी के बर्तन भरकर रखें जिससे मवेशी व परिंदें पानी देखकर आकर्षित होते हैं और हो सके तो छतों पर पक्षियों के लिए छाया की व्यवस्था भी करें।
2. उपयोग में लाये गये नारियल डाभ पक्षियों को पानी परोसने एवं आश्रय प्रदान करने हेतु उपयुक्त हो सकता है जो कि बायो–वेस्ट प्रबंधन का एक उदाहरण भी है।
3. पक्षियों के शरीर में इलेक्ट्रॉलाइट्स की मात्रा संतुलित रहे इसके लिए पानी में गुंड. की थोड़ी मात्रा मिलानी चाहिये।
4. कम पानी वाले जल स्रोतों को गंदा न करें, इससे पशु–पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था हो सकती है।

अधिक जानकारी के हेतु पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना के दूरभाष संख्या 0612–2230942 पर की जा सकती है

पशुपालन निदेशालय, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा जनहित में प्रचारित　@BiharDFARD

PR No.- 006522 (Animal)D. 2026-27

संक्षिप्त समाचार

बिहार ट्रॉली साउंड संगठन ने लगाया पेयजल शिविर

भागलपुर। सामाजिक सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए बिहार ट्रॉली साउंड संगठन, भागलपुर द्वारा गुरुवार को शहर में एक पेयजल शिविर का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी और उमस के बीच आयोजित इस शिविर में राहगीरों, श्रद्धालुओं एवं आम लोगों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया गया। संगठन के इस सराहनीय प्रयास की लोगों ने जमकर प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान संगठन से जुड़े लगभग सभी साउंड व्यवसायी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा भाव के साथ लोगों को पानी पिलाया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी उद्देश्य से यह पेयजल शिविर लगाया गया है। संगठन के सदस्यों ने कहा कि सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना उनकी प्राथमिकता है। आने वाले समय में भी जरूरतमंदों की सहायता के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर में मौजूद लोगों ने संगठन के सदस्यों के आपसी सहयोग, एकता और सौहार्द की भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर बिहार ट्रॉली साउंड संगठन के सभी प्रमुख सदस्य एवं साउंड व्यवसाय से जुड़े लोग मौजूद रहे। पूरे आयोजन का माहौल सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना से ओत-प्रोत रहा।

महिला ने पड़ोसियों पर लगाया मारपीट करने का आरोप

भागलपुर। जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र के नसरतखानी की रहने वाली महिला कल्पना कुमारी ने अपने पड़ोस में रहने वाले लोगों पर गंभीर आरोप लगाया है। कल्पना कुमारी ने गुरुवार को थाना में दिए आवेदन में बताया है कि 23 जून की रात पड़ोसी शशि भूषण सिंह, सोनू कुमार सिंह समेत 5-6 लोग उनके घर पहुंचे। आरोप है कि सभी लोग नशे की हालत में थे और घर के गेट पर धक्का देने लगे। महिला के अनुसार गेट खोलने के बाद सभी लोगों ने अचानक उनके साथ-साथ उनकी बेटी और दामाद के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान घर के सामान को भी नुकसान पहुंचाया गया। आरोप यह भी है कि आरोपियों ने उनकी बेटी संजना के गले से सोने की चेन छीन ली और विरोध करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने ललमटिया थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कुलपति को चूड़ी भेंट कर दर्ज कराया विरोध

भागलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा गुरुवार को विश्वविद्यालय में व्याप्त कथित शैक्षणिक अराजकता एवं भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों को लेकर कुलपति से मिलकर शिकायत करने का प्रयास किया गया। परिषद के कार्यकर्ता कई दिनों से कुलपति से मिलने का प्रयास कर रहे थे, किंतु कुलपति के विश्वविद्यालय में अनुपस्थित रहने के कारण मुलाकात संभव नहीं हो सकी। जब कई दिनों बाद कुलपति विश्वविद्यालय पहुंचे, तब भी विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी उदासीनता स्पष्ट दिखाई दी। इसके विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुलपति को चूड़ी भेंट कर अपना अनोखा विरोध दर्ज कराया। परिषद का कहना है कि पूर्व में टी.एन.बी. कॉलेज में असामाजिक तत्वों द्वारा विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं पर हमले का प्रयास किया गया था। इसके अतिरिक्त एक शिक्षक नीलेश कुमार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर भी परिषद ने आवेदन दिया था तथा आंदोलन किया था। किंतु अब तक किसी भी मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि लगातार शिकायतों एवं आंदोलनों के बावजूद प्रशासन की निष्क्रियता दुर्भाग्यपूर्ण है। इसी के विरोध में कुलपति को चूड़ी भेंट कर यह संदेश दिया गया कि यदि वे विश्वविद्यालय की समस्याओं के समाधान एवं दोषियों पर कार्रवाई करने में सक्षम नहीं हैं, तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सह मंत्री कुणाल पांडेय एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हैप्पी आनंद ने संयुक्त रूप से कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्रों के हितों, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण की बहाली तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपना संघर्ष आगे भी जारी रखेगी।

आपातकाल का कलंक कांग्रेस का काला कारनामा, देश कभी नहीं भूलेगा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। 25 जून 1975 लोकतंत्र पर प्रहार का वह काला दिन है,जब देश के माथे पर आपातकाल का कलंक लगा और इस काला कलंक लगाने वाले कांग्रेस को देश न कभी भूल पाएगा और न ही माफ करेगा। उक्त बातें भाजपा नेता प्रवीण कुमार ने आपातकाल के 51वीं बरसी पर आपातकाल देश के लिए काला अध्याय विषय पर कही।फारबिसगंज भाजपा नगर कमिटी की ओर से गुरुवार को नगर अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता में आपातकाल के 51वीं बरसी पर आयोजित एक बैठक में कही। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नेता कुमार एवं नगर अध्यक्ष प्रसाद ने कहा कि स्वतंत्र भारत मे 25 जून 1975 के अर्द्ध रात्रि को कांग्रेस द्वारा आपातकाल के दौरान रात में सोते हुए लोकनायक जयप्रकाश नारायण सहित अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह, राजनारायण, नानाजी देशमुख कर्पूरी ठाकुर सहित अनेकों प्रमुख नेता को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों में डाल दिया था। 21 महीने के आपात काल मे 1 लाख 10 हजार लोगों गिरफ्तार कर प्रेस पर सेंसर लगा दिया गया था। अखबारों के जुबान पर ताले जड़ दिये गये और देश वासियों को भीषण यातनाएं सहने पर मजबूर कर दिया गया था। श्री कुमार ने संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लगाए गए इमरजेंसी के विरुद्ध गम्भीर यातनाएं सह कर भी अपनी आवाज बुलंद करने वाले सत्याग्रहियों सेनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि एक परिवार की सत्ता की लालच ने संसद को निष्क्रिय बनाकर देश को रातों रात जेल में तब्दील कर दिया गया था। प्रेस, विपक्ष,न्यायालय, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सब खत्म कर लोकतंत्र की सांसों को जेल में कैद कर कांग्रेस अपना नंगा नाच करती रही। कहा कि कांग्रेस ने जिस तानाशाही प्रवृति के कारण आपातकाल लगाया था,आज भी ठीक वैसी ही है।और यह प्रवृति अक्सर उभर कर सामने आ जाती है। कहा कि ये काली कहानी को बार बार स्मरण करने की जरूरत है ताकि हमें याद रहे की लोकतांत्रिक परम्पराओं के क्षरण के कितने दुष्परिणाम होते हैं।जिन लोगों ने हमारे लोकतंत्र को बंधक बनाया उन्होंने कभी इस कुकृत्य के लिए माफी नही मांगी और ना ही उनको सजा मिल सकी। जिला उपाध्यक्ष प्रताप नारायण मंडल विधान सभा प्रभारी रंजीत मिश्रा वरिष्ठ कार्यकर्ता शंभू साह महिल मोर्चा नेत्री चांदनी सिंह उप मुख्य पार्षद नूतन भारती , जिला सह कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह,प्रदीप कनोजिया,आदर्श गोयल विपिन जयसवाल आदि ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए।

सुजल ग्राम संवाद में जल शक्ति मंत्रालय के सचिव से हांसा के ग्रामीणों ने किया सीधा संवाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। पीएचईडी के तत्वावधान में जल जीवन मिशन के तहत रानीगंज के हांसा पंचायत में गुरुवार को सुजल ग्राम संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के जल जीवन मिशन के सचिव भी जुड़े रहे। इस अवसर पर डीएम विनोद दूहन ने भी भाग लेकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों के सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने ग्रामीणों से जलापूर्ति योजनाओं के संरक्षण एवं रखरखाव में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जनसहभागिता से ही योजनाओं का बेहतर संचालन और दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति तथा उसकी सतत निगरानी एवं अनुरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस दौरान ग्रामीणों को जल जीवन मिशन की विभिन्न योजनाओं, उनके उद्देश्यों एवं प्रभावी संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही पेयजल आपूर्ति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर ग्रामीणों से सीधे फीडबैक भी प्राप्त किए गए। कार्यक्रम में जिले और प्रखंड के सभी विभागों के अधिकारी समेत ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तीन मंजिला बिल्डिंग से नशे में युवक ने लगाई छलांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में शराब के नशे में एक युवक ने तीन मंजिला बिल्डिंग से छलांग लगा दी। चोट लगने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान सूरज कुमार(27) के तौर पर हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल को सील कर दिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना बरारी थाना क्षेत्र के सुर्खीकल की है।

महिला की वजह से भाई की जान चली गई: हादसे की जानकारी मिलते ही सूरज का भाई विक्की मौके पर पहुंचा। उसने आरोप लगाते हुए कहा कि इस बिल्डिंग में नेहा देवी रहती है। जिसे वो भाभी कहता था। यहां वो अक्सर आता-जाता था। इसी महिला की वजह से उसका भाई घर में नहीं रहता था। मेरा भाई पिछले चार-पांच साल से नेहा के पास रह रहा था। मैं उसे कई बार समझाता था कि वहां मत जाया करो, लेकिन वह बार-बार उसे फोन कर बुलाती थी। मेरा भाई मजदूरी करता था। अपनी कमाई का अधिकांश पैसा उसी को देता था। आज(गुरुवार 25 जून 2026) सुबह वह घर आया था।

'शराब पीने से मना किया था': वहीं, नेहा ने बताया कि बुधवार को भी सूरज शराब पीकर आया था। रास्ते में मिला था और मुझसे चाबी मांग रहा था। आज भी सुबह से शराब पी रहा था। उसने फोन किया था, लेकिन मैंने कहा कि मैं काम में व्यस्त हूं। इसके बाद वह फिर शराब पीकर आया। उस समय मैं स्नान कर रही थी।

घर में घुसकर की मारपीट, सामान तोड़े

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में 2 पक्षों के बीच विवाद हो गया। दोनों ओर से मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। पहले पक्ष से नसरतखानी निवासी कल्पना कुमारी ने थाने में आवेदन देकर बताया है कि पड़ोसी शशि भूषण सिंह, सोनू कुमार सिंह सहित पांच-छह लोग घर पहुंचे। सभी नशे में थे। जोर-जोर से दरवाजे पर धक्का दे रहे थे। गेट खोला तो उनलोगों ने घर के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। घर का सामान भी तोड़ दिया। बेटी संजना की सोने की चेन छीन ली। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। दूसरे पक्ष से शुभम कुमारी की पत्नी वंदना ने कहा कि पति का डीजे के स्टाफ से साथ किसी बात पर विवाद हुआ था। विरोधी हमारे पर आए। कमरे का सामान फेंक दिया। गोल्डी, शिवा, अभिषेक, सोनू डीजे और चंदन सहित कई लोगों ने जान से मारने की धमकी दी। घटना ललमटिया थाना क्षेत्र के नसरतखानी मोहल्ले की है।

आरोपी की सास ने भी धमकी दी: पहले पक्ष की कल्पना कुमारी ने कहा कि शुभम कमार 7 लोगों के साथ आया और मेरे स्टाफ और भी अंशु के साथ मारपीट करने लगा। भाई को अकेला पाकर कई लोगों ने घेर लिया और बेरहमी से पीटा। शुभम कुमार की सास ने भी धमकी दी कि जो भी बीच-बचाव करेगा उसे नहीं छोड़ा जाएगा। घटना के बाद दोनों पक्ष ललमटिया थाना पहुंचे और अलग-अलग आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई।

अपनी मांगों को लेकर अतिथि शिक्षकों ने थाली चम्मच के साथ किया प्रदर्शन

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन परिसर में गुरुवार को अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर थाली चम्मच बजाकर जमकर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि तिलकामांझी विश्वविद्यालय अतिथि शिक्षकों का आज धरना का सातवां दिन है। अतिथि शिक्षकों की मांग है कि हम सभी विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षक तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय अन्तर्गत विभिन्न महाविद्यालयों में ग्यारह महीने तक काम किया है। लेकिन अभी तक करीब 70 अतिथि शिक्षकों का भुगतान नहीं किया गया है।

नई पीढ़ी को आपातकाल की सच्चाई जानना जरूरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व और कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी भागलपुर पहुंचे। वे यहां आपातकाल के 50 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लेने आए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और संविधान पर आए संकट की सच्चाई जानना बेहद आवश्यक है। रेलवे स्टेशन परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं, अंगवस्त्र और बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा विधायक रोहित पांडे, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष साह, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष (अति पिछड़ा मोर्चा) प्रिंस मंडल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगा था: मीडिया से बातचीत में मंत्री डॉ. चंद्रवंशी ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय है। उस समय नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की नई पीढ़ी को यह जानना चाहिए कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कितने लोगों ने संघर्ष किया था। उन्होंने बताया कि भागलपुर सहित पूरे बिहार के अनेक लोगों ने भी आपातकाल के विरोध में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मंत्री ने युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए इतिहास से सीख लेने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

क्षेत्र में विकास काम को गति मिल रही: इस मौके पर भाजपा विधायक रोहित पांडे ने कहा कि मंत्री का भागलपुर आगमन जिले के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से क्षेत्र में विकास काम को गति मिल रही है तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। रोहित पांडे ने कहा कि डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी का भागलपुर आगमन हम सभी के लिए गौरव की बात है। उनके नेतृत्व में कला, संस्कृति और खनन विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य आगे बढ़ रहे हैं। उनके अनुभव का लाभ भागलपुर को भी मिलेगा। कार्यकर्ताओं में मंत्री के आगमन को लेकर विशेष उत्साह था भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष साह ने कहा कि कार्यकर्ताओं में मंत्री के आगमन को लेकर विशेष उत्साह था। उन्होंने कहा कि पार्टी लोकतंत्र की रक्षा और जनजागरण के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित कर रही है। संतोष साह ने कहा आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर लगा एक काला अध्याय था। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की महत्ता से अवगत कराया जा रहा है।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: **27-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 24.06.2026** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान**: "आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल में एनआई एलसी गेटों पर सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम का प्रावधान"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,00,69,117,11, **बयाना राशि:** रु. 2,01,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 17.07.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in** ASN-152/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 23.06.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन-106-26-27, कार्य का नाम**: कैनिंग-कैनिंग स्टेशन में अतिरिक्त स्टैबलिंग लाइन के लिए प्रस्ताव। **निविदा मूल्य** : रु.2,13,65,878.34, **बयाना राशि** : रु. 4,27,300/-, **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन-107-26-27, कार्य का नाम**: कुलपी में पूर्ण लंबाई की कॉमन लूप लाइन के साथ नया ब्लॉक स्टेशन। **निविदा मूल्य** : रु. 5,58,06,654.98, **बयाना राशि** : रु. 11,16,100/-, **क्रम सं. 3, निविदा सं.: टीएन-108-26-27, कार्य का नाम**: डायमंड हार्बर में-प्लेटफॉर्म नं. 3 के पास अतिरिक्त स्टैबलिंग लाइन (सीएसआर लंबाई 275 मी.) का प्रावधान । **निविदा मूल्य** : रु.93,11,485.91, **बयाना राशि** : रु. 1,86,200/-, **निविदा की अंतिम तिथि और समय**: दिनांक 10.07.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक हेतु)। **कार्य की समापन अवधि**: 09 (नौ) माह (क्रम सं. 1 से 3 प्रत्येक हेतु)। 1. निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव को तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। 2. भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है। 3. **निविदा के खुलने की तिथि और समय** दिनांक 10.07.2026 को 15.00 बजे है।

SDAH-99/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026

रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण विज्ञप्ति

भारत के राजपत्र में दिनांक 08.04.2026 को प्रकाशित **जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026** के जरिए रेलवे अधिनियम, 1989 के कुछ प्रावधानों में संशोधन किए गए हैं। केन्द्रीय सरकार दिनांक 19.06.2026 की अपनी राजपत्र अधिसूचना के मार्फत यह सूचित करती है कि **रेल अधिनियम, 1989** के संबंधित संशोधनों को कार्यान्वित किया गया है।

महत्वपूर्ण विशेषताएं

रेल अधिनियम, 1989 की धारा	विषय	पूर्ववर्ती प्रावधान	संशोधित प्रावधान
137	उपयुक्त पास/टिकट के बगैर धोखाधड़ीपूर्ण यात्रा	किराया + अतिरिक्त शुल्क न्यूनतम रु. 250	किराया + अतिरिक्त शुल्क (न्यूनतम रु. 500)
138	उपयुक्त पास/टिकट के बगैर यात्रा (अतिरिक्त शुल्क का प्रावधान)	न्यूनतम अतिरिक्त शुल्क रु. 250	न्यूनतम अतिरिक्त शुल्क रु. 500
142	हस्तांतरित टिकट पर यात्रा	3 महीने तक कारावास + रु. 500 तक जुर्माना + टिकट जब्त करना	टिकट जब्त करना + किराया + अतिरिक्त शुल्क (न्यूनतम रु. 500)
144	भिक्षावृत्ति अथवा फेरी इत्यादि पर रोक	1 वर्ष तक कारावास या रु. 2,000 तक जुर्माना या दोनों	रु. 2,000 का जुर्माना
145	नशा या उपद्रव करना	रेलवे परिसर से हटाना + टिकट जब्त करना + 6 महीने तक कारावास + रु. 500 तक जुर्माना	हटाना + टिकट जब्त करना + 24 घंटे तक का सामान्य कारावास या रु. 1000 तक जुर्माना अथवा दोनों अथवा समाज सेवा कार्य सहित
155	आरक्षित डिब्बे में प्रवेश	आरक्षित डिब्बे से हटाना तथा रु. 500 तक जुर्माना	रु. 2,000 का जुर्माना
162	महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बे में प्रवेश	पास या टिकट जब्त करना + रु. 500 तक जुर्माना + डिब्बे से हटाना	रु. 2,500 का जुर्माना + पास या टिकट जब्त करना + डिब्बे से हटाना
167	धूम्रपान	रु. 200/- का जुर्माना	रु. 2000 का जुर्माना + पास या टिकट जब्त करना + डिब्बे से हटाना

यात्री अनुशासन को मजबूत, सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सर्वांगीण यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उक्त संशोधन।

मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक / पीएस

नियमों का पालन करें • जुर्माना से बचें • जिम्मेदारी के साथ यात्रा करें

पूर्व रेलवे

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चोरी के तीन बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

आरा। टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर बाइक चोर गैंग के तीन सदस्य को अलग अलग जगहों से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार लोगों में बड़हरा थाना क्षेत्र के नकनाम टोला के निवासी दसई राम के पुत्र राजेंद्र कुमार,मैनेजर यादव के पुत्र श्रवण कुमार और कौशल कुमार के पुत्र चुनू कुमार शामिल है। इसके पहले मंगलवार को पुलिस ने बाइक चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया था। मंगलवार 22 जून को टाउन थाना क्षेत्र के आर्मी कैंटीन के पास से एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई थी। घटना के बाद पीड़ित द्वारा टाउन थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराया गया था।

आठवीं तक के स्कूल 27 जून तक पूरी तरह बंद

आरा। भोजपुर जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान और दोपहर के समय पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया है। अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी/ सक्षम प्राधिकार द्वारा जिले के सभी स्कूलों के संचालन को लेकर सख्त प्रतिबंध जारी कर दिए गए हैं। आधिकारिक आदेश के मुताबिक, भोजपुर जिले के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी और निजी विद्यालयों (प्री-स्कूल/आंगनबाड़ ी सहित) में वर्ग-08 तक की कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर दिनांक 27 जून 2026 तक पूर्णरूपेण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यानी आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए स्कूल अगले तीन दिनों तक पूरी तरह बंद रहेंगे। वहीं, हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के छात्रों को राहत देते हुए वर्ग-09 से वर्ग-12 तक की कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 11:00 बजे के बाद प्रतिबंध लगाया गया है। 11:00 बजे के बाद बड़ी कक्षाओं का संचालन भी किसी परिस्थिति में नहीं होगा। प्रशासन ने सख्त लहजे में सभी विद्यालय प्रबंधनों को निदेश दिया है कि वे इस सरकारी आदेश के अनुरूप ही अपनी शैक्षणिक गतिविधियों और स्कूल की टाइमिंग को तुरंत पुनर्निर्धारित करें। आदेश का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की जा सकती है।

पोल्ट्री फार्म संचालक की मौत

आरा। भोजपुर में पोल्ट्री फार्म संचालक की मौत हो गई। करंट लगने से हादसा हुआ है। गांव में ही पोल्ट्री फार्म चलाते थे। मृतक की पहचान परसिया गांव निवासी धरीक्षण गोड़ के पुत्र टेंगारी गोड़(42) के तौर पर हुई है। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक के मौसेरे भाई रमेश गोड़ ने बताया कि मुर्गी को पानी देने गए थे। जहां पहले से बिजली का तार नीचे पड़ा हुआ था। उसी दौरान वह विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर परिजन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया।

घर में मचा कोहराम: मृतक अपने मां-बाप के इकलौते चिराग थे। परिवार में पत्नी अमृता देवी, तीन पुत्री निशु कुमारी, निराशा कुमारी, छोटी कुमारी और दो पुत्र निशू राज, रोशन राज है। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया है। पत्नी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

सड़क हादसे में घायल किसान की मौत

आरा। भोजपुर में सड़क हादसे में घायल किसान की मौत हो गई। पटना के आईजीएमएस में इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान पीरो के रसौली निवासी समाजसेवी भूपेंद्र कुमार निकुंभ उर्फ बबलू सिंह(48) के तौर पर हुई है। घटना हसन बाजार थाना क्षेत्र की है। मृतक के चचेरे भाई हेमंत कुमार सिंह ने बताया बीते 1 मई को लोनार मोड़ के पास बाइक लेकर खड़े थे। इस दौरान अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। एक शादी से वापस लौटने के दौरान उन्हें इस घटना की जानकारी मिली थी। तब परिजन वहां पहुंचे। इलाज के लिए पहले बिक्रमगंज स्थित निजी अस्पताल से वाराणसी ले गए। वहां से वापस पटना लेकर आ गए।

परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है: सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजन को शव सौंप दिया है। मृतक सात भाई-बहन में सबसे बड़े थे। एक बेटा आर्यन कुमार और पुत्री पलक कुमारी है। पत्नी पिंकी देवी की मौत छह साल पहले प्रसव के दौरान हो गई थी। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया।

भूमि, रोजगार और मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

कोईलवर। भाकपा माले, खेग्रामस एवं इंकलाबी नौजवान सभा के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर कोईलवर प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के उपरांत संगठन के प्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारी स्थानीय पार्टी कार्यालय से जुलूस के रूप में निकले और नारेबाजी करते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचे। यहां आयोजित सभा में वक्ताओं ने भूमिहीन परिवारों के पुनर्वास, मनरेगा के प्रभावी क्रियान्वयन, मजदूरों की मजदूरी में वृद्धि तथा रोजगार की उपलब्धता जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब एवं भूमिहीन परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं और आवासीय भूमि की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने सरकार से ऐसे परिवारों को भूमि उपलब्ध कराने और मनरेगा के तहत अधिक रोजगार सृजित करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि मजदूरों की आय बढ़ाने के लिए मजदूरी दरों की समीक्षा आवश्यक है। कार्यक्रम में बड़हरा विधानसभा प्रभारी नंद जी, आरवाईए जिलाध्यक्ष विशाल कुमार, नगर सचिव भोला यादव, मुखदेव राम बोस, चंदेश्वर राम, सुरेश सिंह, कन्हैया कुमार, दूधनाथ पासवान, शिवधार राम, नवल किशोर, लालती देवी आदि थे।

वीकेएसयू को मिला ओएनओएस का लाभ, डेटाबेस व शोध आसान

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल वन नेशन वन सब्स्क्रीप्शन के अंतर्गत शामिल किया गया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए काफी महत्वपूर्ण है। ओएनओएस के माध्यम से अब विश्वविद्यालय के छात्र, शोधार्थी व शिक्षक विश्वस्तरीय शैक्षणिक जर्नल्स, शोध पत्रों व डेटाबेस तक आसानी से पहुंच प्राप्त कर सकेंगे। कुलसचिव प्रो. (डा.) रामकृष्ण ठाकुर ने बताया कि कुलपति प्रो. (डा.) शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी के निर्देश के आलोक में इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को हासिल करने में प्रशासनिक पदाधिकारी डा. असलम परवेज और डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस के शिक्षक व तकनीकी पदाधिकारी डा. अनिल कुमार सिन्हा ने अहम भूमिका निभाया है। इन दोनों को विभागीय स्तर पर पूर्ण सहयोग डिपार्टमेंट ऑफ कम्प्यूटर साइंस के निदेशक डा. राकेश कुमार रंजन, शिक्षक डा. मो. अलीमुल हक व सहायक संजीव कुमार ने प्रदान किया। विवि के कुलपति प्रो. (डा.) शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि वन नेशन वन सबसक्रीप्सन के अंतर्गत वीकेएसयू का शामिल होना काफी महत्वपूर्ण व गर्व का विषय है। इससे हमारे छात्रों और शोधार्थियों को विश्वस्तरीय ज्ञान संसाधनों तक पहुंच प्राप्त होगी। इससे वे उच्च गुणवत्तापूर्ण शोध कर सकेंगे। कुलपति ने कहा है कि हमारा उद्देश्य विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार व ज्ञान आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो हमारे विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। डिजिटल इंडिया का लक्ष्य होगा साकार, कुलसचिव प्रो. (डा.) रामकृष्ण ठाकुर ने बताया कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को ओएनओएस की सुविधा प्राप्त होना ज्ञान आधारित भविष्य की ओर कदम है। अब शिक्षा व शोध के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा। यह पहल डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को साकार करने के साथ-साथ देश के सभी विश्वविद्यालयों को समान अवसर प्रदान करता है। इस सुविधा से छात्रों को काफी कुछ उनके क्षेत्र में बेहतर करने के मौके मिल सकेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान को और मजबूत बनाएगा वीकेएसयू विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को विश्वस्तरीय शोध जर्नल्स और अकादमिक संसाधनों तक सीधी पहुंच प्राप्त होगी। इस सुविधा के तहत अब विश्वविद्यालय समुदाय ऐल्सवियर , स्प्रिंगर और विली जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के शोध सामग्री का लाभ उठा सकेगा।

रोज़ी-रोटी और आवास के मुद्दे पर दिया धरना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भाकपा माले, शहरी गरीब मोर्चा और खेत ग्रामीण मजदूर सभा के बैनर तले बुधवार को आरा प्रखंड मुख्यालय पर विभिन्न जन मुद्दों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना-प्रदर्शन में शहरी एवं ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और महिलाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था करने तथा गरीबों के घरों पर चल रहे बुलडोजर अभियान पर रोक लगाने की मांग उठाई गई। धरना का संचालन आइसा नेता एवं भाकपा माले जिला कमेटी सदस्य रौशन कुशवाहा ने किया। वक्ताओं ने कहा कि रोज़ी-रोटी के संकट से जूझ रहे गरीब परिवारों को ग्राम जी-राम जी कानून के तहत तत्काल रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही बिना वैकल्पिक व्यवस्था के गरीबों को उजाड़ने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई। भाकपा माले के राज्य स्थायी समिति सदस्य एवं इंसाफ मंच के राज्य सचिव क्यामुद्दीन अंसारी ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां गरीब विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गरीबों के घरों और झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, जबकि लंबे समय से बसे लोगों को उजाड़ा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने जन वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की। भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य एवं आरा नगर सचिव विजय ओझा ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण गरीब परिवारों का जीवन संकट में है। ऐसे समय में सरकार को रोजगार सृजन और मजदूरों को काम उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। धरना के दौरान बिहार में अकुशल मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी 700 रुपये प्रतिदिन करने, जन वितरण प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने, वृद्धावस्था एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह करने तथा पेंशनधारियों के बकाया भुगतान की मांग भी उठाई गई।

एक रात तीन घरों में चोरी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

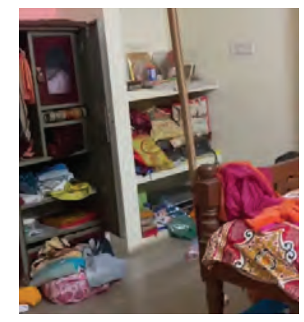

बक्सर। बक्सर के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नुआंव गांव में बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात तीन घरों में बड़ी चोरी हुई। अज्ञात चोरों ने एक ही रात में गांव के तीन अलग-अलग घरों से करीब 40 लाख रुपये से अधिक के गहने और 2 लाख रुपये से ज्यादा नकदी चुरा ली। चोरों ने गांव निवासी लालबाबू सिंह, सतीश कुमार सिंह और संजय सिंह के घरों को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि चोरों ने घर के सदस्यों को जगाने से रोकने के लिए किसी स्प्रे का इस्तेमाल किया, जिससे वे गहरी नींद में सोते रहे। इसके अलावा, चोरों ने कमरों के बाहर से ताला भी लगा दिया था।

2 लाख रुपए कैश की चोरी: सुबह जब परिवार के सदस्य जागे, तो घरों के कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी व बक्सों के ताले टूटे हुए मिले। इसके बाद घरवालों को चोरी की जानकारी हुई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, 40 लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण और 2 लाख रुपए से अधिक नकदी चोरी हुई है। पुलिस सभी परिवारों से पूछताछ कर वास्तविक नुकसान का आकलन कर रही है।

पुलिस टीम ने घटनास्थल का किया निरीक्षण: घटना की सूचना मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ पोलस्त कुमार के नेतृत्व में अंचल निरीक्षक ओमप्रकाश कुमार, थानाध्यक्ष रवि कुमार, डीआईयू टीम और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस का कहना है कि चोरी काफी सुनियोजित तरीके से की गई है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। इस बड़ी चोरी की घटना ने गांव के लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाकपा ने बिलौटी में हुए फर्जी एनकाउंटर का जताया विरोध

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कमेटी बक्सर की बैठक स्थानीय कार्यालय में बैठक अरूण कुमार ओझा की अध्यक्षता में हुई। मौके पर पार्टी के जिला सचिव परमहंस सिंह ने कहा कि आज की स्थिति में कम्युनिस्ट पार्टी ही है, जो दलितों वंचितों और आम आदमी की आवाज बन सकती है। पार्टी को और मजबूत करने के उपायों पर विचार किया गया। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में पुलिस के द्वारा किए गए फर्जी एनकाउंटर का विरोध किया गया। वहीं पीड़ित परिवार को मदद और उचित मुआवजा देने की मांग सरकार से की गई। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे तमाम फर्जी एनकाउंटरों पर रोक लगाई जाए। इसी तरह नालंदा में डिग्री कॉलेज के स्थान परिवर्तन के लिए हुए आंदोलन में एसएफआई के आंदोलन पर पुलिसिया जुल्म की जांच की जाए। जिस तरह पीड़ित परिवार के घर में पुलिस ने घुसकर कार्रवाई की है उसकी जांच कराई जाए। बिहार में ऐसी स्थिति इसलिए उत्पन्न की जा रही है, ताकि कोई भी वंचित, शोषित, दलित एवं आम लोगों की बात को आंदोलन के जरिए उठाया नहीं जा सके।

न्यायालयों का समय 29 जून से बदलेगा, सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगी सुनवाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के व्यवहार न्यायालय और अनुमंडल न्यायालय डुमरांव में न्यायिक कामकाज का समय 29 जून से बदल जाएगा। अब सभी अदालतों में सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक सुनवाई होगी। यह बदलाव अधिवक्ताओं, वादकारियों और आम जनता के लिए महत्वपूर्ण है। प्रभारी प्रशासन न्यायालय राजीव कुमार श्रीवास्तव ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गर्मी के मद्देनजर लागू की गई प्रातःकालीन न्यायालय व्यवस्था केवल 27 जून तक ही प्रभावी रहेगी। इसके बाद न्यायालयों में पूर्व निर्धारित दिवाकालीन समय-सारिणी दोबारा लागू कर दी जाएगी।

सभी प्रकार के मामलों की सुनवाई तय समय पर होगी: उन्होंने स्पष्ट किया कि 29 जून से व्यवहार न्यायालय बक्सर और अनुमंडल न्यायालय डुमरांव की सभी अदालतें नियमित समय के अनुसार संचालित होंगी। न्यायिक कार्यवाही पहले की तरह सामान्य रूप से संपादित की जाएगी और सभी प्रकार के मामलों की सुनवाई तय समय पर होगी। उल्लेखनीय है कि गर्मी के मौसम में न्यायिक पदाधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं और वादकारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुछ समय के लिए प्रातःकालीन व्यवस्था लागू की गई थी। इस व्यवस्था के तहत अदालतों का संचालन सुबह के समय किया जा रहा था। अब मौसम में बदलाव और निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद पुनः सामान्य समय-सारिणी लागू की जा रही है।

नई समय-सारिणी का पालन करने की अपील: प्रभारी प्रशासन न्यायालय ने न्यायालय से जुड़े सभी अधिवक्ताओं, मुकदमे से जुड़े पक्षकारों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे नई समय-सारिणी का पालन करें। उन्हें 29 जून से न्यायालय में अपने कार्यों के लिए निर्धारित नए समय के अनुसार ही उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इस बदलाव के साथ, अदालतों में सभी न्यायिक प्रक्रियाएं नियमित दिवाकालीन व्यवस्था के तहत संचालित होंगी, जिससे न्यायिक कार्यों में पहले की तरह सामान्य व्यवस्था बहाल हो जाएगी।

नैनीजोर में आठवें दिन उग्र हुआ आंदोलन, 11 सूत्री मांगों पर आमरण अनशन शुरू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर नैनीजोर में गंगा कटाव, अतिक्रमण और सड़क निर्माण समेत ग्यारह सूत्री मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को आठवें दिन नए मोड़ पर पहुंच गया। ग्रामीणों के सब्र का बांध टूट गया और धरना का नेतृत्व कर रहे समाजसेवी मैनेजर यादव ने आंदोलन को आमरण अनशन में बदलते हुए स्पष्ट घोषणा कर दी कि मांगें पूरी होने तक वे अन्न-जल त्याग कर संघर्ष जारी रखेंगे। 17 जून से शुरू हुए धरना-प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों का आरोप है कि आठ दिनों के लगातार आंदोलन के बावजूद न तो कोई जनप्रतिनिधि उनकी सुध लेने पहुंचा और न ही प्रशासन ने कोई ठोस पहल की। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में बदलैया से बिहार घाट तक सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाना, बिहार घाट से प्रबोध डेरा एवं ढाबी तक गंगा कटाव रोकने के लिए स्थायी पत्थर पिचिंग कार्य कराना तथा ढाबी गांव जाने वाली सड़क के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण शामिल है। इसके अलावा क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़ी अन्य मांगों को भी तत्काल पूरा करने की मांग की जा रही है। आमरण अनशन पर बैठे मैनेजर यादव ने कहा, "अब झूठे आश्वासनों से काम नहीं चलेगा। जब तक हमारी मांगों पर धरातल पर काम शुरू नहीं होगा, तब तक यह अनशन जारी रहेगा। लाखों की आबादी वाला नैनीजोर गांव आज गंगा के कटाव से उसी तरह अस्तित्व संकट से जूझ रहा है, जैसे कभी भोजपुर का जवइनिया गांव गंगा में समा गया था। लेकिन शासन और प्रशासन दोनों मौन हैं।" धरनास्थल पर "अतिक्रमण हटाओ", "कटाव से गांव बचाओ" और "जनता की मांगें पूरी करो" जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा। आंदोलन के समर्थन में मुखिया प्रतिनिधि वीरेन्द्र कुमार यादव, पूर्व मुखिया राजकिशोर प्रसाद, राजकिशोर तिवारी, ध्रुव तिवारी, आत्मा यादव, संतोष यादव, डॉ. हरेराम तिवारी, बड़क पांडेय, कमलवाश तिवारी, बुधन गोंड, राजू पांडेय, संजय उपाध्याय, उमाशंकर गुप्ता सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। धरना पर बैठे लोग

डीएम ने किया एसडीआरएफ भवन का निरीक्षण, बाढ़ तैयारी की समीक्षा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। आगामी मानसून एवं संभावित बाढ़ की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से डीएम साहिला ने एसडीआरएफ भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बक्सर जिले में प्रतिनियुक्त एसडीआरएफ टीम की तैयारियों एवं उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को एसडीआरएफ के सहयोग से आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने का निर्देश दिया। ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग को आवश्यक संपर्क पथों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण के निर्देश भी दिए। जिससे आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। डीएम ने अधिकारियों एवं एसडीआरएफ कर्मियों को निर्देशित किया कि किसी भी आपदा की स्थिति में समयबद्ध एवं प्रभावी रिस्पांस सुनिश्चित किया जाए।

जिले के 1.08 लाख किसानों की हुई फार्मर रजिस्ट्री

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। जिले में फार्मर रजिस्ट्री कार्य को गति देने तथा शत-प्रतिशत किसानों का पंजीकरण करने के लिए कृषि भवन सभागार में जिला कृषि पदाधिकारी डॉ. नीरज कुमार समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार उपस्थित रहे। बैठक के दौरान डॉ. नीरज कुमार ने प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आधार बनेगी। इसलिए सभी कर्मी अभियान मोड में कार्य कर शेष किसानों का पंजीकरण जल्द पूरा करें। उन्होंने पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाने, किसानों को जागरूक करने तथा प्रतिदिन प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कुल 1,80,343 लाभार्थी किसान हैं। इनमें से अब तक 1,08,046 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है, जो कुल लक्ष्य का 59.9 प्रतिशत है। डॉ. नीरज कुमार ने अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले प्रखंडों के अधिकारियों और किसान सलाहकारों को विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। प्रत्येक किसान तक पहुंचकर रजिस्ट्री कार्य को शीघ्र पूरा किया जाए ताकि किसानों को भविष्य में किसी भी सरकारी योजना के लाभ से वंचित न होना पड़े। बैठक में सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों एवं किसान सलाहकारों को लक्ष्य प्राप्ति तक लगातार अभियान चलाने तथा प्रतिदिन की उपलब्धि रिपोर्ट जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

रघुनाथपुर सीएचसी से रेफर किए जाने के बाद सदर अस्पताल में तोड़ा दम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

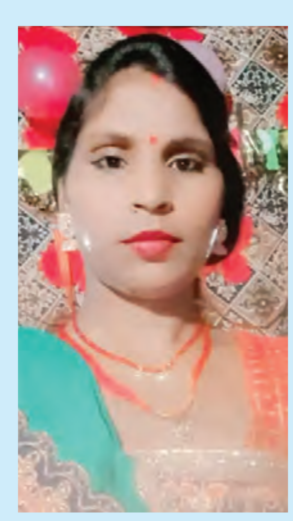

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर बगेनगोला थाना क्षेत्र के एकरासी पंचायत स्थित मास्टर टोला मरही गांव में सोमवार की शाम आई प्रलयंकारी आंधी-तूफान एक परिवार के लिए काल बन गई। तेज हवा के झोंके से पड़ोसी के मकान की छत ढलाई के लिए रखा लोहे का रिंग उड़कर दरवाजे पर बैठी महिला के सिर पर जा गिरा। गंभीर रूप से घायल महिला की मंगलवार की रात इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतका की पहचान मास्टर टोला मरही निवासी गायत्री देवी (30 वर्ष), पति सिपाही यादव के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार सोमवार की शाम अचानक आए तेज आंधी-तूफान के दौरान गायत्री देवी अपने घर के दरवाजे पर बैठी थीं। तभी पड़ोसी के मकान की छत ढलाई के लिए रखा लोहे का रिंग तेज हवा में उड़कर उनके माथे पर आ गिरा। चोट इतनी गंभीर थी कि उनका माथा फट गया और वह मौके पर ही बेहोश हो गईं। परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रघुनाथपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में उपचार के दौरान मंगलवार की रात उनकी मौत हो गई। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। गायत्री देवी अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गई हैं। बड़ी बेटी दुर्गा कुमारी, दूसरी बेटी पूजा कुमारी तथा चार वर्षीय पुत्र अंश कुमार अब मां के स्नेह से हमेशा के लिए वंचित हो गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे मिला युवक का शव, मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

पटना। राजधानी पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र स्थित नई ढेलवा कॉलोनी में गुरुवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे एक युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रामकृष्ण नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को जांच के बाद मृत घोषित किया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान हरीश राज के रूप में हुई है। वह संतोष सिंह के पुत्र थे और पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित पटना कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं। पहचान होने के बाद पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। पटना सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट या जख्म के निशान नहीं पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) भेज दिया है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। इसके अलावा मृतक के परिजनों और परिचितों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा सके। फिलहाल रामकृष्ण नगर थाना पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

प्रेमी जोड़े ने वीडियो जारी कर मांगी सुरक्षा

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर से एक प्रेमी जोड़े ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी जान को खतरा बताया है। उन्होंने अपने पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं और हाजीपुर प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाई है। जोड़े का कहना है कि उन्होंने अपनी मर्जी से घर छोड़कर शादी की है। लड़की की पहचान पोखरा मोहल्ला, वीर कुंवर सिंह कॉलोनी निवासी पवन सिंह की बेटी संध्या सिंह (22) के रूप में हुई है। लड़के ने अपनी पहचान छोटी यूसुफपुर निवासी जितेंद्र कुमार का बेटा आदित्य कुमार (25) के रूप में बताई है। दोनों ने अपनी मर्जी से घर छोड़कर शादी की है और अब वैशाली पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। वीडियो में संध्या ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है कि उनकी तलाश की जा रही है। उसने कहा कि वह और आदित्य पिछले तीन साल से एक-दूसरे को जानते थे। जब उसके पिता ने उसकी शादी के लिए लड़के देखने शुरू किए, तो उसने उन्हें आदित्य के बारे में बताया और उससे शादी करने की इच्छा व्यक्त की। संध्या के अनुसार, यह बात सुनते ही उसके पिता ने उसे कथित तौर पर बुरी तरह पीटा और जहर देने की धमकी दी। इसके बाद उसने आदित्य को सूचित किया कि उसके पिता उसकी शादी कहीं और तय करना चाहते हैं और उसे घर से निकलने में मदद मांगी। संध्या ने यूपीआई के माध्यम से आदित्य को कुछ पैसे भेजे और फिर खाली हाथ अपने घर से निकल गई। अब दोनों ने शादी कर ली है और साथ रह रहे हैं। संध्या ने यह भी स्पष्ट किया कि उसे घर छोड़ने में न तो उसके परिवार का और न ही आदित्य के परिवार का कोई हाथ है। उसने अपनी मर्जी से आदित्य के साथ शादी की है। लड़की ने प्रशासन से अपील की है कि यदि लड़के के परिवार को कोई भी नुकसान पहुँचता है, तो उसके लिए केवल उसके पिता जिम्मेदार होंगे। इस संबंध में नगर थाना अध्यक्ष सिकन्दर कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है उसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस का हुड़दंगियों से निपटने को मॉकड्रिल, मोहर्रम से पहले वाटर कैनन चली, आंसू गैस के गोले दागे गए

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने मोहर्रम पर्व के दौरान हुड़दंगियों से निपटने की तैयारी में हाजीपुर पुलिस लाइन में एक रियलिस्टिक मॉकड्रिल का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा के निर्देश पर हुए इस अभ्यास में वाटर कैनन का प्रयोग किया गया और आंसू गैस के गोले भी दागे गए। अभ्यास के दौरान, दंगाइयों की भीड़ का दृश्य बनाया गया। पुलिस बल ने पहले लाठीचार्ज कर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। स्थिति बेकाबू होने पर वाटर कैनन से पानी की तेज बौछार की गई, जिसके बाद आंसू गैस के गोले दागकर भीड़ को तितर-बितर करने का अभ्यास किया गया। इस दौरान जवानों को त्वरित कार्रवाई और समन्वय का प्रशिक्षण दिया गया। मॉकड्रिल के बाद, एसपी शुभांक मिश्रा ने सभी थानाध्यक्षों को मोहर्रम के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर की आवाज इतनी धीमी होनी चाहिए कि वह केवल जुलूस तक ही सीमित रहे। एसपी ने स्पष्ट किया कि माहौल बिगाड़ने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस ने यह भी साफ किया कि त्योहार के दौरान उपद्रव फैलाने, अफवाहें फैलाने या जबरन चंदा वसूली करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। सभी संवेदनशील इलाकों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों को तुरंत ट्रेस कर गिरफ्तार किया जाएगा। वैशाली पुलिस ने जिलेवासियों से मोहर्रम का त्योहार गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है।

पप्पू सहनी एनकाउंटर मामला,मुकेश सहनी ने आंदोलन की चेतावनी दी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में वीआईपी सुप्रीमो और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी पहुंचे। इन्होंने पप्पू सहनी एनकाउंटर और भोजपुर एनकाउंटर मामले को लेकर बिहार सरकार व पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को मुजफ्फरपुर सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि यदि पप्पू सहनी फेक एनकाउंटर के आरोपितों की गिरफ्तारी एक महीने के अंदर नहीं हुई, तो उनकी पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन और चक्का जाम करेगी। वहीं भोजपुर एनकाउंटर मामले में उन्होंने कहा कि यदि डीएसपी राजेश शर्मा पर पहले हुई शिकायतों में कार्रवाई की गई होती, तो भोजपुर जैसी घटना नहीं होती। मुकेश सहनी ने कहा है कि ये सरकार फर्जी है। मुकेश सहनी ने कहा कि चार महीने बीत जाने के बावजूद पप्पू सहनी हत्याकांड में पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला है। पुलिस अब तक दोषियों तक नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरपुर आने के दौरान वह पीड़ित परिवार से मिले हैं और उनकी पीड़ा को करीब से समझा है। उन्होंने कहा, "हम मुजफ्फरपुर के एसएसपी को एक महीने का समय दे रहे हैं। यदि इस अवधि में दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वीआईपी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी और सड़क जाम किया जाएगा।"

मोहर्रम को लेकर बिहटा में पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

♦ संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई गई चौकसी, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध; ड्रोन कैमरों से होगी निगरानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहटा (पटना)। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए बिहटा थाना क्षेत्र में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार सुबह पुलिस ने बाइक फ्लैग मार्च निकालकर लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। फ्लैग मार्च में स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ अतिरिक्त पुलिस बल के जवान भी शामिल रहे। मार्च का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना, लोगों में सुरक्षा का विश्वास कायम करना तथा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना था।

मोहर्रम के अवसर पर बिहटा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से ताजिया और जुलूस निकाले जाते हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष चौकसी बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, माहौल खराब करने या शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पटना जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जुलूसों के दौरान डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जहां आवश्यकता होगी, वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। साथ ही जुलूस और अन्य गतिविधियों पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। पुलिस का फ्लैग मार्च बिहटा क्षेत्र के कई प्रमुख इलाकों से होकर गुजरा। इसमें अजमेरी नगर, जामा मस्जिद गली, बहपुरा, सिमरी और मुस्लिम राघोपुर सहित अन्य क्षेत्र शामिल रहे। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद कर शांति एवं भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि मोहर्रम के दौरान किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। अधिकारियों ने कहा कि जनसहयोग से ही पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराया जा सकता है।

आपातकाल लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय, नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा के लिए सतर्क रहना आवश्यक : डॉ. प्रेम कुमार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने 25 जून 1975 को लागू किए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय बताते हुए कहा कि यह दिन देशवासियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा के प्रति सदैव जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। आपातकाल की वर्षगांठ के अवसर पर अपने संदेश में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि देश ने उस दौर के दुष्प्रभावों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों को निकट से देखा है। यह अवधि भारतीय लोकतंत्र की एक कठिन परीक्षा थी, जिसने यह स्पष्ट किया कि नागरिक स्वतंत्रता और संवैधानिक व्यवस्था किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती हैं। उन्होंने कहा कि 25 जून का स्मरण केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की रक्षा और उसे सशक्त बनाए रखने का संकल्प लेने का भी दिन है। लोकतंत्र कोई स्थायी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया और निरंतर साधना है, जिसे नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, जागरूकता और उत्तरदायित्व से ही मजबूत बनाया जा सकता है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि लोकतंत्र का मूल तत्व सत्ता के प्रति प्रश्न पूछने, विचारों के आदान-प्रदान और स्वस्थ संवाद बनाए रखने में निहित है। जब समाज में संवाद, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान बना रहता है, तभी लोकतांत्रिक व्यवस्था सुदृढ़ होती है। उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार और जागरूक समाज के रूप में हम सभी का दायित्व है कि लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक आदर्शों और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहें। संविधान की गरिमा और लोकतांत्रिक परंपराओं का संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक और संवैधानिक दायित्व है। बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वास्तव में एक सजग, जागरूक और सक्रिय नागरिक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति और सबसे मजबूत आधार होता है। उन्होंने लोकतंत्र को सशक्त बनाने तथा संविधान के मूल आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया।

बिहार विधानसभा समितियों की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने की पहल

अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जारी किए नए दिशा-निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विधानसभा की विभिन्न समितियों की कार्यप्रणाली में गुणात्मक सुधार लाने तथा उनके कार्यों को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से समिति के सहयोगार्थ प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार राज्य के भीतर अथवा राज्य के बाहर स्थल अध्ययन यात्रा पर जाने वाली सभी विधानसभा समितियों के साथ प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को यात्रा के दौरान प्रतिदिन अपनी गतिविधियों एवं अवलोकनों का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करना होगा। साथ ही यात्रा समाप्त होने के चार दिनों के भीतर उक्त प्रतिवेदन बिहार विधानसभा अध्यक्ष के अवलोकनार्थ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

डॉ. प्रेम कुमार ने विशेष रूप से राज्य के बाहर अध्ययन दौरे पर जाने वाली समितियों के सहयोगार्थ प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित राज्यों की विधानसभा की नियमावली तथा बिहार विधानसभा प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के बीच मौजूद विभिन्नताओं का बिंदुवार अध्ययन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। इससे बिहार विधानसभा की प्रक्रियाओं में सुधार एवं नवाचार की संभावनाओं का मूल्यांकन किया जा सकेगा।

निर्देशों में यह भी कहा गया है कि अध्ययन यात्रा के दौरान संबंधित राज्यों की विधानसभाओं से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़ों का संकलन किया जाए। इनमें सदस्यों की संख्या, विभिन्न समितियों एवं उनके सदस्यों की संख्या, शून्यकाल, प्रश्नकाल, याचिका, निवेदन, ध्यानाकर्षण, गैर-सरकारी संकल्प, प्रश्नों की प्रक्रिया, उनके निष्पादन की प्रणाली तथा कार्य संचालन की शैली जैसे विषय शामिल हैं। इन सभी पहलुओं पर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रक्रियात्मक सुधारों और अध्ययन-आधारित सुझावों से विधानसभा समितियों की कार्यकुशलता, पारदर्शिता और उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों की श्रेष्ठ संसदीय परंपराओं और कार्यप्रणालियों का अध्ययन कर बिहार विधानसभा की समितियों को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में बिहार विधानसभा की लोक लेखा समिति, प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति, याचिका समिति तथा राजकीय आश्वासन समिति राज्य के भीतर विभिन्न क्षेत्रों का स्थल अध्ययन दौरा कर रही हैं। वहीं पर्यटन उद्योग समिति एवं अल्पसंख्यक कल्याण समिति राज्य से बाहर अध्ययन भ्रमण पर हैं। इन समितियों के अध्ययन और अनुभवों से प्राप्त सुझाव भविष्य में विधानसभा की कार्यप्रणाली को और अधिक आधुनिक, उत्तरदायी एवं जनोन्मुख बनाने में सहायक होंगे।

दिव्या त्यागी की भावुक अदाकारी ने 'शेल्टर होम' को बनाया और भी प्रभावशाली, सेट पर छलक पड़े असली आंसू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बॉलीवुड और ओटीटी की चर्चित अभिनेत्री दिव्या त्यागी अपनी आगामी फिल्म 'शेल्टर होम' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। सामाजिक सरोकारों पर आधारित इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा भावुक पल सामने आया, जिसने सेट पर मौजूद हर व्यक्ति को भावुक कर दिया। स्पार्क मीडिया प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म का लेखन और निर्देशन कुमार नीरज सिंह ने किया है, जबकि वैशाली देव, बीना शाह और खुशबू नीरज सिंह इसके निर्माता हैं। फिल्म समाज के उस दर्दनाक और संवेदनशील पहलू को सामने लाने का प्रयास करती है, जिस पर अक्सर चर्चा नहीं होती। फिल्म में दिव्या त्यागी एक ऐसे किरदार को निभा रही हैं, जो शेल्टर होम में रह रहे बेसहारा और प्रताड़ित लोगों के दर्द को दुनिया के सामने लाने की कोशिश करता है। शूटिंग के दौरान एक बेहद संवेदनशील और भावनात्मक दृश्य फिल्माया जा रहा था, जिसमें उन्हें पीड़ित बच्चों की व्यथा को दर्शाने वाला एक मार्मिक संवाद बोलना था। जैसे ही कैमरा ऑन हुआ, दिव्या पूरी तरह अपने किरदार में डूब गईं। उन्होंने बिना किसी कृत्रिम सहारे के इतने प्रभावशाली ढंग से अभिनय किया कि सीन के बीच ही उनकी आंखों से आंसू बहने लगे। उनकी भावनाएं इतनी वास्तविक थीं कि सेट पर मौजूद कलाकार और तकनीकी टीम भी भावुक हो उठी। निर्देशक के कट कहने के बाद भी दिव्या लंबे समय तक अपने आंसुओं को नहीं रोक सकीं। वह कुछ देर तक चुपचाप बैठी रहीं और खुद को सामान्य करने की कोशिश करती रहीं। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया। दिव्या त्यागी ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा, "कुछ कहानियां सिर्फ पर्दे पर दिखाई नहीं जातीं, बल्कि उन्हें महसूस भी किया जाता है। 'शेल्टर होम' मेरे लिए ऐसी ही फिल्म है। इस किरदार को निभाते समय मुझे उन लोगों की पीड़ा महसूस हुई, जिनके पास अपना कहने वाला कोई नहीं है।" उन्होंने बताया कि भूमिका की तैयारी के लिए उन्होंने कई शेल्टर होम्स का दौरा किया और वहां रहने वाले लोगों के जीवन को करीब से समझा। यही वजह रही कि फिल्म के कई दृश्य उनके लिए बेहद भावनात्मक साबित हुए। सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'शेल्टर होम' की सेंसर कॉपी मिल चुकी है, जबकि टीज़र की सेंसर कॉपी का इंतजार जारी है। ऐसे में दर्शक फिल्म की रिलीज़ डेट और ट्रेलर की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के प्रति दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है और माना जा रहा है कि यह फिल्म समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देने में सफल होगी।

मसौढ़ी में शिक्षा के नए युग की शुरुआत, राधिका देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी का हुआ उद्घाटन

पूर्व आईएएस मनीष वर्मा ने किया शुभारंभ, कहा— गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही होगा समाज और राष्ट्र का विकास

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मसौढ़ी। नगर मुख्यालय के ब्लॉक रोड स्थित प्रखंड कार्यालय के सामने बुधवार को शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल का आगाज हुआ। राधिका देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी का भव्य उद्घाटन पूर्व आईएएस अधिकारी एवं जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए मनीष वर्मा ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होती है। वर्तमान समय में तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए यह संस्थान क्षेत्र के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यहां शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी न केवल अपने करियर को नई दिशा देंगे, बल्कि समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान निभाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। ऐसे संस्थान युवाओं को प्रतिस्पर्धी युग में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

संस्थान के संयोजक इंजीनियर शंभु सिंह ने बताया कि संस्थान में आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के साथ विभिन्न प्रबंधन एवं तकनीकी पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बड़े शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख न करना पड़े। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने संस्थान के भवन, स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक शिक्षण संसाधनों एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। सभी अतिथियों ने संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक अरुण मांझी, मुख्य पार्षद पिंकी देवी, उपमुख्य पार्षद चंद्रकांत कुमार उर्फ छोटे पासवान, जदयू प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जितेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने संस्थान की स्थापना को मसौढ़ी के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के खुलने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला।

मुहर्रम को लेकर पटना प्रशासन अलर्ट, ड्रोन और सीसीटीवी से होगी निगरानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए पटना जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी कुंदन कुमार और वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी अनुमंडलों के पदाधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी और एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मुहर्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, सूचना तंत्र को पूरी तरह सक्रिय रखने तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

प्रशासन ने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को भी मजबूत करने का निर्णय लिया है। अफवाह फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध तत्काल और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को मुहर्रम समितियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी संभावित विवाद या तनाव की स्थिति को समय रहते समाप्त किया जा सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बिना प्रशासनिक अनुमति के किसी भी जुलूस को निकलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी जुलूसों के मार्गों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा तथा प्रत्येक जुलूस के साथ पर्याप्त पुलिस बल की एस्कॉर्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी, जबकि पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे आयोजन पर नजर रखी जाएगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा ने सभी थाना क्षेत्रों में सघन गश्ती अभियान चलाने तथा क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) गठित करने का निर्देश दिया। नियंत्रण कक्ष में पर्याप्त संख्या में स्ट्राइकिंग फोर्स की तैनाती भी की जाएगी, ताकि किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जुलूसों की लगातार वीडियोग्राफी कराई जाएगी और सभी सीसीटीवी कैमरों को निर्बाध रूप से संचालित रखा जाएगा। प्रशासन ने मुहर्रम के दौरान डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विद्युत विभाग को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि ताजिया जुलूसों के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

नगर निकायों को जुलूस मार्गों की साफ-सफाई, पर्याप्त संख्या में सफाईकर्मियों की तैनाती तथा स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड में रखा गया है। सिविल सर्जन को चिकित्सकों, पारा मेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस तथा जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को विशेष रूप से तैयार रहने को कहा गया है। अग्निशमन विभाग को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया गया है।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी कुंदन कुमार और एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा ने कहा कि मुहर्रम शांति, त्याग और भाईचारे का पर्व है। प्रशासन की कोशिश है कि यह पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अक्षरशः पालन करते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

लंबित वेतन को लेकर 108 एंबुलेंस कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले में 108 एंबुलेंस सेवा से जुड़े चालक एवं कर्मचारी गुरुवार को अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन पर उतर आए। कर्मचारियों ने सिविल सर्जन कार्यालय के समीप धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया और बकाया मानदेय के भुगतान की मांग की। 108 एंबुलेंस कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने बताया कि झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन वर्तमान में पटना स्थित सम्मान फाउंडेशन के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन माह से राज्यभर के चालकों और कर्मचारियों को मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक बकाया राशि का भुगतान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने एंबुलेंस सेवाओं की स्थिति पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि जिले की जरूरत के अनुरूप एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हैं। वर्तमान में सीमित संख्या में वाहन ही संचालित हो रहे हैं और उनमें से कई तकनीकी खराबियों से जूझ रहे हैं। चालकों के अनुसार कई एंबुलेंस थोड़ी दूरी तय करने के बाद ही खराब हो जाती हैं, जिससे आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 108 सेवा का कॉल सेंटर रांची से संचालित होता है और कई बार सूचना देर से प्राप्त होती है। ऐसे में हर देरी या समस्या के लिए चालक कर्मियों को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। धरना-प्रदर्शन में जिले के 30 से अधिक चालक और कर्मचारी शामिल हुए। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों के समाधान तक उनका विरोध जारी रहेगा।

पूर्वी सिंहभूम के ज्वालकाटा बालिका आवासीय विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर, 195 छात्राओं का हुआ परीक्षण

पूर्वी सिंहभूम। जिले के गुड़ाबांदा प्रखंड स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, ज्वालकाटा में छात्राओं एवं विद्यालय कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 195 छात्राओं के अलावा 11 शिक्षक-शिक्षिकाओं और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराना था। स्वास्थ्य जांच शिविर का संचालन मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम द्वारा किया गया। शिविर का नेतृत्व आउटरीच विभाग के प्रमुख एवं चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. महेश्वर प्रसाद तथा सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. गौरव ने किया। इस दौरान डॉ. प्रियंका सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सकों, पैरामेडिकल कर्मियों और मेडिकल कॉलेज के अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने जांच कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। चिकित्सा टीम ने बताया कि किसी कारणवश स्वास्थ्य जांच से वंचित रह गई छात्राओं के लिए आगामी दिनों में दूसरे चरण का विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा, ताकि सभी छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जा सके। शिविर में वार्डन सह प्रभारी प्रधानाध्यापिका गुरुबारी मार्डी, शिक्षिका कल्याणी पात्र, कनकलता पातर, श्रावंती महतो, नम्रता कुमारी तथा शिक्षक भास्कर महतो, प्रणव मार्दीना, चैतन चंद्र किस्कू, बाबूलाल माहली और गोपीनाथ हांसदा सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, कर्मचारी, चिकित्सक दल और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

सिलादोन में नशा मुक्ति और बाल संरक्षण पर जनचौपाल

खूंटी। चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) के तत्वावधान में सिलादोन पंचायत भवन में गुरुवार को बाल संरक्षण और राज्यव्यापी नशा मुक्ति अभियान के तहत जनचौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। जनचौपाल को संबोधित करते हुए सीनी के कुमार सौरभ ने मादक पदार्थों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को मादक पदार्थों की बिक्री और मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री कानूनन अपराध है। साथ ही अफीम और गांजा जैसे नशीले पदार्थों की अवैध खेती को गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि इसके लिए 20 वर्ष तक की सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की धरती को नशामुक्त बनाने में सभी लोगों से सहयोग की अपील की। पंचायत की मुखिया ललिता देवी ने कहा कि नशापान के कारण लोगों को आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट-बाजार और मेलों में भी नशे के कारण शांति व्यवस्था प्रभावित होती है और सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि नशा उन्मूलन के लिए ग्राम सभाओं को सशक्त बनाना होगा और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने नशे के खिलाफ शपथ ली और अभियान को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। जनचौपाल को सफल बनाने में पंचायत सचिव जस्टिन टोपनो, ग्राम प्रधान रामनाथ मुंडा, हरिनाथ मुंडा, नेचुरल लीडर्स सुखराम मुंडा, भागीरथ दादुल, सोमेश्वर धान और सीनी संस्था की रेणु टूटी, गौरामनी टूटी एवं सुषमा लकड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमशेदपुर के कॉलेज में छात्र लाया देसी कट्टा और कारतूस, वीडियो वायरल होने पर कार्रवाई शुरू

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के परसुडीह स्थित एक इंटर कॉलेज में 12वीं कक्षा के छात्रों से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। कॉलेज परिसर में एक छात्र द्वारा देसी कट्टा और जिंदा कारतूस लाने तथा उसे कक्षा में सहपाठियों को दिखाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कॉलेज प्रशासन ने जांच कर संबंधित छात्रों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना 19 जून की है। विज्ञान संकाय का एक छात्र अपने बैग में देसी कट्टा और जिंदा कारतूस लेकर कॉलेज पहुंचा था। कक्षा के दौरान उसने अपने कुछ साथियों को हथियार दिखाया। इसी दौरान एक छात्र ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद प्रारंभिक स्तर पर कॉलेज प्रशासन ने घटना से अनभिज्ञता जताई थी। हालांकि वीडियो की जांच और उसमें दिखाई दे रहे छात्रों की पहचान के बाद कॉलेज प्रबंधन ने मामले की जांच शुरू की। जांच में पुष्टि हुई कि वीडियो में दिख रहे छात्र उसी कॉलेज के विज्ञान संकाय के विद्यार्थी हैं। कॉलेज प्रबंधन ने घटना को सुरक्षा और अनुशासन के लिए गंभीर खतरा मानते हुए संबंधित छात्रों को निष्कासित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने, निगरानी बढ़ाने और अनुशासनात्मक नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया गया है। फिलहाल कॉलेज प्रशासन मामले में आगे की कार्रवाई कर रहा है और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

'नशामुक्त झारखंड' के संकल्प के साथ निकली जागरूकता मैराथन, युवाओं ने दिया स्वस्थ समाज का संदेश

एजेंसी। रांची

झारखंड सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से गुरुवार को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका से नशामुक्ति जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक और रचनात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां और बैनर लेकर नशे के खिलाफ संदेश दिया। पूरे मार्ग में "नशा छोड़ो, स्वस्थ जीवन अपनाओ", "युवा शक्ति देश की ताकत है", "नशामुक्त झारखंड हमारा संकल्प है" तथा "स्वस्थ युवा, समृद्ध समाज" जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार नशामुक्त झारखंड के निर्माण के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि नशा आज के समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी सामाजिक चुनौतियों में से एक बन चुका है, जो न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार और समाज की संरचना पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नशे के खिलाफ चेतावनी देना नहीं है, बल्कि युवाओं को खेल, शिक्षा, कला, संस्कृति और अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि जब युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाते हैं, तो वे स्वयं के साथ-साथ समाज और राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, "मोरहाबादी मैदान से शुरू हुई यह मैराथन केवल एक खेल गतिविधि नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संदेश देने वाला एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि नशा किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि कई नई समस्याओं की जड़ है। हमें मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जहां युवा स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर बन सकें।" मंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर खेलकूद, शिक्षा और कौशल विकास जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें तथा अपने मित्रों, परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी और जनसहयोग से राज्य को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त किया जा सकेगा। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्यभर में नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न जिलों में जागरूकता रैलियां, खेल प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्यशालाएं और जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इस अभियान का संदेश पहुंचाया जा सके। मैराथन के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई युवाओं ने इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त झारखंड के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया और समाज में जागरूकता फैलाने का वचन दिया।

भारत गौरव पर्यटक ट्रेन पांच जुलाई को चक्रधरपुर मंडल से गुजरेगी

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

भारतीय रेलवे श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने के उद्देश्य से विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेन "अयोध्या काशी पुण्य यात्रा विद बैद्यनाथ धाम" का संचालन करने जा रहा है। यह विशेष ट्रेन तेलंगाना के सिकंदराबाद से रवाना होकर श्रद्धालुओं को अयोध्या, काशी और बैद्यनाथ धाम सहित महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी। रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार यह विशेष पर्यटक ट्रेन 4 जुलाई 2026 को सिकंदराबाद से अपनी यात्रा शुरू करेगी और पांच जुलाई 2026 को दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल से होकर गुजरेगी। भारत गौरव पर्यटक ट्रेन योजना के तहत संचालित की जा रही इस विशेष ट्रेन में कुल 14 एलएचबी कोच लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके। यात्रा के अगले चरण में यह ट्रेन 6 जुलाई 2026 को रात 11:50 बजे हटिया स्टेशन पहुंचेगी और 11:55 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद ट्रेन रांची स्टेशन पर रात 12:10 बजे पहुंचेगी तथा 12:20 बजे वहां से आगे की यात्रा के लिए रवाना होगी। रेलवे की ओर से कहा है कि भारत गौरव पर्यटक ट्रेन पहल के माध्यम से यात्रियों और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और यादगार यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए वह लगातार प्रयासरत है। यह विशेष ट्रेन धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक सुगम रेल संपर्क प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह जानकारी दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी सह वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से बड़ी राहत; 2014 में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला रद्द

एजेंसी। रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर पुलिस स्टेशन में 2014 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर दर्ज FIR को रद्द कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के साथ ही लगभग एक दशक पुराना मामला खत्म हो गया है। इस मामले की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में हुई। मुख्यमंत्री की ओर से वकील दीपांकर पेश हुए। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, कोर्ट ने FIR नंबर 418/2014 को रद्द करने का आदेश दिया। गौरतलब है कि हाई कोर्ट ने पहले ही इस मामले में पश्चिमी सिंहभूम की निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने खिलाफ दर्ज FIR को रद्द करने और निचली अदालत में चल रही कार्यवाही को खत्म करने के लिए एक क्रिमिनल रिट याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि 2014 के विधानसभा चुनावों के दौरान, वे अपनी पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार करने गए थे। उन्होंने कहा कि उस दौरान उन्होंने किसी भी तरह से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था। याचिका में कोर्ट से FIR रद्द करने का आग्रह किया गया और तर्क दिया गया कि यह तथ्यों या कानून के अनुसार नहीं थी। आदित्यपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR में हेमंत सोरेन पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी आदेश की अवज्ञा) और धारा 506 (आपराधिक धमकी), साथ ही जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत आरोप लगाए गए थे। इन आरोपों के आधार पर मामले की न्यायिक कार्यवाही चल रही थी और पश्चिमी सिंहभूम की निचली अदालत में सुनवाई हो रही थी। सुनवाई के दौरान, मुख्यमंत्री की ओर से तर्क दिया गया कि FIR में लगाए गए आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं था और उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी नियम या आचार संहिता का उल्लंघन नहीं किया था। मामले के सभी तथ्यों और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद, हाई कोर्ट ने FIR रद्द करने का आदेश दिया।

पंचायत भवन के लिए दुलाल ने की उपायुक्त से स्थल परिवर्तन की मांग

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

छोटा गोविन्दपुर के विवेकनगर में निर्माणाधीन पंचायत भवन को लेकर नया विवाद सामने आया है। गुरुवार को झारखंड के पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर पंचायत भवन के निर्माण स्थल को बदलने की मांग की है। उन्होंने दावा किया है कि जिस जमीन पर पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है, उस भूमि को लेकर स्वामित्व विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है। दुलाल भुईयां की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि विवेकनगर निवासी उषा रानी दास 22 डिसमिल भूमि पर वर्षों से दावा करती रही हैं। उनके अनुसार उक्त जमीन की बंदोबस्ती पूर्व में अंचल अधिकारी, जमशेदपुर ने की थी और परिवार लंबे समय से उस भूमि का उपयोग करता आ रहा है। उन्होंने बताया कि जमीन से संबंधित टाइटल सूट वर्तमान में जमशेदपुर सिविल कोर्ट में लंबित है। ऐसे में न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने से पहले वहां सरकारी भवन का निर्माण कराया जाना उचित नहीं होगा। पूर्व मंत्री ने प्रशासन को सुझाव दिया है कि पंचायत भवन का निर्माण विवेकनगर के बजाय सैरेंगबेड़ा बस्ती, चांदनी चौक क्षेत्र में कराया जाए। उन्होंने कहा कि वहां पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है और स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित आम ग्रामीणों का भी समर्थन प्राप्त है। उनके मुताबिक उस स्थान पर पंचायत भवन बनने से ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिलेगी और भविष्य में विस्तार की भी संभावना बनी रहेगी।

झारखंड में मौसम का बदला मिजाज, रांची में झमाझम बारिश, कई जिलों में वज्रपात और लू का अलर्ट

एजेंसी। रांची

झारखंड में मौसम का मिजाज लगातार बदलता नजर आ रहा है। एक ओर राजधानी रांची सहित कई जिलों में गुरुवार को झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर राज्य के कुछ जिलों में लू चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने आगामी मौसम परिस्थितियों को देखते हुए अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों गढ़वा, पलामू और चतरा के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को लू चलने की आशंका है। इसे देखते हुए संबंधित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। वहीं राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष 20 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग ने विशेष रूप से किसानों, खुले क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों और पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश भी दर्ज की गई। इस अवधि में चाईबासा सबसे अधिक वर्षा वाला जिला रहा, जहां 50.3 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण कई इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। गुरुवार को राजधानी रांची में सुबह के समय मौसम सामान्य और आसमान साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद अचानक बादल छा गए। इसके बाद शहर और आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। बारिश के चलते सड़कों पर पानी जमा हो गया, वहीं लंबे समय से गर्मी और उमस से परेशान लोगों ने राहत महसूस की। शाम के समय मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम तापमान लातेहार में 22.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। प्रमुख शहरों के तापमान पर नजर डालें, तो रांची में अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहा। बोकारो में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं चाईबासा में अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के प्रभाव से राज्य में अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश, गरज के साथ बौछारें और वज्रपात की घटनाएं हो सकती हैं, जबकि उत्तर-पश्चिमी जिलों में गर्म हवाओं का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

बोकारो की लापता युवती मामले में हाई कोर्ट ने देखी डीएनए रिपोर्ट, राज्य सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

एजेंसी। रांची

बोकारो जिले की लापता 18 वर्षीय युवती से जुड़े बहुचर्चित मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने गुरुवार को महत्वपूर्ण सुनवाई करते हुए कोलकाता स्थित केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) से प्राप्त डीएनए जांच रिपोर्ट का अवलोकन किया। रिपोर्ट लापता युवती के माता-पिता के डीएनए नमूनों और जंगल से बरामद कंकाल के मिलान के आधार पर तैयार की गई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत डीएनए रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद अदालत ने उसे मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) को सौंप दिया। साथ ही विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट भी जांच अधिकारी को उपलब्ध कराते हुए मामले की जांच आगे बढ़ाने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को मामले में कथित लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। अदालत ने विभागीय कार्रवाई की वर्तमान स्थिति और प्रगति की जानकारी अगली सुनवाई में उपलब्ध कराने को कहा है। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनसेंट रोहित मार्की और शांतनु गुप्ता ने पक्ष रखा। मामले के अनुसंधानकर्ता और एसआईटी के सदस्य भी अदालत में उपस्थित रहे। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले के मुख्य आरोपित दिनेश महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच के दौरान जंगल क्षेत्र से बरामद कंकाल के संबंध में डीएनए परीक्षण कराया गया था, जिसकी रिपोर्ट अब न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई है। जांच एजेंसियां रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही हैं। अदालत को यह भी अवगत कराया गया कि मामले में गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद बोकारो के पुलिस अधीक्षक ने पिंडराजोड़ा थाना प्रभारी सहित 28 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इन पर जांच में उदासीनता और लापरवाही बरतने के आरोप हैं। उल्लेखनीय है कि लापता युवती की मां ने पुत्री की बरामदगी और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर की थी। युवती 31 जुलाई 2025 से लापता बताई गई थी। इस संबंध में पिंडराजोड़ा थाना में कांड संख्या 147/2025 दर्ज है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उच्च न्यायालय लगातार इसकी निगरानी कर रहा है। डीएनए रिपोर्ट और एसआईटी जांच की प्रगति के बाद मामले में कई महत्वपूर्ण तथ्यों के सामने आने की संभावना जताई जा रही है। वहीं पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अदालत ने राज्य सरकार और जांच एजेंसियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(लापता सुषमा कुमारी, उम्र–13 वर्ष)

डंडई थाना कांड सं0–14/22 दिनांक–19.02.2022 में लापता सुषमा कुमारी, उम्र –13 वर्ष, पिता–जिमेदार राम, सा0–बालेखांड़, थाना–डंडई, जिला–गढ़वा राज्य–झारखण्ड का रहने वाली है जो दिनांक–07.02.2022 को अपने घर से बिना कुछ बताये कहीं चली गई है, जो अबतक घर वापस नहीं आयी है। उक्त लापता बच्ची का काफी खोजबीन किया गया परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता लड़की कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

लापता का विवरण/हुलिया :–

1.नाम–सुशमा कुमारी, लम्बाई–05 फीट 02 इंच, रंग–गोरा,

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 383317 (Police)26-27*D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

कमर्शियल बिल्डिंग की 9वीं मंजिल पर आग लगने से अफरा-तफरी

नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में एक कमर्शियल बिल्डिंग की 9वीं मंजिल पर आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी. इसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब आधा दर्जन गाड़ियां पहुंची. उन्होने कड़ी मशक्कत के बाद हालात पर काबू पाया. दरअसल बिल्डिंग की ऊंचाई ज्यादा होने के चलते फायर कर्मियों ने हाइड्रोलिक मशीन का इस्तेमाल किया.फायर विभाग को सूचना मिली कि ऑफिस के अंदर कुछ लोगों फंसे हुए हैं. आग बुझने पर पता चला कि ऑफिस में कोई नहीं था, इस घटना में चीफ फायर अधिकारी का कहना है कि किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है.चीफ फायर अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि आज गुरुवार को गोल्डन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पीछे ऑफिस में आग लगने की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए तीन फायर सर्विस यूनिट रवाना हुई, आग नौवीं मंजिल पर लगी थी. उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र बिसरख के गोल्डन आई टावर ॠ3 टैग जॉन 4 में 9ह्लद्ध फ्लोर पर बने ऑफिस में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई थी, जिसको फायर सर्विस की मदद से बुझा दिया गया है. फायर सर्विस की पांच यूनिट मौके पर भेजी गई थी. आग शॉर्ट सर्किट के कारण बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर लगी.. कोई जनहानि नहीं हुई है.

दामाद के भाई ने समधन को बनाया हवस का शिकार

कानपुर, एजेंसी। कल्याणपुर में दामाद के भाई ने शादी की खरीदारी के बहाने समधन को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करता रहा। दो माह से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में छोटे भाई की होने वाली सास से दुष्कर्म करने के आरोप में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने कपड़े खरीदने के बहाने कमरे पर बुलाकर नशीला पदार्थ पिलाया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद से अश्लील वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर महिला का शारीरिक शोषण कर रहा था। कल्याणपुर निवासी महिला के मुताबिक, बीते 24 अप्रैल को बेटी की शादी थी। उससे सात दिन पहले होने वाले दामाद के बड़े भाई ने फोन कर उन्हें कल्याणपुर स्थित आवास विकास के अपने कमरे पर बुलाया था। उसने कहा था कि शादी में पहनने के लिए कपड़े खरीदने हैं, इसलिए वह कमरे पर आ जाएं। आरोप है कि कमरे पर पहुंचने के बाद उन्हें कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दी, जिसमें नशीला पदार्थ मिला हुआ था। कोल्ड ड्रिंक पीने के कुछ देर बाद वह बेहोश हो गईं।

वाराणसी एयरपोर्ट पर 'हब एंड स्पोक' विमान सेवा की शुरुआत

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर बृहस्पतिवार को 'हब एंड स्पोक' विमान सेवा की शुरुआत हुई। इस दौरान मंत्री ने कहा कि यहां की हवा, पानी, धरती और मिट्टी के हर कण में शंकर की शक्ति नजर आती है। यह हम सबके लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर बृहस्पतिवार को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने 'हब एंड स्पोक' विमान सेवा का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने चार यात्रियों को बोर्डिंग पास दिया। उत्तर प्रदेश के मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष विपिन कुमार की उपस्थिति में एक विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के अपर सचिव पुनीत कंसल और मंडलायुक्त वाराणसी एस. राजलिंगम भी इस अवसर पर मौजूद रहे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि यहां की हवा, पानी, धरती और मिट्टी के हर कण में शंकर की शक्ति नजर आती है। यह हम सबके लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। आज का यह विशेष कार्यक्रम वाराणसी से शुरू होकर भारत में इतिहास रचने वाला है। इसके लिए सभी को आनंद और गौरव की अनुभूति हो रही है।

पंजाब में उपराष्ट्रपति से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, शिक्षा

छात्र हित और राष्ट्र निर्माण पर हुई चर्चा

जालंधर, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, उच्च शिक्षा से जुड़े समसामयिक विषयों और छात्र हितों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति को संगठन के विभिन्न राष्ट्रीय अभियानों, छात्र कल्याण कार्यक्रमों और पंजाब विश्वविद्यालय से जुड़े अहम मुद्दों से अवगत कराया। छात्र प्रतिनिधित्व, छात्रावास सुविधाओं के विस्तार, शिक्षकों की नियमित नियुक्ति और आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा केंद्र स्थापित करने जैसे विषय प्रमुखता से उठाए गए। इसके अलावा युवाओं में बढ़ती डिजिटल निर्भरता, महिला सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अभियानों पर भी चर्चा की गई। यह उपराष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद एबीवीपी प्रतिनिधिमंडल की पहली औपचारिक मुलाकात थी। आपको बता दें कि इस प्रतिनिधिमंडल में अभाविप राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. रघुराज किशोर तिवारी तथा राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी शामिल थे। उपराष्ट्रपति का दायित्व ग्रहण करने के पश्चात अभाविप प्रतिनिधिमंडल की यह प्रथम औपचारिक भेंट थी। जिसमें चर्चा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अभाविप के संगठनात्मक विस्तार, विद्यार्थी हितों के लिए चलाए जा रहे आंदोलनों तथा राष्ट्र जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों की रचनात्मक सहभागिता पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति को बताया कि विद्यार्थी परिषद द्वारा संचालित स्टूडेंट्स एक्सपीरियंस इन इंटरस्टेट लिविंग कार्यक्रम

अपने 60 वर्ष पूर्ण कर रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) संगठन का कहना है कि छह दशकों से संचालित यह अभियान देश के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर पूर्वोत्तर एवं शेष भारत के विद्यार्थियों के मध्य भावनात्मक एकात्मता, सांस्कृतिक संवाद तथा राष्ट्रीय समरसता को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने यहां युवाओं के मध्य बढ़ती डिजिटल निर्भरता की चुनौती का उल्लेख भी किया। अभाविप के 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम' अभियान की जानकारी उपराष्ट्रपति के साथ साझा की गई। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को मोबाइल एवं स्क्रीन आधारित जीवनशैली से बाहर निकालकर खेल, शारीरिक गतिविधियों, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं रचनात्मक सहभागिता की ओर प्रेरित करना है। इस दौरान आगामी समय में आयोजित होने वाले विभिन्न राष्ट्रीय अभियानों एवं कार्यक्रमों की जानकारी भी उपराष्ट्रपति को दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष, संत रविदास जी के 650वें प्राकट्योत्सव वर्ष तथा वीरांगना रानी अबक्का के अद्वितीय योगदान पर केंद्रित देशव्यापी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। साथ ही, महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के क्षेत्र में अभाविप के प्रमुख अभियान 'मिशन साहसी' के अंतर्गत अब तक 10 लाख से अधिक छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की जानकारी दी।

धर्म परिवर्तन पर बड़ा बवाल, 26 ईसाई परिवारों को घर छोड़ने के लिए किया मजबूर

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के एक गांव में तनाव की स्थिति बन गई है। यहां धर्म परिवर्तन से जुड़े एक विवाद में 26 ईसाई परिवारों को गांव

छोड़ने के लिए कहा गया है। इस अल्टीमेटम के बाद गांव में तनाव बढ़ गया और सूचना मिलने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि, बातचीत के बाद मामले को शांत कर लिया गया है और 26 ईसाई परिवारों को गांव में उनके घरों पर लौटा दिया गया है।

क्या था मामला

2025 के दिसंबर महीने का है। यहां दो गुटों के बीच विवाद चल रहा था। 9 जून को दोनों गुटों के बीच झड़प हो गई। झड़प के बाद विवाद और बढ़ गया। ईसाई परिवारों ने आरोप लगाया कि उनके धर्म के कारण उनका बहिष्कार किया जा रहा है और उन्हें निशाना बनाया जा रहा है, जबकि आदिवासी परिवारों ने आरोप लगाया कि धर्म परिवर्तन के कारण उनके पारंपरिक रीति-रिवाजों, सामाजिक प्रथाओं और सामुदायिक संस्थाओं पर असर पड़ रहा है।

नारायणपुर के गांव में तनाव तब शुरू हुआ, जब गांव की एक बैठक में गांव के लोगों ने धार्मिक गतिविधियों और प्रार्थना करने का आरोप लगाया और ईसाई परिवारों को छोड़ने की मांग की। इस मामले पर बात करते हुए एसआई सुशील नायक ने बताया कि देर रात बातचीत के बाद समझौता हो गया। लेकिन बस्ती के भीतर कोई भी धार्मिक गतिविधि नहीं कर सकते। इसमें घर पर प्रार्थना या अंतिम संस्कार नहीं कर सकेंगे। गांव वालों ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने ईसाई धर्म अपनाया है, उन्हें एक महीने के भीतर अपने मूल धर्म में वापस आ जाना चाहिए। पुलिस ने बताया कि गांव से अभी तक किसी तरह की हिंसा का मामला सामने नहीं आया है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया है।

हिमाचल सरकार तैयार कर रही युवाओं की टास्क फोर्स, मॉनसून से पहले दी जाएगी जरूरी ट्रेनिंग

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में राहत एवं बचाव व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की जा रही हैं। शिमला के ढली स्थित एपीएमसी भवन में एनडीआरएफस्र की टीमों को रखा जाएगा, जबकि एसडीआरएफ की टीमें प्रदेश के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात रहेंगी। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून के आने से पहले राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की तैयारियां तेज कर दी हैं। पिछले कुछ वर्षों में भूस्खलन, बादल फटने और फ्लैश फ्लड जैसी घटनाओं से हुए भारी नुकसान को देखते हुए अब सरकार पंचायत स्तर पर

'आपदा मित्र' तैनात करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत युवाओं को प्रशिक्षित कर इस स्थानीय टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जिससे किसी भी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया जा सके। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आपदा मित्रों की ट्रेनिंग शुरू कर दी गई है और इन्हें आपदा के दौरान लोगों की मदद, प्राथमिक राहत, बचाव कार्य और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि हर पंचायत में ऐसे प्रशिक्षित स्वयंसेवक उपलब्ध हों, जो किसी भी संकट की स्थिति में शुरुआती घंटों में प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि पंचायत घरों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जरूरी उपकरण रखने की तैयारी भी की जा रही है। इसके अलावा आपदा मित्रों को भी आवश्यक सुरक्षा और रेस्क्यू उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे।

नोएडा-गाजियाबाद में कहां-कहां चल सकता है बुलडोजर, कोर्ट के आदेश से हजारों मकानों पर खतरा

नोएडा, एजेंसी। यमुना डूब क्षेत्र में बसी आबादी को हटाने को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद ना सिर्फ दिल्ली की 91 कॉलोनियों के लोगों की चिंता बढ़ गई है, बल्कि नोएडा और गाजियाबाद में भी हजारों मकानों पर बुलडोजर वाला खतरा मंडराने लगा है। गाजियाबाद में 16 गांव यमुना और हिंडन के किनारे अवैध रूप से बसाए गए हैं तो नोएडा में करीब 5 हजार फार्म हाउस डूब क्षेत्र में बन चुके हैं। इसके अलावा कई गांव भी किनारे पर हैं।

यमुना और हिंडन नदी के किनारे अवैध निर्माण व अतिक्रमण के कारण करीब 16 गांवों के लोगों को मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। यमुना और हिंडन के किनारे बने अवैध निर्माण की जल्द सूची तैयार होगी। इतना ही नहीं इन पर कार्रवाई भी संभव है। हिंडन में हिंडन और यमुना नदी निकलती हैं। हिंडन गाजियाबाद से होते हुए गौतमबुद्धनगर के बाद यमुना में मिल जाती है। वहीं, यमुना नदी लोनी क्षेत्र से निकलते हुए दिल्ली में प्रवेश करती हैं। दोनों की नदियों के किनारे डूब क्षेत्र घोषित किया गया है। गाजियाबाद में हिंडन के किनारे करीब 14 गांवों में इसके डूब क्षेत्र में अतिक्रमण कर लिया है। इसमें पक्का निर्माण तक कर लिया गया है। इससे हिंडन नदी का डूब क्षेत्र समाप्त हो गया है। पिछले दो साल पहले हिंडन में आई बाढ़ के कारण कई गांव इससे प्रभावित हुए थे। हर बार बरसात के समय बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। एनजीटी पहले ही डूब क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाने के आदेश जारी कर चुका है। वहीं, सिंचाई विभाग भी डूब क्षेत्र में अतिक्रमण कर निर्माण करने वालों को कई बार चेतावनी दे चुका है। यही हाल लोनी क्षेत्र में यमुना पुश्ते के पास भी है। यहां भी दो गांवों में पुश्ते के किनारे अवैध निर्माण और अवैध कालोनियों काट दी गई है।

यूपी के महाराजगंज में तेंदुए की दहशत ! कहीं युवक पर हमला, कहीं गांव में घुसा

महाराजगंज, एजेंसी। यूपी के महाराजगंज में तेंदुए की दहशत बढ़ती जा रही है। तेंदुए के हमले में अब एक कारोबारी घायल हो गया। अलग-अलग इलाकों में तेंदुए के आने से दहशत फैली हुई है। निचलौल रेंज के चरभरिया चौराहे पर बुधवार की रात आठ बजे दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे युवकों पर एक तेंदुए ने हमला कर दिया। इस दौरान एक युवक के पैर में गंभीर चोट आई। उसके साथी तथा वहां पहुंचे एक अन्य युवक ने शोर मचाया तो तेंदुआ जंगल में चला गया। दोनों ने घायल युवक को बाइक से ही निचलौल सीएचसी पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है।

कलनही खुर्द निवासी किशन साहनी की डोमा चौराहे पर दुकान है। बुधवार की रात में तकरीबन 8 बजे किशन ने दुकान बंद कर दी। उसके गांव का ही सूरज मद्धेशिया दुकान पर पहुंचा था। किशन ने उसे बाइक पर बैठा लिया और दोनों घर के लिए चल दिए। बाइक लेकर दोनों जेसे ही चरभरिया चौराहे के आगे पहुंचे, जंगल से निकले तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। तेंदुए के हमले में किशन का दायां पैर जख्मी हो गया। बाइक पर पीछे बैठा सूरज कूद गया। जिस समय तेंदुए ने हमला किया ठीक उसी समय अजय राजभर भी बाइक से पहुंच गया।

अजय और सूरज के शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की तरफ चला गया। अजय और सूरज ने घायल किशन को बाइक पर बैठाया और निचलौल सीएचसी पर पहुंचाया जहां उसका इलाज रहा है। इस मामले में रेंजर निचलौल सुनील राव ने बताया कि जंगल से सटे गांवों के लोगों

को जंगली जानवरों से सचेत रहने की जरूरत है। अंधेरे में जानवरों द्वारा हमला किए जाने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में बचाव करना नितांत जरूरी है। सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के निचलौल रेंज के रामचन्द्रही गांव में मंगलवार की रात में अचानक एक तेंदुआ चला आया। इससे ग्रामीण भयभीत हो गए। ग्रामीणों ने इकट्ठा होकर शोर मचाया तब तेंदुआ फिर वापस जंगल की तरफ चला गया। इस गांव में दो सप्ताह पहले भी एक तेंदुआ जंगल से भटक कर चला आया था और बकरी का शिकार कर लिया। इससे अभी ग्रामीण डरे हुए थे कि इसी बीच रात में गांव के पश्चिम से एक तेंदुआ फिर बिट्टू पटेल के घर के पास दिखाई दिया। इसके बाद ग्रामीण इकट्ठा हो गए और शोर मचाने लगे।

हाईवे और ट्रक की सीधी टक्कर में चालक की मौत दो घायल रोड जाम

पटना, एजेंसी। पटना हरिहरगंज एनएच 139 पर ओबरा थाना क्षेत्र के कारा मोड के अतरौली गांव के समीप हाईवा व ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में चालक की मौत मौत हो गई, जबकि एक अन्य चालक और सह चालक गंभीर रूप से घायल है। घायलों को प्रथमित उपचार के बाद रेफर किया गया है। घटना गुरुवार अगले सुबह की है।घायलों की पहचान

मृतक की पहचान झारखंड राज्य के चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के दाहा गांव निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायलों में इसी गाँव का सहचालक सचित कुमार और चालक झारखंड राज्य के पलामू जिले के छतरपुर निवासी मनोज कुमार यादव शामिल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार की अहले सुबह एक ट्रक और हाइवा की आमने सामने हुई टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियां के परखच्चे उड़ गए और एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा चालक और सह चालक गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद वाहनों का मलबा हटाने का काम शुरू हुआ। घटना के बाद एनएच 139 पूरी तरह से जाम हो गया और दोनों ओर वाहनों को लंबी कतरे लग गई। इससे पटना आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। पुलिस जाम छुड़ाने में परेशान रही।

अयोध्या राममंदिर: एसआईटी को मिलीं कई बड़ी खामियां, सेंध सिर्फ चढ़ावे में नहीं पूरी व्यवस्था में लगी

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर चल रही विशेष जांच दल की पड़ताल में कई गंभीर खामियां सामने आने की बात कही जा रही है। जांच में दानपेटियों से धनराशि निकालने से लेकर बैंक में जमा कराने तक की प्रक्रिया, कीमती धातुओं के रिकॉर्ड, खरीद-फरोख्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। एसआईटी की प्रारंभिक जांच में जिन प्रमुख बिंदुओं को चिन्हित किया गया है, उनमें सबसे बड़ी चिंता दानपेटियों से नकदी निकालने, उसे कार्यालय तक ले जाने, गिनती करने और बैंक में जमा कराने की पूरी प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था का अभाव बताया गया है।

जांच में यह भी सामने आया कि दानपेटियों में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने, चांदी और अन्य बहुमूल्य धातुओं का समुचित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला। इससे चढ़ावे के प्रबंधन और लेखा-जोखा की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इसके अलावा मंदिर सुरक्षा कर्मियों के टेंडर और अन्य सामग्रियों की खरीद प्रक्रिया में भी पारदर्शी व्यवस्था का पालन नहीं किए जाने की बात सामने आई है। जांच दल ने खरीद संबंधी प्रक्रियाओं और दस्तावेजों की भी समीक्षा की है। रिपोर्ट के आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि कुछ जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा अपने करीबी लोगों और रिश्तेदारों को नियुक्तियां दिए जाने के मामले की जांच की गई। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

एसआईटी की जांच में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज का बैकअप केवल 45 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जा रहा था, जबकि मानकों के अनुसार इसे अधिक समय तक संरक्षित किया जाना चाहिए। साथ ही पुराने डिजिटल साक्ष्यों के अलग से सुरक्षित संरक्षण

की व्यवस्था भी नहीं पाई गई। इन निष्कर्षों के सामने आने के बाद राम मंदिर में चढ़ावे की व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लेकर बहस तेज हो गई है। अब सभी की निगाहें एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट के सार्वजनिक किए जाने के बाद उसके आधार पर होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं। राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के बाद तैयार की गई रिपोर्ट में मंदिर प्रबंधन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सिफारिशों का दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट में ट्रस्ट के पुनर्गठन, प्रशासनिक निगरानी बढ़ाने और चढ़ावे की गणना प्रक्रिया को सुदृढ़ करने, दानपात्रों में सोना चांदी की गणना पर विशेष जोर दिया गया है। सोशल मीडिया पर किए गए दावों की मानें तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाना चाहिए तथा सभी सदस्यों की जिम्मेदारियां स्पष्ट और समान रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। इसके साथ ही ट्रस्ट में किसी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की सिफारिशों के संकेत मिल रहे हैं। ताकि कार्यों की बेहतर निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। यह भी कहा जा रहा है कि मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) को और अधिक समय दिया जाना चाहिए। मंदिर प्रबंधन में पेशेवर कार्यप्रणाली अपनाने तथा वित्तीय प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की भी सलाह दी गई है। चढ़ावे की गणना व्यवस्था को लेकर भी कई सुझाव दिए जाने की बात कही जा रही है। इसके तहत दानराशि की गणना का साप्ताहिक ऑडिट कराने और प्रतिदिन मंदिर में चढ़ावे के रूप में आने वाली नकदी की नियमित एंट्री सुनिश्चित करने की बात कही गई है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहे गंभीर सवाल

सवाल यह है कि शाहदरा स्टेशन पर हत्या की वारदात के दौरान अगर वहां कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर सुरक्षा प्रबंधों में ही लापरवाही बरती जाएगी, तो अपराध पर अंकुश कैसे लग पाएगा। देश में मामूली कहासुनी और छोटी-छोटी बातों पर हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। कई बार विवाद इतना बढ़ जाता है कि हत्या की वारदात को अंजाम देने से भी गुरेज नहीं किया जाता ।हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर एक यात्री की ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुए विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। हैरत इस बात की है कि वहां मौजूद अन्य लोग बीच-बचाव करने के बजाय मूक दर्शक बने रहे। न केवल लोगों में पनप रही आपराधिक मानसिकता, बल्कि समाज में मौन रहकर अपराध को होते हुए देखने की बढ़ती प्रवृत्ति भी गंभीर चिंता का विषय है। इस घटना से सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अगर रेलवे स्टेशन पर ही सरेआम किसी की हत्या कर दी जाती है, तो सड़कों पर सुरक्षा की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। सरकार और रेलवे प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। गौरतलब है कि शाहदरा रेलवे स्टेशन पर बीते शनिवार को एक यात्री का कुछ लोगों से उस वक्त विवाद हो गया, जब वह ट्रेन में चढ़ रहा था। कहा-सुनी के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने उस व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसे संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि रेलवे स्टेशन पर लोगों की भीड़ होने के बावजूद कोई भी उस व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आया और आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए। इस घटना के बाद रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इस वारदात के दौरान स्टेशन पर क्या कोई सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं था, यह भी जांच का विषय है। इसमें दोराय नहीं कि रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की खासी भीड़ होती है और कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वहां सुरक्षाकर्मी तैनात होते हैं। मगर सवाल यह है कि शाहदरा स्टेशन पर हत्या की वारदात के दौरान अगर वहां कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर सुरक्षा प्रबंधों में ही लापरवाही बरती जाएगी, तो अपराध पर अंकुश कैसे लग पाएगा।

सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहे गंभीर सवाल

सवाल यह है कि शाहदरा स्टेशन पर हत्या की वारदात के दौरान अगर वहां कोई सुरक्षा कर्मी मौजूद नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर सुरक्षा प्रबंधों में ही लापरवाही बरती जाएगी, तो अपराध पर अंकुश कैसे लग पाएगा ।देश में मामूली कहासुनी और छोटी-छोटी बातों पर हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। कई बार विवाद इतना बढ़ जाता है कि हत्या की वारदात को अंजाम देने से भी गुरेज नहीं किया जाता। हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर एक यात्री की ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुए विवाद में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। हैरत इस बात की है कि वहां मौजूद अन्य लोग बीच-बचाव करने के बजाय मूक दर्शक बने रहे। न केवल लोगों में पनप रही आपराधिक मानसिकता, बल्कि समाज में मौन रहकर अपराध को होते हुए देखने की बढ़ती प्रवृत्ति भी गंभीर चिंता का विषय है। इस घटना से सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अगर रेलवे स्टेशन पर ही सरेआम किसी की हत्या कर दी जाती है, तो सड़कों पर सुरक्षा की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। सरकार और रेलवे प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। गौरतलब है कि शाहदरा रेलवे स्टेशन पर बीते शनिवार को एक यात्री का कुछ लोगों से उस वक्त विवाद हो गया, जब वह ट्रेन में चढ़ रहा था। कहा-सुनी के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने उस व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसे संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि रेलवे स्टेशन पर लोगों की भीड़ होने के बावजूद कोई भी उस व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आया और आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गए। इस घटना के बाद रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

फिलहाल भारत में अल-नीनो को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसने पूरे यूरोप को बुरी तरह से प्रभावित किया और अब भारत पर इसका व्यापक असर पड़ने की संभावना है। इससे पैदा होने वाली खतरनाक स्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता। इससे निपटने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। भारतीय उपमहाद्वीप में ज्यादातर आबादी अब भी खेती-किसानी पर निर्भर है, जो मानसून के लिए टकटकी लगाए रहती है।

अल-नीनो से उभरी चुनौतियों को समझना जरूरी है

(ऋतुपर्ण दवे)

अल-नीनो एक प्राकृतिक और मौसमी जलवायु चक्र है। इससे मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से काफी अधिक हो जाता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म होने पर अभी अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं। इससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। भारत में भी इसका असर साफ दिख रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों ने जहां पहले ही चिंता बढ़ा रखी है, वहीं अब एक नई प्राकृतिक आपदा मुंह बाए खड़ी है। यह है अल-नीनो, जिसने प्रशांत महासागर में दस्तक दे दी है। इसका असर देश भर में मानसून पर पड़ना तय माना जा रहा है। इतना ही नहीं अल-नीनो का प्रभाव मानसून के बाद भी जारी रहने की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। इसके सितंबर तक बने रहने की स्थिति ने कृषि क्षेत्र और पेयजल की उपलब्धता पर गंभीर संकट के संकेत दे दिए हैं। अमेरिकी मौसम एजंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमास्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' के अनुसार, यह जून से जुलाई के दौरान दस्तक देने वाला है। इस बार प्रशांत महासागर का तापमान मई में ही सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा हो गया। भू-मध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज होना बताता है कि आगे यह स्थिति और बिगड़ सकती है। भारतीय मौसम विभाग भी मानता है कि अल-नीनो का सीधा असर मानसून में होने वाली बारिश पर पड़ेगा यानी बारिश कम होगी। जाहिर है कि देश में सूखे की संभावना बढ़ेगी। सामान्य हालात में प्रशांत महासागर क्षेत्र में चलने वाली तेज हवाएं गर्म पानी को एशिया और आस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं, जिससे भारत में अच्छी वर्षा होती है। मगर जब अल-नीनो का प्रभाव रहता है, तो ये हवाएं कमजोर हो जाती हैं, जिससे मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में पेरू के तट के पास का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इससे वैश्विक बारिश चक्र में भारी उथल-पुथल होती है। समुद्र की इस गर्मी को वायुमंडल में फैलने में थोड़ा समय लगता है जिसका प्रभाव दूसरे वर्ष के तापमान में वृद्धि के रूप में सामने आता है। अल-नीनो एक प्राकृतिक और मौसमी जलवायु चक्र है। इससे मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से काफी अधिक हो जाता है। अमूमन यह घटना हर दो साल में घटित होती है और इसका असर दुनिया भर के मौसम, तापमान और बारिश पर पड़ता है। भारत में कम वर्षा होने से सूखे जैसे हालात फिर बन सकते हैं। इस बार इसे सुपर अल-नीनो कहा जा रहा है। इसका असर इस साल के आखिर तक रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि जुलाई, अगस्त और सितंबर के प्रारंभ में भले ही इसका प्रभाव कम दिखे, लेकिन सितंबर जाते-जाते इसके ज्यादा शक्तिशाली होने की संभावना है। अल-नीनो शब्द स्पेनी भाषा का है। दक्षिण अमेरिकी मछुआरों का ध्यान सबसे पहले 1600 के दशक में, पेरू में उस घटना पर गया, जिसमें उन्होंने पाया कि प्रशांत महासागर में जल का तापमान आम तौर पर दिसंबर के आसपास कई बार बढ़ जाता है, जो कि क्रिसमस का समय होता है। इसी कारण इसे 'अल नीनो डी नविदाद' नाम दिया गया। इसे बाद में 'अल-नीनो' कहा जाने लगा। इसी तरह एक घटना ला-नीनो भी होती है, जो इसके उलट होती है। ये अल-नीनो चक्र की विपरीत अवस्था होती हैं। ला-नीनो की शीत अवस्था होती है, यह पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के असामान्य शीतलन को दर्शाता है। फिलहाल भारत में अल-नीनो को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसने पूरे यूरोप को बुरी तरह से प्रभावित किया और अब भारत पर इसका व्यापक असर पड़ने की संभावना है। इससे पैदा होने वाली खतरनाक स्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता। इससे निपटने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। भारतीय उपमहाद्वीप में ज्यादातर आबादी अब भी खेती-किसानी पर निर्भर है, जो मानसून के लिए टकटकी लगाए रहती है। भले ही सिंचाई के कितने साधन हो गए हों, लेकिन वर्षा जल और मानसून का अपना महत्त्व है। भारतीय मौसम विभाग वर्ष 2026 में अल-नीनो की वजह से मानसून के कमजोर रहने की आशंका पहले ही जता चुका है। आर्थिक जगत में भी विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इससे ग्रामीण अंचलों में सूखे जैसी स्थिति बन सकती है। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था को तो प्रभावित करेगा ही, साथ ही किसानों के लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। निश्चित रूप से वर्षा कम होने से धान, दाल, मक्का और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों की जहां बुआई प्रभावित होगी, वहीं उपज पर भी असर पड़ेगा। हाल में आई मौसम संबंधी रपट ने चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि जून से अगस्त के बीच अल-नीनो की घटना अस्सी फीसद होने की संभावना है। जबकि कम से कम नवंबर तक इसके बने रहने की संभावना नब्बे फीसद से भी ज्यादा है। थोड़ी राहत की बात यह है कि भारत में जलाशयों का जलस्तर सामान्य भंडारण के आसपास है और देश भर में सब्जियों की आवक के आंकड़े भी संतोषजनक हैं। मगर यह मौजूदा स्थिति है, भविष्य में ऐसी स्थिति बनी रहगी या नहीं, इस बारे में अभी से कुछ कह पाना मुश्किल है। निश्चित रूप से खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में अचानक और बार-बार बदलावों से महंगाई बढ़ेगी और इसका असर आम आदमी पर ही पड़ेगा। सरकार को अल-नीनो जैसी प्राकृतिक घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक एवं स्थायी रणनीति बननी चाहिए। इसके लिए वर्षा जल संग्रह को न केवल प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, बल्कि इसे अनिवार्य भी किया जाना चाहिए। यदि घर-घर वर्षा जल संचय यानी बारिश के पानी को बर्बाद होने से बचाने और उसे भविष्य के उपयोग के लिए जमा किया जाने लगे, तो काफी हद तक पानी की समस्या से निपटा जा सकता है। जब हमारे अपने कुएं, तालाब, पोखर और ट्यूबवेल भरे होंगे, तो कुछ वर्षों के अंतर से आने वाले अल-नीनो के असर से आसानी से निपटा जा सकता है। केवल सरकार पर निर्भर रहने से कुछ ज्यादा हासिल होने वाला नहीं, समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। देश में गर्मी के दस्तक देते ही विभिन्न राज्यों में पानी की किल्लत की तस्वीरें सामने आने लगती है। हर साल तो अल-नीनो आता नहीं, लेकिन भूजल संकट जरूर रहता है। ऐसे में सरकार को इस बाबत कानून बना कर घर-घर वर्षा जल संचय को अनिवार्य किए जाने जैसे कदम उठाने होंगे। बारिश कम होने से फसलों की बुआई और पैदावार पर सीधा असर पड़ता है। इससे धान, दाल, सोयाबीन, कपास और अन्य खरीफ की फसलें सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती हैं। वैसे भी बारिश की कमी से खेतों में नमी कम हो जाती है और इससे फसलें सही तरीके से विकसित नहीं हो पाती हैं। यह किसानों पर भी भारी पड़ता है, उन्हें सूखे के जोखिम के बावजूद सिंचाई के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ता है, जो उनकी आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त भार डालता है।

विदेशों ने ठुकराया भारतीय खाना, क्या अब अपनी थाली पर भी सवाल उठाने का समय है?

(अभिषेक कुमार सिंह)

जापान से लेकर यूरोप तक भारतीय खाद्य उत्पादों पर उठ रहे सवाल केवल निर्यात का मामला नहीं हैं। यह हमारी खाद्य सुरक्षा, नियामक व्यवस्था, उपभोक्ता स्वास्थ्य और वैश्विक विश्वसनीयता से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। जब जापान भारतीय आमों की खेप लौटा देता है, सीमा पर नेपाल ट्रकों को रोक देता है, चीन भारतीय चावल पर सवाल उठाता है और यूरोपीय संघ बार-बार भारतीय खाद्य उत्पादों में खतरनाक अवशेषों की मौजूदगी की चेतावनी देता है, तब यह मान लेना भूल होगी कि समस्या केवल निर्यात से जुड़े किसी पहलू की है। असल दिक्कत हमारी थाली, हमारे खेत, हमारे घर और हमारी नियामक व्यवस्था से जुड़ी है। दुनिया भारतीय खाद्य उत्पादों को खारिज कर रही है, तो उसके लिए विभिन्न देशों के खान-पान से जुड़े नियम जिम्मेदार हैं। ये घटनाएं साबित करती हैं कि विकसित देशों से लेकर नेपाल जैसे अपेक्षाकृत गरीब देश की सरकार को भी अपने नागरिकों की सेहत की चिंता है। यह सवाल हमारे लिए ज्यादा बड़ा होना चाहिए कि क्या हम खुद अपने भोजन और परिवेश की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं? भारत कृषि प्रधान देश है। हम इस पर गर्व भी करते हैं। अरसे से दुनिया भर के बाजारों और घरों में अपनी पैठ बना चुके भारतीय मसाले, चावल, चाय, फल और सब्जियां केवल व्यापारिक वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही हैं। सदियों पहले भारतीय मसालों ने यूरोपीय देशों को आकर्षित किया था। इस सांस्कृतिक पहचान का तकाजा था कि हमारे आम को फलों का राजा कहा गया और बासमती ने विश्व बाजार में अलग पहचान बनाई, लेकिन आज वही गुणवत्ता के सवालों से घिरे दिखाई दे रहे हैं। सही फैसला लेने की जगह विफलता छिपाने में लगा तंत्र हर बार जब ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो बहस दो ध्रुवों में बंट जाती है। एक पक्ष कहता है कि दूसरे देश भारतीय उत्पादों को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। दूसरा पक्ष इसे भारतीय व्यवस्था की विफलता बताता है। सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिस्पर्धा और राजनीति दोनों होती हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि यदि हमारे उत्पाद लगातार विभिन्न देशों की प्रयोगशालाओं में असफल पाए जा रहे हैं, तो समस्या की गंभीर जांच आवश्यक है। कई बार जिन रसायनों की मौजूदगी विदेशी एजेंसियां बताती हैं, वे ऐसे पदार्थ होते हैं जिन्हें दुनिया के अनेक देशों में खतरनाक माना जा चुका है। क्लोरपाइरीफॉस जैसे कीटनाशकों को कई देशों ने प्रतिबंधित कर दिया है। एथिलीन ऑक्साइड को कैंसरकारी माना जाता है। सीसा, पारा और कैडमियम जैसी भारी धातुएं मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं। यदि इनकी उपस्थिति हमारे खाद्य उत्पादों में बार-बार सामने आ रही है, तो यह केवल व्यापारिक नुकसान का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी सवाल है। भारत में खाद्य सुरक्षा की चर्चा अक्सर तभी तेज होती है, जब कोई देश आपत्ति उठाता है।

वर्ग पहेली 6133

1	2	3		4	5	■	6
7			■	8		9	
	■	10			■	11	
12	13		■	■	14		
■	15		16	■	17		■
18		■	19		■	20	21
■	22	23		■	24	■	
■	■		■	25			

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ में अपना पहला भाषण दिया (6)
7. सुगंध, खुशबू, महक (3)
8. नितांत, बिल्कुल (4)
10. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
11. नतीजा, परिणाम (2)
12. मेघ, घटा (3)
14. अत्यधिक घुंटा, कचूमर, चोखा (3)
15. नौका, आदेश पत्र (3)
17. लाकर उपस्थित करना, ले आना (2)
18. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
19. नेत्र, आंख, नयन (2)
20. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो एक तौला का बारहवां हिस्सा होती है (2)
22. मुग्ध होना, प्रसन्न होना (3)
25. सहानुभूति करने वाला, दुख-दर्द का साथी (4)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
3. किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्वहानि (5)
4. काबिल, योग्य (3)
5. भाग्य (अंग्रेजी)(2)
6. आसानी, सहजता, सुगमता (4)
9. संपूर्ण यात्रा का वृतांत (5)
13. आम का एक प्रकार (4)
14. नेक, शिष्ट, कल्याणकारी (2)
16. संगीत में ताल के अनुसार शरीर के अंगों को संचालित करना, नृत्य करना (3)
21. चेला, शिष्य, जॉय मुखर्जी, सायरा बानों, आई.एस.जौहर आदि की भूमिकाओं वाली सफल फिल्म (3)
23. तुरंत, जल्दी से (2)
24. आकाश, गगन, नभ, आसमान (2)

वर्ग पहेली 6132 का हल

अ	रू	ण	शौ	री	■	प	र्थ
मा	ह	■	क	ज	रा	रा	■
न	■	रे	■	न	त	■	वा
वी	र	■	सु	■	औ	ला	द
य	ज	मा	न	■	र	म	क
■	ब	न	ने	■	दि	■	■
य	■		■	म	न	मौ	जी
श	कु	नि	■	घा	■	का	जी

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6133

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6132

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

आज का राशिफल

मेष

आज धन के मामलों में तुरंत लाभ खोजने के बजाय लंबी अवधि की योजनाएं आपके लिए बहुत बेहतर काम करेंगी। अपनी निवेश की रणनीतियों की अच्छे से समीक्षा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर लें। आपका धीरज समय के साथ आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा।

वृष

आर्थिक रूप से आज आप अपने संयुक्त निवेश और परिवार से जुड़े खर्चों की समीक्षा करने के लिए प्रेरित हो सकते बजट में किया गया थोड़ा सा सुधार आने वाले हफ्तों में आपके आर्थिक जीवन को अधिक मजबूती दे सकता है। कार्यक्षेत्र में आज सहकर्मी और टीम के साथ मिलकर काम करना बहुत महत्वपूर्ण रहेगा। आपके साथी आपसे सलाह मांग सकते हैं।

मिथुन

आज आपके संयुक्त संसाधनों और साझा धन के समझौतों में बहुत अधिक सावधानी और समीक्षा की जरूरत है। लेनदेन में पूरी तरह स्पष्टता और सही कागजी काम रखना आपको भविष्य की गलतफहमियों से बचाएगा। बिना सोचे-समझकर धन का लेनदेन करने या उधार देने से बचें।

तुला

आज आर्थिक खर्चों में कटौती और लक्ष्यों के प्रति दृढ़ संकल्प ले। आज आप उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जहां से फालतू के खर्चों को कम किया जा सके। तुरंत लाभ खोजने के बजाय लंबी अवधि के धन निर्माण पर ध्यान लगाएं। भौतिक संपत्तियों से जुड़े निवेशों पर आज विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

वृश्चिक

आर्थिक स्थिति आज काफी अच्छी बनी हुई है। आपको अपने हुनर, बातचीत और कुछ छोटे साइड प्रोजेक्ट्स के माध्यम से लाभ मिल सकता है। जोखिम भरे कामों से पूरी तरह दूर रहें और सुरक्षित निवेश को प्राथमिकता दें। अपनी वित्तीय योजनाओं की अच्छे से समीक्षा करना आपको बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा। आज आपके आत्मविश्वास और कार्यक्षेत्र में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी।

धनु

आज आपकी ही राशि में बने हुए हैं। यह स्थिति ध्यानपूर्वक आर्थिक योजना बनाने में बहुत मददगार रहेगी। आपको अपनी बचत को सुधारने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। केवल उन्हीं चीजों की खरीदारी करें जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हों। धन के मामले में परिवार के साथ की गई बातचीत फायदेमंद रहेगी।

कर्क

साझेदारों और व्यापारिक सहयोगियों के साथ आज धन के मामलों पर की गई बातचीत बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकती है। भविष्य की स्थिरता को सुधारने में संयुक्त रूप से बनाई गई योजनाएं बहुत मदद करेंगी। महत्वपूर्ण लोगों से सलाह किए बिना कोई भी आर्थिक फैसला न लें। आपके संतुलित निर्णय अच्छे परिणाम लेकर आएंगे।

सिंह

आज आपका निरंतर किया जा रहा प्रयास धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार लेकर आएगा। बजट को व्यावहारिक रखने और धन का अनुशासित प्रबंधन करने पर ध्यान दें। आज किए गए छोटे-छोटे सुधार आने वाले समय में आपको बड़ा लाभ दे सकते हैं। जोखिम भरे कदमों के बजाय आपकी निरंतरता ही आपको धन के मामले में सुरक्षा देगी।

कन्या

आज धन लाभ के नए अवसर बनाने में मदद कर सकती है। अपने कौशल को आय के स्रोत में बदलने के तरीकों पर विचार करें। जोखिम भरे कामों से पूरी तरह दूरी बनाए रखना ही आज आपके लिए हितकर रहेगा। किसी भी अवसर का मूल्यांकन करते समय अपनी सूझबूझ पर भरोसा रखें।

मकर

आज नए लोगों से संपर्क बढ़ाना आज आपको धन से जुड़ी कुछ अच्छी सलाह दिला सकता है। मित्र या पेशेवर साथी कुछ अच्छे अवसर आपके सामने ला सकते हैं, जिनकी जांच करना फायदेमंद रहेगा। आपका आर्थिक अनुशासन लाभ को बढ़ाने में मदद करेगा। टीम के साथ मिलकर किए जाने वाले कार्यों और ग्रुप प्रोजेक्ट्स में आज आपको बहुत अच्छा सहयोग मिलेगा।

कुंभ

आज आपकी ही राशि में हो रहा है। यह स्थिति आपको अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को लेकर अधिक जागरूक बनाएगी। अपने बजट की फिर से समीक्षा करने के लिए आज का समय बहुत अनुकूल है। खर्चों की एक संतुलित योजना बनाना आज आपके लिए आसान रहेगा, जिससे आप भविष्य के मानसिक तनाव से पूरी तरह बचे रहेंगे। आपके पेशेवर जीवन और आपकी छवि पर आज सभी का ध्यान रहेगा।

मीन

आज आपके आर्थिक मामलों में बहुत अधिक धीरज रखने की आवश्यकता है। किसी भी तरह के अनावश्यक जोखिम या जल्दबाजी में पैसे खर्च करने से बचें। आपका सुरक्षित कदम आपके आर्थिक संतुलन को बनाए रखने में मदद करेगा और भविष्य की दिक्कतों को रोकेगा। आज आप शांत रहकर पर्दे के पीछे से काम करना ज्यादा पसंद कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

आज होगा वैभव का डेब्यू!

अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर बड़ा सस्पेंस

02 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगे भारत व आयरलैंड

लंदन, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इस सीरीज के साथ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। हालांकि, कप्तानी से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिलेगा। भारत-आयरलैंड के बीच पहला टी20 26 जून को और दूसरा टी20 28 जून को खेला जाएगा। दोनों मैच शाम छह बजे से शुरू होंगे।

वैभव सूर्यवंशी पर पूरे देशभर की टिकी हैं निगाहें...

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद हाल ही में श्रीलंका में हुई इंडिया-ए त्रिकोणीय सीरीज में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया। यही वजह है कि उनके भारतीय टीम में डेब्यू को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग-11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

किसकी जगह खेलेंगे

अगर सूर्यवंशी को मौका दिया जाता है तो भारत को अपनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, जबकि श्रेयस अय्यर के नंबर-चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। ऐसे में सूर्यवंशी के आने पर सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन में से केवल दो खिलाड़ियों के लिए ही जगह बच सकती है।इसका मतलब यह हो सकता है कि किसी मौजूदा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी स्थिति बदलनी पड़े या फिर प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़े। टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद ऐसा बदलाव कठोर लग सकता है, लेकिन टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा का स्तर यही दिखाता है। सूर्यकुमार यादव का कप्तानी और टीम दोनों से बाहर होना भी यह संकेत देता है कि चयनकर्ता कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजू सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को चोट के कारण दो बड़े झटके लगे हैं। स्ट्राइक बॉलर मैट हेनरी और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टीम से बाहर हो गए हैं।

टीम ने बताया कि पिछले हफ्ते ओवल में न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के दौरान 11 विकेट लेने वाले हेनरी को उस मैच के दौरान पिंडली (ष्ड्डद्य) में खिंचाव आ गया था और वे अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। ओवल में पहली पारी में अहम शतक लगाने वाले फिलिप्स साइड स्ट्रेन (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बाहर हो गए हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

साई सुदर्शन ने श्रीलंका-ए के खिलाफ शतक बनाया

गॉल। इंडिया-ए के ओपनर साई सुदर्शन ने गॉल में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट में शतक जड़ दिया। उन्होंने 19 चौके की मदद से 175 गेंद पर 132 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का नौवां शतक है।साई के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल और शेख रशीद क्रीज पर हैं। आयुष पांडे 25, देवदत्त पडिक्कल 12 और ऋतुराज गायकवाड ने 22 रन बनाए। इस समय पहले दिन का दूसरा सेशन चल रहा है। इस मैच से पहले तक साई सुदर्शन ने 40 फर्स्ट क्लास मैचों की 68 पारियों में 2672 रन बनाए थे। उन्होंने 8 शतक और 10 अर्धशतकों लगाए थे। उनका औसत 39.29 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर 213 रन रहा है।इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के दौरान उन्होंने कहा कि हम बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका-ए पर दबाव बनाना चाहते हैं। इंडिया-ए को साई सुदर्शन और आयुष पांडे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 गेंद में 78 रन जोड़े। इसके बाद साई ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा।

ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से रौंदा, नॉकआउट स्टेज में बनाई जगह

मियामी। ब्राजील ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने दो गोल दागे, जबकि मैथियस कुन्हा ने एक गोल किया। इस मुकाबले में नेमार की लंबे समय बाद ब्राजील की टीम में वापसी हुई। ब्राजील ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और स्कॉटलैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के छठे मिनट में ही ब्राजील ने 1-0 की बढ़त हासिल की। स्कॉटलैंड के डिफेंस

से हुई गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने शानदार गोल दागा। विनीसियस ने यह टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल दागा और वह इस गोल के साथ ही गोल्डन बूट की रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने किलियन एम्बाप्पे और एरलिंग हालैंड की बराबरी कर ली है। पहले गोल के बाद भी ब्राजील का दबदबा जारी रहा। विनीसियस ने एक और गोल किया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की जांच के बाद उसे फाउल करार देते हुए रद्द कर दिया गया। हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में विनीसियस ने हाथ आए मौके को भुनाया और ब्राजील को मैच में 2-0 से आगे कर दिया। ब्रूनो गिमाराइश के बेहतरीन क्रॉस पर विनीसियस ने शानदार हेडर मारते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया।

मैक्सिको ने रचा इतिहास

- पहली बार वर्ल्ड कप ग्रुप स्टेज में किया क्लीन स्वीप
- 22 साल के चावेज से 40 वर्षीय ओचोआ तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 साल के माटेओ शावेज के पहले वर्ल्ड कप गोल से लेकर 40 वर्षीय गुइलेर्मो ओचोआ के ऐतिहासिक छठे वर्ल्ड कप तक, मैक्सिको ने फीफा वर्ल्ड कप में इतिहास रच दिया। मैक्सिको ने चेक गणराज्य को 3-0 से हरा पहली बार टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में अपने तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया।

मैक्सिको फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट में पहले ही अपनी जगह पक्की कर चुका था। अब उसने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए शान से अगले दौर में कदम रखा। चेक गणराज्य केवल एक अंक ही हासिल कर पाया और वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गया।

पहले 2 जीत और एक ड्रॉ था सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ग्रुप स्टेज में मैक्सिको का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1986 और 2002 में रहा था, जब टीम ने 2 जीत और एक ड्रॉ हासिल किया था। दोनों विश्व कप में जैवियर एगुइरे शामिल थे। पहली बार खिलाड़ी के तौर पर और दूसरी बार मैक्सिको के कोच के रूप में। एगुइरे इस साल फिर टीम के कोच हैं और यह उनका राष्ट्रीय टीम के साथ तीसरा कार्यकाल है।

मैक्सिको ने 6 मिनट के भीतर दागे 2 गोल

माटेओ शावेज और जूलियन क्विनोनेस ने दूसरे हाफ की शुरुआत में 6 मिनट के अंतराल में गोल किये। अपना पहला विश्व कप खेल रहे शावेज ने 55वें मिनट में गोल किया। क्विनोनेस ने 61वें मिनट में गोल दागा। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल है। अल्वारो फिडाल्गो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मैक्सिको के खाते में एक गोल और जोड़ा।

11 मैच से अपराजित है मैक्सिको

भारतीय समयानुसार गुरुवार यानी 25 जून 2026 की सुबह यह स्टेडियम 80824 दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। एल ट्राइ (मैक्सिको की टीम का उपनाम) को एज्टेका स्टेडियम में केवल दो बार हार का सामना करना पड़ा है, जिनमें से उसे आखिरी हार छह सितंबर 2013 को होंडुरास के खिलाफ विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में मिली थी। पिछले नवंबर में पनामा के खिलाफ मैत्री मैच में मिली हार के बाद से मैक्सिको 11 मैचों में अपराजित रहा है।

समलैंगिक विरोधी नारों ने लगाया जीत पर दाग- मैक्सिको की जीत पर हालांकि प्रशंसकों द्वारा समलैंगिक विरोधी नारे लगाने से दाग लग गया। इस कारण पहले भी उसके फुटबॉल महासंघ पर जुर्माना और अन्य प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं।

अतीत और भविष्य दोनों की झलक

इस मैच में मैक्सिको के अतीत और भविष्य दोनों की झलक देखने को मिली। गिलबर्टो मोरा 17 साल की उम्र में विश्व कप में शुरुआती लाइनअप में जगह बनाने वाले मैक्सिको के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। दूसरी तरफ 40 वर्षीय गोलकीपर गुइलेर्मो 'मेमो' ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ छह विश्व कप में खेलने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए। ग्रुप ए का विजेता बन चुका मैक्सिको मंगलवार 30 जून को एज्टेका स्टेडियम में राउंड ऑफ-32 के मैच में एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलेगा जिसका अब तक निर्धारण नहीं हुआ है। मैक्सिको ने इस विशाल स्टेडियम में खेले गए नौ विश्व कप मुकाबलों में से एक भी मैच नहीं हारा है।

चीन को उसके घर में मात देने वाली भारतीय बेटियों को आनंद महिंद्रा का सलाम

'हमें ऐसी उपलब्धियां और चाहिए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की बेटियों ने रविवार 21 जून को हॉकी की फील्ड पर इतिहास रचा था और एफआईएच नेशंस कप जीता था। उसके बाद ट्रैक एंड फील्ड 4×100 मीटर रिले में भारतीय महिला टीम ने इतिहास रचा। श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना की चौकड़ी ने भारत को एशियन रिले चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल दिलाया। भारतीय महिला रिले टीम की इस जीत के बाद विख्यात उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी टीम की जमकर तारीफ की।

आनंद महिंद्रा ने अपने एक्स हैंडल पर महिला रिले टीम की जीत का वीडियो शेयर किया। उन्होंने टीम की सराहना करते हुए खास मैसेज लिखा और यह भी बताया कि वह बार-बार इस वीडियो को लूप पर देख रहे हैं। उनके मुताबिक चीन को चीन में हराकर गोल्ड जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारत ने एशियाई रिले चैंपियनशिप में इस चैंपियनशिप में 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए।

क्या बोले आनंद महिंद्रा

आनंद महिंद्रा ने भारतीय महिला रिले टीम की जीत का वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा,'एशियन रिले चैंपियनशिप में चीन के खिलाफ जीतन में जीत दर्ज करना बेहतरीन उपलब्धि।

4-100 मीटर रिले में श्रावणी, सुदेष्णा, स्नेहा और तमन्ना ने अपने टीम वर्क से पॉवर, स्पीड, ग्रेस और कमिटमेंट को दिखाया। मैं इस क्लिप (टीम की जीत के वीडियो) को बार-बार लूप में देख रहा हूं। हमें ऐसी और उपलब्धियां चाहिए हैं।'

भारतीय रिले टीम का सीजन बेस्ट प्रदर्शन- भारतीय रिले टीम ने इस चैंपियनशिप के फाइनल में 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। भारतीय टीम इस प्रदर्शन के साथ टॉप पर रही और गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद दूसरे स्थान पर रही चीन की टीम जिसने 44.09 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल जीता।

भारत के नाम एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज

मिक्स्ड 4म100 मीटर रिले में भारत को ब्रॉन्ज मेडल मिला। तमन्ना और स्नेहा ने अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव के साथ इस इवेंट में ब्रॉन्ज जीता था। इसके बाद मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक ने भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। इस चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ देश के नाम रजत पदक किया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

दाउदनगर विधि संघ के पूर्व अध्यक्ष राम अखिलेश ओझा का निधन

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। दाउदनगर विधि संघ के पूर्व अध्यक्ष राम अखिलेश ओझा का गुरुवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे गोह के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार पेट में दर्द की शिकायत होने पर परिजन उन्हें इलाज के लिए गया जी ले गए थे। इसी दौरान उन्हें हृदयाघात हुआ। परिजनों ने तत्काल गया जी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया,जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

शांति समिति की बैठक आयोजित

ओबरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। ओबरा प्रखंड के चातर गांव स्थित राजकीय मध्य विद्यालय (उर्दू) चातर के समीप गुरुवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार अश्विनी, अंचलाधिकारी भारतेंदु सिंह, रफीगंज थानाध्यक्ष शम्भू कुमार, एसआई मिथलेश कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, नगर अध्यक्ष संतोष कुमार साहू, पैक्स अध्यक्ष सह उप मुखिया ओमप्रकाश भारती उर्फ गुड्डू यादव सहित चातर गांव के ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्राम चातर में भगवान वीर कुंवर बाबा के स्थान पर स्थापित प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला था। प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की, जिस पर ग्रामीणों ने अपनी सहमति व्यक्त की। ग्रामीणों ने घटना में शामिल अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

सीएचसी में रोगी कल्याण समिति की बैठक

ओबरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। ओबरा प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को रोगी कल्याण समिति शासी निकाय की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूनिस सलीम ने की, जबकि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विक्रम सिंह ने इसका संचालन किया। प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक विकास शंकर बैठक में संयोजक के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के प्रमाणीकरण को लेकर भी सदस्यों के बीच विचार-विमर्श हुआ।

ओबरा थाना क्षेत्र के कारामोड़-अतरौली मार्ग पर हादसा

हाईवा और ट्रक की टक्कर में चालक की मौत, दो घायल

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

ओबरा थाना क्षेत्र के कारामोड़-अतरौली मार्ग पर गुरुवार सुबह हाईवा और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे वाहन का चालक और एक उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात बाधित रहा, जिसे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सामान्य कराया। जानकारी के अनुसार कारामोड़-अतरौली मार्ग पर तेज रफ्तार हाईवा और ट्रक की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक वाहन के केबिन में फंस गया। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतक की पहचान झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डाहा गांव निवासी अजय कुमार (25) के रूप में हुई है। वहीं ट्रक का उपचालक संचित कुमार (28), निवासी डाहा गांव, गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी ओर हाईवा चालक मनोज कुमार यादव, निवासी छतरपुर, पलामू (झारखंड), भी हादसे में घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही ओबरा थानाध्यक्ष नीतीश कुमार, अपर थानाध्यक्ष कुणाल कुमार तथा एसआई सुशील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। इसके बाद दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर बाधित यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे का कारण माना जा रहा है।

एनएच-19 पर कंटेनर की टक्कर से देवर-भाभी समेत तीन घायल

- **शादी समारोह से लौटने के दौरान बारुण मोड़ के पास हादसा, पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लिया**

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

जिले के बारुण थाना क्षेत्र में एनएच-19 स्थित बारुण ब्लॉक मोड़ के समीप गुरुवार को तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार देवर-भाभी समेत तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बारुण रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की पहचान टंडवा थाना क्षेत्र के गजना बेला निवासी दीनानाथ राजवंशी के पुत्र बलराम कुमार (21), उनकी भाभी सरिता देवी तथा भतीजे अमरजीत कुमार के रूप में हुई है। तीनों एक ही बाइक से पिपरा गांव से अपने घर लौट रहे थे। घायल बलराम कुमार ने बताया कि सरिता देवी अपने पुत्र के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मायके गई थीं।

समारोह से लौटते समय बारुण ब्लॉक मोड़ के समीप तेज रफ्तार कंटेनर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक कंटेनर के अगले हिस्से में फंस गई और कुछ दूरी तक घिसटती चली गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। कंटेनर चालक सुशील कुमार, जो मध्य प्रदेश का निवासी है, ने बताया कि वह रुद्रपुर से वाराणसी जा रहा था। उसके साथ एक अन्य चालक भी मौजूद था। चालक का कहना है कि बाइक चालक ने अचानक लेन बदल दी, जिससे दुर्घटना हुई। बारुण थानाध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर तथा बाइक को कब्जे में ले लिया। घायलों का इलाज जारी है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

72वीं बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की तैयारियों की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलाधिकारी को दिए निर्देश
औरंगाबाद में 13 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के ठहरने की व्यवस्था

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 72वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर गुरुवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में औरंगाबाद से जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने परीक्षा के निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन के लिए सभी जिला पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा कार्य में लगी बायोमेट्रिक एजेंसी एवं जैमर एजेंसी के सभी कर्मियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुनिश्चित हो सके।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सभी जिला पदाधिकारी अपने-अपने जिले के केंद्राधीक्षकों के साथ पूर्व में बैठक एवं ब्रीफिंग आयोजित कर परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों से अवगत कराएं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के समय प्रत्येक अभ्यर्थी के पास सरकार द्वारा जारी वैध फोटो पहचान पत्र उपलब्ध हो। बैठक में अभ्यर्थियों के आवासन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सभी जिला पदाधिकारी 30 जून 2026 तक अपने-अपने जिले में उपलब्ध आवासन क्षमता की अद्यतन सूची राज्य मुख्यालय को उपलब्ध कराएं। इस क्रम में औरंगाबाद जिला प्रशासन ने 13 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध आवासन क्षमता की सूची राज्य मुख्यालय को भेज दी है। उल्लेखनीय है कि बिहार लोक सेवा आयोग की 72वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 26 जुलाई 2026 को आयोजित होगी। परीक्षा के सफल, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए औरंगाबाद जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां तेज़ी से की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा की योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के दौरान घोषित एवं स्वीकृत विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में भवन निर्माण, सड़क अवसंरचना, सिंचाई, खेल विकास, नदी तट सौंदर्यीकरण, लघु जल संसाधन तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि दाउदनगर, हसपुरा, गोह, नवीनगर, ओबरा, मदनपुर एवं औरंगाबाद प्रखंडों में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण विभिन्न चरणों में चल रहा है। वहीं मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत देव में लगभग 29.45 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें इंडोर स्टेडियम, अकादमिक भवन, चेंजिंग रूम सहित अन्य खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

बीपीएससी : 428 वां रैंक लाकर प्रशांत कुमार पाठक ने समाज का गौरव बढ़ाया

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले के समाजसेवी शिक्षक उमेश कुमार पाठक के पुत्र प्रशांत कुमार पाठक द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग के परीक्षा में 428 वां रैंक लाकर बाल सुरक्षा इकाई के असिस्टेंट डायरेक्टर बनने पर लोगों ने बधाई दी है। संज्ञा समिति के जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, संतोष मिश्रा, अजीत मिश्रा, उज्जवल रंजन, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य लोगों ने अपने बधाई संदेश में कहा कि प्रशांत कुमार पाठक की उपलब्धि से जिलेवासियों में खुशी की लहर है। साथ ही साथ लोगों ने यह भी कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में कठिन परिश्रम से यह सफलता हासिल किया है। अपनी सफलता पर प्रशांत कुमार पाठक ने बताया कि यदि इंसान अपनी जीवन में मेहनत को सर्वोपरि मानकर अध्ययनशील होकर अपने सपनों को मूर्त रूप प्रदान करें उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है।

डीएम ने बटाने पुल डायवर्जन निर्माण का किया निरीक्षण, 15 दिनों में काम पूरा करने का निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने गुरुवार को बटाने पुल के निर्माणाधीन डायवर्जन का स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसी को अगले 15 दिनों के भीतर हर हाल में डायवर्जन निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के कार्यपालक अभियंता को आवश्यकतानुसार श्रमिकों और मशीनों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्य में तेजी लाने के लिए रात्रि पाली (नाइट शिफ्ट) में भी निर्माण कार्य संचालित किया जाए, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर डायवर्जन तैयार हो सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सहायक अभियंता (एई), कनीय अभियंता (जेई) तथा अन्य तकनीकी कर्मियों को रोस्टर के अनुसार 24 घंटे स्थल पर मौजूद रहकर निर्माण कार्य की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और कार्य में आने वाली किसी भी बाधा का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी की जवाबदेही तय की जाएगी।

मुहर्रम को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से ओबरा थाना पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में निकाले गए इस फ्लैग मार्च में बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। फ्लैग मार्च ओबरा बाजार, सुर्खी, मिलतनगर, कागजी मोहल्ला, कुराइपुर सहित कई संवेदनशील एवं प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि मुहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच सुरक्षा का विश्वास कायम करना और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना है।

उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही असामाजिक तत्वों एवं अफवाह फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। थानाध्यक्ष ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मुहर्रम के अवसर पर सभी समुदायों के लोग आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द की भावना के साथ पर्व मनाएं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बंद घर से 80 हजार रुपए की चोरी

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के उपहारा थाना क्षेत्र स्थित महदीपुर गांव में बीती रात चोरी की एक बड़ी वारदात हुई है। चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए 80 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये के सोने के आभूषण चुरा लिए। यह घटना गांव निवासी सुरेंद्र प्रसाद के घर में हुई। जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र प्रसाद अपने गंभीर इलाज के लिए कुछ दिनों से बाहर थे, जबकि घर के अन्य सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए रिश्तेदार के घर गए हुए थे।

मुहर्रम को लेकर एसडीएम ने की दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों संग संयुक्त बैठक

निज सवांददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर मुहर्रम पर्व को लेकर एसडीएम अमित राजन ने गुरुवार को दाउदनगर थाना परिसर में दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मो जफर इमाम सहित प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। ब्रीफिंग के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने हेतु पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थलों पर समय से पहुंचकर स्थानीय स्थिति पर निरंतर नजर रखें तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना तत्काल वरीय पदाधिकारियों को दें।

बिहार सरकार

मंत्री
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग
बिहार

संदेश

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग निवारण दिवस

26 जून, विश्व भर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार के विरुद्ध जागरूकता के संकल्प हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका लक्ष्य मादक पदार्थों के सेवन पर अंकुश लगाकर एक स्वस्थ, संयमी एवं सशक्त समाज का निर्माण करना है। मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति को सामाजिक एवं आर्थिक पतन की ओर ले जाता है तथा पूरे परिवार एवं समाज के प्रगति की धारा को अवरुद्ध करता है।

राज्य में आमजनों, विशेष रूप से युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का हर संभव प्रयास सरकार के द्वारा विभिन्न माध्यमों से किया जा रहा है। इस बुराई से बचाव करना हम सब की भी जिम्मेवारी है, ताकि एक सतत प्रगतिशील समाज एवं राष्ट्र का निर्माण किया जा सके।

आइये, **'अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग निवारण दिवस'** के अवसर पर हम सब नशे के विरुद्ध एकजुट होकर एक स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल समाज के निर्माण का संकल्प लें।

(श्रवण कुमार)

PR No.- 006518 (I & PRD)D. 2026-27

सत्यमेव जयते
राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरूपयोग निवारण दिवस

26 जून, 2026

बिहार लोक भवन
पटना–800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

संदेश

मादक पदार्थों की लत एक गंभीर सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्या है, जो न केवल युवाओं बल्कि समाज के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। इसका सेवन व्यक्ति के स्वाभाविक शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास को बाधित करता है तथा पूरे परिवार को तनाव, चिंता और अवसाद की स्थिति में डाल देता है। यह कुप्रवृत्ति स्वस्थ एवं सभ्य समाज के निर्माण में बाधक होने के साथ–साथ हमारे सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को भी कमजोर करती है।

यह दिवस हमें मादक पदार्थों के दुरुपयोग से होने वाले दुष्परिणामों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने तथा इसके उन्मूलन के लिए अपने प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही, यह नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु संचालित कार्यक्रमों एवं अभियानों की समीक्षा कर उन्हें अधिक प्रभावी बनाने का अवसर भी प्रदान करता है।

आइए, **''अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग निवारण दिवस''** के अवसर पर हम सभी मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा इस सामाजिक बुराई को जन–जीवन से समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लें, ताकि एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

ले.ज.सय्यद अता हसनैन (से.नि.)

PR No.-006602 (SWD)D. 2026-27